धनबाद
गुरूवार 19.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-295 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-4
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

वन नेशन-वन इलेक्शन पर बनी जेपीसी के सदस्यों का ऐलान

कांग्रेस से प्रियंका गांधी और भाजपा से बांसुरी स्वराज शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी): वन नेशन वन इलेक्शन पर आम सहमति के लिए सरकार ने ज्वॉइंट पार्लियामेंट कमेटी (जेपीसी) के सदस्यों का ऐलान कर दिया है. लोकसभा से २१ और राज्यसभा से १० सांसदों को इस जेपीसी के लिए चुना गया है. कमेटी में कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी और सुखदेव भगत सिंह को शामिल किया गया है. भाजपा की ओर से नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा और अनुराग सिंह ठाकुर समेत १० सांसदों को जगह दी गई हैं. टीएमसी से कल्याण बनर्जी को कमेटी में लिया गया है. अभी तक राज्यसभा की तरफ से १० सदस्यों का ऐलान नहीं किया गया है. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल गुरुवार को लोकसभा में जेपीसी के सदस्यों के नामों का ऐलान करेंगे.

बता दें कि संसद में मंगलवार को पेश हुए १२९ वें संविधान (संशोधन) बिल यानी एक देश एक चुनाव बिल की समीक्षा के लिए सरकार ने बनने ज्वॉइंट

पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) बनाई है. इस कमेटी को अगले संसद सत्र यानी बजट सेशन के आखिरी हफ्ते के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट पेश करनी होगी.

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (१२९वां संशोधन) विधेयक, २०२४' और उससे जुड़े 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, २०२४' को निचले सदन में पेश किया. विपक्षी दलों ने इनका पुरजोर विरोध किया. इस बिल पर डिविजन वोटिंग हुई. इस बिल को साधारण बहुमत से पारित किया किया. २६९ सांसदों ने इसके पक्ष में वोटिंग की. १९८ सांसदों ने इस बिल के विरोध में वोट डाला. लोकसभा में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से वोटिंग हुई. पक्ष और विरोध में हुई वोटिंग के अंतर से विपक्ष की तरफ से ये दावा किया गया कि सरकार के पास विधेयकों को पारित करने के लिए जरूरी समर्थन की कमी है.

लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन बिल के लिए आज दो बार वोटिंग हुई. पहले स्पीकर ओम बिरला ने बिल पेश करने को लेकर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई. इसमें ३६९ सदस्यों ने वोट डाला. बिल के पक्ष में २२० और विपक्ष में १४९ वोट पड़े. इसपर विपक्षी सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई. इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने स्पीकर से कहा, अगर उनको ऑब्जेक्शन है तो पर्ची दे दीजिए. इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा, हमने पहले ही कहा था कि अगर किसी सदस्य को लगे, तो वह पर्ची के जरिए भी अपना वोट संशोधित कर सकता है.

इसके बाद दूसरी बार वोटिंग हुई. इस बार ज्यादा सांसदों ने वोट डाला. बिल के पक्ष में २६९ और विपक्ष में १९८ वोट पड़े. इसके बाद १:१५ बजे कानून मंत्री मेघवाल ने १२वां संविधान संशोधन बिल को दोबारा सदन के पटल पर रखा. विरोध के बाद बिल को गझउ के पास भेजने का फैसला लिया गया है.

शाह ने अंबेडकर का अपमान करने वालों के काले इतिहास को उजागर किया

पीएम मोदी ने किया अमित शाह का बचाव, कांग्रेस पर बोला हमला

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बाबा साहब अंबेडकर पर अमित शाह द्वारा की टिप्पणी का बचाव करते नजर आए उन्होंने कहा कि शाह ने अंबेडकर का अपमान करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया है, जिसके बाद वे उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से स्पष्ट रूप से स्तब्ध हैं। एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस सालों तक सत्ता में रही, लेकिन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कुछ नहीं किया।

पीएम मोदी ने कहा कि संसद में अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर का अपमान करने और एससी-एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया है। यही कारण है कि वे अब नाटकीयता में लिप्त हैं! उनकी लोग सच्चाई जानते हैं। कांग्रेस जितनी चाहे कोशिश कर ले, लेकिन वह इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि एससी-एसटी समुदायों के खिलाफ सबसे ज्यादा नरसंहार उनके राज में ही हुए हैं। सालों तक वे सत्ता में रहे, लेकिन एससी और एसटी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कुछ भी नहीं किया।

पीएम मोदी ने बाबा साहेब अंबेडकर के प्रति कांग्रेस

के पापों की सूची भी पेश की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक बार नहीं बल्कि दो बार चुनावों में हराया। पंडित नेहरू द्वारा उनके खिलाफ प्रचार करना और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाना। उन्हें भारत रत्न देने से इनकार करना। संसद के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र को सम्मान का स्थान न देना। पीएमए मोदी ने कहा कि देश के लोगों ने समय-समय पर देखा है कि कैसे एक पार्टी ने अंबेडकर की विरासत को मिटाने के लिए गंदी चाल चली है। पीएम मोदी ने कहा कि यदि कांग्रेस और उसका सड़ा हुआ तंत्र यह सोचता है कि उनके दुर्भावनापूर्ण झूठ उनके कई सालों के कुकर्मों, विशेषकर डॉ. अंबेडकर के प्रति उनके अपमान को छिपा सकते हैं, तो वे बहुत बड़ी गलतफहमी में हैं।

फायरिंग रेंज में ब्लास्ट 2 जवानों की मौत

बीकानेर (ईएमएस): राजस्थान के बीकानेर में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में प्रैक्टिस के दौरान ब्लास्ट होने से २ जवानों की मौत हो गई।

एक जवान गंभीर रूप से घायल है। उन्हें सूरतगढ़ के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में ४ दिन में यह दूसरा हादसा है। दोनों हादसों में ३ जवानों की मौत हुई है।

सेना के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने बताया- हादसा फायरिंग रेंज के चार्ली सेंटर पर हुआ, जहां सैन्य अभ्यास चल रहा था।

सुबह तोप से फायर करते वक्त अचानक ब्लास्ट हुआ, इसकी चपेट में तीन जवान आ गए थे। बीकानेर में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में रविवार को भी युद्धाभ्यास के दौरान एक जवान की मौत हो गई थी।

एक देश-एक चुनाव बिल की वोटिंग में 20 सांसद रहे अनुपस्थित

गडकरी-सिंधिया समेत सभी को भाजपा भेजेगी नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस): पार्टी द्वारा जारी किए व्हिप के बावजूद भाजपा के २० सांसद एक देश-एक चुनाव बिल की वोटिंग में सदन से नदारद रहे। बताया जा रहा है कि भाजपा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और गिरिराज सिंह समेत २० सांसदों को नोटिस भेज सकती है।

भाजपा ने ३ लाइन का व्हिप जारी कर पार्टी के सभी सांसदों को बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद रहने के निर्देश दिए थे। इसकी अवहेलना करने पर सांसदों को नोटिस भेजकर कारण पूछा जाएगा।

हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन सभी सांसदों ने पार्टी को अपनी अनुपस्थिति के बारे में पहले से सूचित किया था या नहीं। लेकिन सूत्रों का कहना है कि भाजपा अपने उन सांसदों को नोटिस भेजेगी जो मंगलवार को एक देश, एक चुनाव बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद नहीं थे।

ये सांसद गैरहाजिर थे- केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और सीआर पाटिल, शांतनु ठाकुर, जगदंबिका पाल, बीवाई राघवेंद्र, विजय बघेल, उदयराजे भोंसले, जगन्नाथ सरकार, जयंत कुमार रॉय, वी सोमन्ना, चिंतामणि महाराज समेत कुल २० सांसद सदन में मौजूद नहीं थे।

भारत-चीन के बीच आज होगी सीमा मामले पर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक, डोभाल चीन पहुंचे

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बीते करीब साढ़े चार वर्षों से अधिक समय से जारी विवाद की पूरी तरह से समाप्ति के बाद मामले से जुड़े अन्य जरूरी मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए भारत की तरफ से विशेष प्रतिनिधि बनाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मंगलवार को चीन की राजधानी बीजिंग पहुंचे।

बुधवार को उनकी चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधि स्तर की २३वीं बैठक होगी। इसमें मुख्य रूप से इस साल २१ अक्टूबर को एलएसी के देपसांग और डेमचौक में की गई विवाद समाप्ति की घोषणा के बाद इलाके में तनाव से जुड़े हुए इन दोनों इलाकों में डीएसक्लेशन व विवाद से जुड़ी सभी जगहों पर सैन्य गश्त की भावी प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के पुनर्निर्माण का मामला भी शामिल रहेगा। इस अहम बैठक से पहले चीन ने १७ दिसंबर को कहा कि दोनों देशों के बीच विवाद खत्म होने की घोषणा के बाद रूस के कजान शहर

में २४ अक्टूबर २०२४ में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पहली द्विपक्षीय बैठक में जताई गई प्रतिबद्धताओं का सम्मान करता है। इसी के तहत चीन के विदेश मंत्री भारतीय प्रतिनिधि यानी एनएसए के साथ संवाद करेंगे। यहां बता दें कि इस बैठक से पहले दोनों देशों के बीच नई दिल्ली में डब्ल्यूएमसीसी की एक बैठक हुई थी। जिसमें सीमा मसले के साथ-साथ विशेष प्रतिनिधियों की अगली बैठक की तैयारी पर भी मंथन किया गया था।

रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाएंगे : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को राजधानी में विभागीय परामर्शदात्री समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसे संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने विश्वास के साथ कहा कि पूर्व में मौजूद आयुध फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के निगमीकरण के

बाद गठित किए गए नए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (डीपीएसयू) रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बैठक में समिति के कुछ सदस्यों ने डीपीएसयू में मानव संसाधन से जुड़े हुए मुद्दों पर जाहिर की गई चिंताओं और सुझावों पर राजनाथ सिंह ने आश्वासन के साथ कहा कि निगमीकरण से उत्पन्न हुए तमाम मुद्दों को सभी हितधारकों से जरूरी परामर्श के साथ उचित रूप से संबोधित किया जा रहा है। सुझावों की सराहना करते हुए उन्होंने क्रियान्वयन के लिए इनकी जांच करने की बात भी कही। बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार सहित मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में निगमीकरण के बाद डीपीएसयू की भूमिका और कार्यों पर चर्चा की गई।

लापता लेडीज ऑस्कर की रेस से बाहर

मुंबई (ईएमएस): फिल्म लापता लेडीज ९७वें ऑस्कर अवॉर्ड-२०२५ की रेस से बाहर हो गई है। यह फिल्म अंतिम १५ फिल्मों की सूची में शामिल नहीं हो पाई। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आट्र्स एंड साइंसेज ने बुधवार सुबह यह ऐलान किया। फिल्म की टीम ने इस पर रिएक्शन दिया है। बयान में उन्होंने कहा- लापता लेडीज इस साल एकेडमी अवॉड्र्स की शॉर्टलिस्ट में जगह नहीं बना पाई। यह हमारे लिए निराशाजनक है। लेकिन, हमें इस जर्नी के दौरान आप सभी का समर्थन और भरोसा मिला है, इसके लिए आभार व्यक्त करते हैं।

10 साल के बाद आधार में नया फोटो अपडेट करना जरूरी

नई दिल्ली (ईएमएस): आधार कार्ड यदि १० साल पहले का बना हुआ है। उसका फोटो १० साल के बाद अपडेट कराना जरूरी है। यदि नया फोटो अपडेट नहीं कराया गया, तो आधार कार्ड निरस्त

हो सकता है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा १० साल पुराने आधार कार्ड में पता और पहचान अपडेट करने को अनिवार्य किया गया है। ऑनलाइन अपग्रेडेशन के लिए ६ माह की समय सीमा और बढ़ा दी गई है। प्राधिकरण निर्देश के अनुसार १० साल में जिन लोगों ने अपने आधार में पता नहीं बदलवाया है। वह केवल अपना फोटो बदलवाकर उसे अपडेट कर सकते हैं।

१० साल पुराने आधार कार्ड पर जिन लोगों ने एक बार भी अपना फोटो नहीं बदलवाया है। उनके लिए बायोमैट्रिक डाटा, जिसमें फिंगरप्रिंट और आंखों की पुतली अपडेट करना अनिवार्य किया गया है। बायोमैट्रिक डाटा अपडेट करवाने पर ₹१०० का शुल्क और पता और पहचान अपडेट करने पर ₹५० का शुल्क प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया गया है।

फ्रांस में चिडो से मची तबाही पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मदद की पेशकश की

राष्ट्रपति मैक्रों ने जताया आभार कहा- आपके विचारों और समर्थन के लिए धन्यवाद

नई दिल्ली (ईएमएस): फ्रांस के मायोट में आए विनाशकारी तूफान चिडो ने तबाही मचा दी है जिस पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। साथ ही उन्होंने हरसंभव मदद की पेशकश की है। पीएम मोदी की संवेदनाओं पर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आभार जताया है।

बता दें चिडो एक विनाशकारी तूफान था, जिसने शनिवार को फ्रांसीसी द्वीप समूह मायोट में भयंकर तबाही मचाई। चक्रवात चिडो ९० से ज्यादा सालों में मायोट में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान था। प्रलयकारी हवाओं ने आसपास के क्षेत्रों को भी तहस-नहस कर दिया है। बिजली के ग्रिड नष्ट हो गए और अस्पतालों, स्कूलों और हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया।

पीएम मोदी ने संवेदना व्यक्त करते हुए

कहा कि मायोट में चक्रवात चिडो के कारण हुई तबाही से वह बहुत दुखी हैं। उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में, फ्रांस इस त्रासदी को दृढ़ संकल्प के साथ दूर करेगा। भारत फ्रांस के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी के संदेश का जवाब देते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- प्रिय नरेंद्र मोदी, आपके विचारों और समर्थन के लिए धन्यवाद। श्रेणी-४ के तूफान, चक्रवात चिडो ने सप्ताहांत में दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर में तबाही मचा दी है। चक्रवात ने ३ लाख से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है। उत्तरी मोजाम्बिक में भी भारी तबाही हुई है। फ्रांस के पीएम ने एक बैठक में टिप्पणी की कि हर कोई समझता है कि यह एक ऐसा चक्रवात था जो अप्रत्याशित रूप से विनाशकारी था। चक्रवात से होने वाली मौतों की संख्या चौंका देने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट में शुरुआती रिपोर्टों ने ११ मौतों की पुष्टि की, लेकिन बचाव प्रयासों के जारी रहने के कारण संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रिसेंट सोसाइटीज ने मायोट में अपने २०० से ज्यादा स्वयंसेवकों के लापता होने पर चिंता व्यक्त की।

शादी का झांसा देकर मणिपुर की डॉक्टर से दुष्कर्म

अशोकनगर (ईएमएस): मध्य प्रदेश के अशोक नगर में मणिपुर की एक डॉक्टर १ साल के बांड पर आई हुई थी। इस डॉक्टर ने अशोकनगर के डेंटिस्ट डॉ विकास सिंह के ऊपर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। डेंटिस्ट ने अपने आप को गैर शादीशुदा बताया था। मणिपुर की डॉक्टर के साथ विकास सिंह ने यौन संबंध बनाए। उससे शादी का वादा किया था। बाद में महिला डॉक्टर को पता लगा कि, डॉ विकास की पहले ही शादी हो चुकी है, उसके बच्चे भी हैं। इस बात की जानकारी होने के बाद महिला डॉक्टर ने इंफाल के महिला पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अशोकनगर के जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर विशाल सिंह को आरोपी बनाया गया है।

दो दिवसीय कुवैत यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम मोदी कुवैत के अमीर महामहिम शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर २१-२२ दिसंबर २०२४ को कुवैत का दौरा करेंगे। यह ४३ वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की कुवैत की पहली यात्रा होगी। यात्रा के दौरान पीएम कुवैत के नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे। पीएम मोदी कुवैत में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और कुवैत के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जो इतिहास में निहित हैं और आर्थिक संबंधों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों से मजबूत हुए हैं। भारत कुवैत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है और भारतीय समुदाय देश में सबसे बड़ा प्रवासी समूह है।

1.36 लाख करोड़ की मांग हवा-हवाई नहीं है बाबूलाल जी : हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): लोकसभा में केंद्र सरकार द्वारा एक सवाल के जवाब में यह कहा गया कि झारखंड सरकार का कोई पैसा केंद्र पर बकाया नहीं है. इस जवाब के बाद झारखंड की राजनीति गरमा गई है. एक तरफ सरकार ने बकाये को लेकर तमाम तरह के तथ्य व दस्तावेज दिये हैं,

कानूनी कार्रवाई करने की बात की है. वहीं झामुमो ने विरोध में आंदोलन की बात की है. वहीं भाजपा के द्वारा १.३६ लाख करोड़ रुपये के बकाये और इसकी मांग को हवा-हवाई बताया जा रहा है.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को कहा कि झामुमो ने हवा-हवाई बातें की. केंद्र सरकार पर १.३६ करोड़ रुपये बकाये का भ्रामक आरोप लगाये. इसके जवाब में बुधवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि झारखंडियों की मांग हवा-हवाई नहीं है. झारखंडी हकों का आपका विरोध वाकई दुखद है. जब आपको अपने संगठन की पूरी ताकत लगाकर हमारे साथ खड़ा होना था, तब आप विरोध कर रहे हैं. खैर, हम अपना हक अवश्य लेंगे. क्योंकि यह पैसा हर एक झारखंडी का हक है.

नौसेना की स्पीड बोट से जोरदार टक्कर के कारण डूबी नीलकमल नाव, तीन की मौत

मुंबई (ईएमएस): मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा जा रही नीलकमल नाम की एक यात्री नाव मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया से समुद्र में लगभग १० किमी दूर में समंदर में डूब गई। इस नाव में करीब ८० यात्री सवार थे। इनमें से ७२ यात्रियों को बचा लिया गया है। खबर है कि तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि ५ लोग लापता बताये जा रहे हैं। घटनास्थल पर बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है। इस हादसे का एक वीडियो सामने आया है।

एलीफेंटा जाते समय उरण के कारंजा के पास यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि यात्रियों से भरी ये नाव सामने से आ रही भारतीय नौसेना की स्पीड बोट से जोरदार टक्कर के कारण डूब गई। जानकारी के मुताबिक नीलकमल नाम की नाव बुधवार दोपहर करीब तीन बजे गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा की ओर रवाना हुई। इस नाव की क्षमता १३०

यात्रियों की थी। हादसे के वक्त नाव में ८० यात्री सवार थे। हादसे में ३ यात्रियों की मौत हो गई और ५ लोग लापता हैं। बताया गया है कि यात्री नाव एलीफेंटा जा रही थी। तभी नेवी की स्पीड बोट ने उसके सामने तेज गति से एक चक्कर लगाया। फिर स्पीड बोट यात्री नाव से दूर चली गयी। इसके बाद वह टेढ़े-मेढ़े मोड़ लेते हुए यात्री नाव की ओर आ गयी। स्पीड बोट ने यात्री नाव को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यात्री नाव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। नाव में पानी भरने लगा। कुछ ही देर में पूरी नाव डूब गई।

स्पीड बोट ने चक्कर लगाया और सामने से मार दी टक्कर

इस हादसे का मंजर कैमरे में कैद हो गया है। इसमें एक स्पीड बोट पहले बड़ा चक्कर लगाती नजर आ रही है। इसके बाद स्पीड बोट नीलकमल नाव को सामने से टक्कर मार देती है। इसी कारण यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाली स्पीड बोट भारतीय नौसेना की है। यह नाव नौसेना की होने की जानकारी मिलने के बाद भारतीय नौसेना की ओर से इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

स्पीड बोट ने नियंत्रण खो दिया

इस मामले में राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हादसा तब हुआ जब भारतीय नौसेना की स्पीड बोट ने नियंत्रण खो दिया। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई। जिन लोगों को बचाया गया उनका तुरंत इलाज किया जा रहा है। मृतकों के परिवारों को राज्य सरकार द्वारा सहायता दी जाएगी।

प्रभात फेरी से शुरू हुआ कानूनी साक्षरता व जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : झारखंड राज्य विधिक प्राधिकरण के निर्देश पर लोगों में कानूनी साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ९० दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को प्रभात फेरी निकाल कर किया गया। प्रभात फेरी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा वीरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में सिविल कोर्ट धनबाद से निकलकर रणधीर वर्मा चौक, सिटी सेंटर चौक तक गई, न्यायाधीश ने वहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। नुक्कड़ नाटक की टीम के द्वारा नाटक का मंचन कर लोगों में कानूनी जागरूकता फैलाने का काम किया गया।

जिसके बाद प्रभात फेरी वहां से वापस सिविल कोर्ट आई। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि ९० दिनों तक न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम हर एक क्षेत्र में जाकर कानूनी जागरूकता फैलाएगी।

उन्होंने बताया कि नालसा हेल्पलाइन नंबर १५१००, डायन बिसाही मामले को लेकर हेल्पलाइन नंबर १८१ सहित अन्य हेल्पलाइन नंबर के विषय में लोगों को बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन हेल्पलाइन नंबर पर एक बार जरूर कॉल करें और जानने का प्रयास करें कि यह काम करता है या नहीं। वही कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन ने बताया कि इस ९० दिनो के कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें एनजओ, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी शामिल हैं डोर टू डोर जाकर लोगों को कानून व विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी देंगे। साथ ही विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र छात्राओं के बीच वाद विवाद, निबंध, पेंटिंग, भाषण, प्रभात फेरी आदि का आयोजन किया जाएगा।

बाल विवाह, साइबर ठगी, ड्रग, डायन बिसाही, बाल मजदूरी आदि के बारे लोगों को जागरूक किया जाएगा। महिला, दिव्यांगजन, एसटीएससी, वृद्धजन आदि की मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पीएलवी एक दूसरे के सहयोग से कार्य को पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, टी. हसन, एसएन मिश्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीकांत पाठक, स्वयंभू, दुर्गेश दुर्गेश चंद्र अवस्थी प्रभाकर सिंह, कुमार सकेत, कुलदीप, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, अवर न्यायाधीश निताशा बारला, सत्यभामा, श्वेता कुमारी, ऐंजोलिना जोन, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाने पर कार्यशाला

धनबाद (कासं) : जिले के सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त के लिए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जिला +२ स्कूल के सभागार में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू सेवन की आदत जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या है। इसलिए तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम के प्रति अवयस्क और युवा वर्ग में जागरूकता फैलाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हम सब की जिम्मेदारी है कि अपने आनेवाले भविष्य की चिंता करते हुए युवाओं और अवयस्कों को तम्बाकू की लत से दूर रखा जाये।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई। सीडस के कार्यक्रम समन्वयक रिम्पल झा ने तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की आवश्यकता के बारे में बताया कि तम्बाकू उत्पाद से बच्चे, अवस्क एवं युवा वर्ग को बचाये जाने की आवश्यकता है। ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे (२०१९) द्वारा सम्पूर्ण विश्व में युवाओं द्वारा तम्बाकू सेवन से संबंधित जो आंकड़ें संकलित किये गये हैं। आकड़ा दर्शाता है कि भारत में १३१५ वर्ष के ८.५ प्रतिशत छात्र तम्बाकू का उपयोग कर रहे हैं। वहीं झारखण्ड में यह ५.१ प्रतिशत है। जो चिन्ता का विषय है।

उन्होने कहा प्रायः ऐसा देखा जाता है कि राज्य के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तम्बाकू उत्पाद सिगरेट, बीडी. पान मसाला, जर्दा एवं खैनी इत्यादि की बिक्री की जाती है। इससे कम आयु के युवाओं एवं छात्रों में धूम्रपान एवं तम्बाकू सेवन की आदत मिलती है। जिसमें सभी शिक्षण संस्थानों में धूम्रपान मुक्त एवं तंबाकू मुक्त परिसर का साइनेज का प्रदर्शन एवं नामित किए गए पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं मोबाइल नंबर अंकित होना, तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का साइनेज शिक्षण संस्थान के मुख्य द्वार पर लगाना, तम्बाकू सेवन के दूष्परिणामों से संबंधित पोस्टर का प्रदर्शन, हर छह माह पर तम्बाकू नियंत्रण से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करना, तम्बाकू मोनिटर शिक्षक एवं विद्यार्थि नामित करना एवं उनका नाम पदनाम एवं मोबाइल नम्बर को साइनेज पर प्रदर्शित करना आदि शामिल हैं।

कार्यक्रम में सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय, शिक्षा विभाग के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, चयनित विद्यालय के प्राचार्य, नोडल शिक्षक, सीड्स झारखंड के क्षेत्रीय समन्वयक भोला पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अमन के हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग को ले राजभवन का घेराव करेगा तेली साहू समाज

धनबाद (कासं) : व्यापारी अमन साव की हत्या एवं कारोबारी चेतन साव पर जानलेवा हमला करनेवाले अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में धनबाद जिला तेली साहू समाज ने बुधवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया। जिला अध्यक्ष जगदीश साव ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर समाज के दो कारोबारी पर अपराधियों ने गोली चलाई। अमन साव की हत्या कर दी गई। चेतन साव गंभीर हालत में अस्पताल में इलाजरत हैं। पुलिस अभीतक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं कर सकी। इससे पुलिस की निष्क्रियता का पता चलता है। प्रिंस खान के आतंक से धनबाद के व्यापारी ख़ौफ़ज़दा है। समाज आज के इस धरने के माध्यम से पुलिस प्रशासन को चेतावनी देने का काम कर रही है कि एक सप्ताह के भीतर अगर अपराधी गिरफ्तार नहीं हुए तो राजभवन का घेराव किया जायेगा। धरना में समाज के अंकेश राज, हीरामन नायकु, जानकी प्रसाद महतो, देबू महतो तालेश्वर साव, राजीव साव उदय साव, कुलदीप साव, गुप्तेश्वर साव, सतीश महतो, रोहित महतो, सुदर्शन साव, दिलीप साव, रंजीत साव, नारायण महतो, मीरा देवी, मीना देवी, जलेश्वर महतो राजाराम महतो, शंकर महतो, जितेंद्र साव, त्रिभुवन महतो, गणेश साव, अनूप साव भारती देवी गीता देवी इत्यादि थे।

विश्व अल्पसंख्यक दिवस पर सेमिनार का आयोजन

धनबाद (कासं) : बुधवार को विश्व अल्पसंख्यक दिवस पर समाहरणालय के सभागार में कल्याण विभाग द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला कल्याण पदाधिकारी नियाज अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर विनीता कुमारी समेत अन्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।कार्यक्रम के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी नियाज अहमद, अंचलाधिकारी पुटकी विकास आनंद, अंचल अधिकारी धनबाद शशिकांत सिंकर, सहायक कुल सचिव बीबीएमकेयू समेत अन्य वक्ताओं द्वारा आज के इस सेमिनार में विश्व अल्पसंख्यक दिवस से संबंधित अपनेअपने मंतव्य रखे गए।

वक्ताओं ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में रहने वाले अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है। यह दिन विशेष रूप से उन समुदायों के अधिकारों को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है, जो समाज में संख्यात्मक दृष्टि से कम हैं। हर साल १८ दिसंबर को भारत में अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों और मुद्दों पर ध्यान खींचा जाता है। लोग धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने की बात करते हैं।

इस दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी नियाज अहमद द्वारा अल्पसंख्यक हेतु चलाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कल्याण विभाग द्वारा धनबाद जिला में शैक्षणिक विकास, गरीबों का विकास, छात्रवृत्ति योजना, छात्रावास की व्यवस्था, बेरोजगार के लिए चिकित्सा अनुदान राशि, वन पट्टा का वितरण, कम दर पर दुकान उपलब्ध कराने समेत कई कल्याणकारी योजनाओं से धनबाद में कई लोगों को लाभ दिया गया है।मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत विभिन्न विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

विजय कुमार गुप्ता का आमरण अनशन जारी

जोड़ापोखर (ससे) : सेल कंपनी जीतपुर के कोलियरी गेट के समक्ष मजदूरों के पांच सूत्री मांगों को लेकर विजय कुमार गुप्ता का आमरण अनशन बुधवार को भी जारी रहा। तीसरे दिन डॉक्टर की टीम भूख हड़ताल कर रहे विजय कुमार गुप्ता का स्वस्थ्य जांच की।

तीसरे दिन भी सेल प्रबंधन ने असंगठित मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया, परंतु एक बार फिर वार्ता विफल रही। मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल तथा सेल के अधिकारी द्वारा आज सुबह से कई चक्र वार्ता हुई, परंतु कोई हल नहीं निकल सका। देर शाम आमरण अनशन के जगह झरिया सीओ मनोज कुमार पहुंच सेल प्रबंधन से उक्त मुद्दे पर बात हुई। जिसमे गुरुवार को प्रतिनिधिमंडल से एक बार फिर वार्ता की जाएगी। वार्ता में प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक बादल मंडल, चासनाला से पहुंचे अधिकारी उदय कुलकर्णी, यूनियन प्रतिनिधि नितांई महतो, राजकुमार सिंह, संजय सिंह, सुरेश सिंह, नगीना पासवान, भगलु राउत व पंकज कुमार के उपस्थित रहे।

बीसीसीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का ख़िताब पूर्वी झरिया ने जीता

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच बुधवार को जेलगोरा स्टेडियम में खेला गया, जिसमें पूर्वी झरिया क्षेत्र ने ब्लॉक२ क्षेत्र को ५३ रनों से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

मैच का टॉस ब्लॉक२ क्षेत्र ने जीता और पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए पूर्वी झरिया क्षेत्र ने २० ओवर में ६ विकेट के नुकसान पर १७१ रन बनाए। टीम की ओर से सिद्धार्थ सुमन ने ९० रनों की शानदार पारी खेली, जबकि अनुज कुमार मंडल ने ४७ रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। ब्लॉक२ क्षेत्र के गेंदबाजों में बबलू कुमार, गोपालदास, उमेश प्रसाद, और कुलदीप ने एकएक विकेट लिये।

जवाब में, ब्लॉक२ क्षेत्र की टीम २० ओवरों में ९ विकेट खोकर केवल ११९ रन ही बना सकी। ब्लॉक२ की ओर सेगोपालदासने ३४ रन बनाए, जबकिअमितकुमारने १४ रनों का योगदान दिया। पूर्वी झरिया क्षेत्र की गेंदबाजी में देवेंद्र कुमार ने ३ विकेट और किसलय कुमार ने ४ विकेट लेकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। इस मैच में' मैन ऑफ द मैच'का पुरस्कार पूर्वी झरिया क्षेत्र के सिद्धार्थ सुमन को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार पूर्वी झरिया क्षेत्र के महाप्रबंधक निखिल त्रिवेदी ने प्रदान किया।

समापन समारोह में लोदना क्षेत्र के महाप्रबंधक निर्झर चक्रवर्ती और पूर्वी झरिया क्षेत्र के महाप्रबंधक निखिल त्रिवेदीने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। समारोह का संचालन लोदना क्षेत्र के कार्मिक प्रबंधक दीपककुमारसिंहने किया। इस अवसर पर लोदना और पूर्वी झरिया क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डिगवाडीह में पुलिस जन शिकायत कार्यक्रम

जामाडोबा/जो ज्ञापोखर : डिगवाडीह स्थिति टाटा कम्युनिटी सेन्टर में आयोजित पुलिस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में उपस्थित शिकायतकर्ताओं को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि पुलिस से जुड़ी समस्याओं की जांच कर तत्काल निराकरण किया जाएगा। दूसरे विभाग की समस्या जो पुलिस क्षेत्र से बाहर है उसे संबंधित विभाग को हस्तांतरित कर समाधान किया जाय। सिन्दरी अनुमंडल एसडीपीओ अशुतोष कुमार ने बताया कि आज के जनशिकायत में कुल १३ थाना व ओपी प्रभारी एवं सर्किल इंस्पेक्टर पंकज भूषण, राजेश कुमार सिन्हा, आदि पुलिसकर्मी पहुंचकर शिकायत का आवेदन लिया। शिकायतकर्ता भौंरा गांधी नगर से राजीव कुमार सिन्हा, सुदामडीह क्षेत्र के आमावती देवी की शिकायत सुनते हुए सिटी एसपी अजीत कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत की।

कार्यक्रम में जोड़ापोखर, भौंरा, सुदामडीह, पाथरडीह, गौशाला, सिन्दरी, बलियापुर, तीसरा, धनुआडीह, झरिया, बोरगंढ़, अलकडीह, गौशाला, लोदना थाना के पुलिस अपने अपने स्टॉल पर शिकायत सुनने का सराहनीय कार्य किया।

बीसीसीएल में जोनल खेल महोत्सव का समापन

धनबाद (कासं) : बुधवार को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अंचल१ में दो दिवसीय जोनल स्पोर्ट्स का समापन हरिणा बगान क्रीड़ा स्थल में हुआ। इस खेल महोत्सव में चार प्रमुख क्षेत्र के कतरास, गोविंदपुर, ब्लॉक२ और बरोरा के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक (ब्लॉक२) अनुप कुमार रॉय, विभागाध्यक्ष (प्रशासन) सुरेंद्र भूषण, तथा विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि, कम्पनी के अधिकारी, कर्मचारी एवं दर्शक भी उपस्थित थे। निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल से जीवन में सकारात्मकता आती है तथा इसका लाभ जीवन के हर पहलू में देखने को मिलता है।

प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में विजेता प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। प्रमुख विजेताओं में १०० मीटर पुरुष रेस में संदीप कु मुईयां, १०० मीटर महिला रेस में मनोरमा देवी, ३००० मीटर साइकिल रेस में कुंज बिहारी, १५०० मीटर पुरुष रेस में लक्ष्मन महतो, १५०० मीटर महिला रेस में रूपा कुमारी, २०० मीटर महिला रेस में मनोरमा देवी, २०० मीटर पुरुष रेस में संदीप कु मुईयां, ३००० पुरुष रेस में सैरिन्द्री कैम्पो, पुरुष हैमर थ्रो प्रतियोगिता में प्रवीन चन्द्र मिश्रा, पुरुष पोल वोल्ट प्रतियोगिता में प्रभाष कुमार सिंह, तीरन्दाजी में असरफ अंसारी विजयी रहे। इसके अतिरिक्त, शॉट पुट, ट्रिपल जंप, लंबी कूद, ऊंची कूद, डिस्कस थ्रो, भाला फेंक और रिले रेस जैसी कई रोचक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

ओवरऑल विजेताका खिताब गोविंदपुर क्षेत्र ने जीता, जबकि ब्लॉक२ क्षेत्र ने द्वितीय स्थान हासिल की।

महाप्रबंधक (ब्लॉक२) अनुप कुमार रॉय ने कहा कि इस खेल आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित किया, बल्कि बीसीसीएल परिवार के बीच सामूहिकता और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ किया। बीसीसीएल प्रबंधन ने विजेता और सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

स्व. बिनोद बिहारी महतो की मनी पुण्यतिथि

धनबाद (कासं) : झारखंड के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो की ३३वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को धनबाद रेलवे स्टेशन रोड चौक स्थित आदमकद प्रतिमा पर समाजसेवी उदय प्रताप सिंह व युवा संघर्ष मोर्चा, जनवादी के संस्थापक दिलीप सिंह ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके उदय प्रताप सिंह ने कहा विनोद बाबू ने झारखंड के शोषित, दलित एवं आदिवासियों के अधिकार की लड़ाई लड़ी। फलस्वरुप अलग राज्य का गठन हुआ। लेकिन विनोद बाबू के सपनों का झारखंड आज तक नहीं बना। उनके सपनों को पूरा करने के लिए हम सभी को समर्पित भाव से संघर्ष करना होगा। उनका कहना था पढ़ो और लड़ो। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को शिक्षा से ही समाज का कल्याण होने का संदेश दिया। ताकि यहां के लोग जागरुक हो और झारखंड भारत का अग्रणी राज्य बन सके। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में अपनी महत्ती भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान दिलीप सिंह ने कहा झारखंड राज्य विनोद बाबू की परिकल्पना का प्रतिफल है। शिक्षा के साथसाथ झारखंडी संस्कृति को आगे बढ़ाने में भी उनका अहम योगदान रहा है।

बिनोद बाबू की पुण्यतिथि पर कंबल वितरित

जोड़ापोखर (ससे) : झारखण्ड के महान आंदोलनकारी स्व. बिनोद बिहारी महतो की ३३वीं पुण्यतिथि पर तारा देवी अपने शुभचिंतकों के साथ श्रद्धासुमन अर्पित की। इसके पश्चात मंदाकिनी स्कूल ग्राउंड के समीप बढ़ती ठंड को देखते हुए सिन्दरी के पूर्व विधायक इन्द्रजीत महतो की धर्मपत्नी सह भाजपा नेत्री तारा देवी के सहयोग से सैकड़ों जरूरत मंद लोगों के बीच कंबल वितरण की गई। इसके पश्चात तारा देवी ने अपने आवास पर आजसू पार्टी के सुप्रीमों सुदेश महतो, गोमिया के पूर्व विधायक डा. लंबोदर महतो एवं मांडू के नवनिर्वाचित विधायक तिवारी महतो एक ओपचारिक मैट मुलाकात में शाल ओढ़ाकर अभिन्दन व स्वागत किया। उक्त वरिष्ठ नेतागण बलियापुर स्थित स्व. बिनोद बाबू की पुण्यतिथि पर पहुंच कर श्रद्धांजलि समारोह में उपस्थित हुए।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

निरसा (ससे) : बुधवार को पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन निरसा के पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक एच पी जनार्दन मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में निरसा पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी एसडीपीओ रजत माणिक बाखला सहित बीडीओ, सीओ, अनुमंडल के सर्किल इंस्पेक्टर, सभी थानों व ओपी प्रभारी एवं क्षेत्र के महिला पुरुष काफी संख्या में उपस्थित थे।

एसडीपीओ रजत माणिक बाखला एवं निरसा सर्किल के इंस्पेक्टर रविकांत ने विस्तार पूर्वक जानकारी साझा किया। बताया कि प्रथम दृष्टया किसी घटना के बाद प्राथमिकी कैसे दर्ज की जाती है, ऑनलाइन या फिजिकली, किसी भी स्थिति में प्राथमिकी पर हस्ताक्षर जरूरी है। आकस्मिक स्थिति में लोकल स्तर पर सम्पर्क किया जाय नहीं तो ११२, १९३० नं. डायल कर सूचना दी जाये १५ मिनट में कार्रवाई होती है। साइबर क्राइम के सम्बंध में बताया कि स्वयं की गलती से आदमी ठगे जाते हैं। आप सावधान रहेंगे सुरक्षित रहेंगे। अधिकारी द्वय ने कहा कि जामताड़ा के करमाटांड़ की तरह निरसा के पीठाक्यारी में भी साइबर अपराधी सक्रिय हैं। सावधान रहने की आवश्यक्ता है, सिर्फ पुलिस को दोषी ठहराने से समस्या का हल नहीं है। पुलिस आपकी सेवा के लिये है। किसी भी घटना में जनता बिना संकोच के पुलिस को सहयोग करे तो क्राइम डिटेक्ट करने में सहूलियत होती लेकिन वैसा होता नहीं। सड़क दुर्घटना में लोग सड़क जाम कर देते है वाहनों को क्षतिग्रस्त करने लगते है, पुलिस का रास्ता रोक देते हैं। एम्बुलेंस तक को रोक देते हैं जिससे कार्रवाई में बिलम्ब होता है। कोई भी समस्या हो अपनी शिकायत व्हाट्सएप नंबर ९४७०५८९४६७ तथा ईमेल आईडी सीधे दर्ज करा सकते हैं। शिकायतों का त्वरित कार्रवाई होगी। उपस्थित निरसा पुलिस अनुमंडल के सभी थानां व ओपी प्रभारियों ने अपने सम्बोधन में पुलिस और जनता के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर बल दिया और अपने अनुभव के माध्यम से जनता को कानूनी प्रक्रिया की जानकारियां दी।

बिनोद बिहारी महतो को श्रद्धांजलि

कालीमेला (ससे) : पढ़ो और लड़ो का नारा देनेवाले झारखंड आंदोलन के पुरोधा शिवाजी समाज के संस्थापक व वरीय महाधिवक्ता स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो की ३३वीं पुण्यतिथि पर डुमरी दो नंबर बिनोद बिहारी चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

सर्व प्रथम राम प्रसाद बिनोद बाबू की प्रतिमा को माला पहना कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद प्रखंड अध्यक्ष प्रतिमा देवी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बिनोद बिहारी महतो ने काफी संघर्ष किया। आज उनकी याद दिलों में गूंजती है। उन्होंने कहा है कि बिनोद बिहारी महतो का सपना था कि पढ़ो तब जाकर अपने हक की लिए लड़ाई लड़ो। तभी अपनी जीत सुनिश्चित हो पायेगी।

बिनोद बिहारी महतो का जन्म २३ सितंबर १९२३ को बलियापुर धनबाद में हुआ था। वह १९७२ में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक थे। श्रद्धांजलि देने वालों में राजेंद्र प्रसाद साव, प्रयाग रजक, बलदेव सिंह, गाजू महतो, गोरा चंद, अजित महाकाल, चंदन पंडित, बबिता महतो, गंगा देवी तथा सुनीता देवी आदि थे।

अधिवेशन की तैयारी में जुटे विद्यार्थी परिषद

धनबाद (कासं) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का २५वाँ प्रदेश अधिवेशन आगामी ३ जनवरी को धनबाद में आयोजित होगा। अभाविप के अधिवेशन का पोस्टर विमोचन प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दीपनारायण जायसवाल, राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ.पंकज कुमार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शुभम पुरोहित, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य दिशा दित्या, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक आनंद कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक गुड्डू राय द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय प्रदेश अधिवेशन में राज्य के प्रत्येक जिले एवं शैक्षणिक संस्थानों से १००० छात्रछात्राएं, शिक्षाविद एवं प्राध्यापक व कार्यकर्ता शामिल होने के लिए धनबाद पहुंचेंगे। इस अधिवेशन के निमित्त गोविंदपुर में स्थित केके पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में एक अस्थायी नगर क्रांति सूर्य बिरसा मुंडा के नाम पर बसाया जाएगा।

पुलिस जन सहयोग में उठा ठगी का मामला

ढेंढुआ (ससे) : झारखंड पुलिस की जन सहयोग सहायता केन्द्र में बुधवार को केंदुआडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरा नं.४ निवासी नीरज कुमार, पिता श्री नन्दलाल पासवान ने दीपक ठाकुर, पिता अज्ञात, सा० ऊपर धौड़ा पुटकी, थाना पुटकी, जिला धनबाद के विरुद्ध ठगी का आरोप लगाते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद के नाम पुलिस जन शिकायत शिविर में लिखित आवेदन देकर ठगे गए पैस वापस करवाने के साथ न्याय एवं जानमाल की सुरक्षा का गुहार लगाया है।

पीड़ित के द्वारा शिविर में दिए आवेदन में लिखा गया है कि दीपक ठाकुर लोगों को ऋण दिलाने का कार्य करता है, जो गत वर्ष किसी प्रकार से मुझसे दोस्ती कर मुझे ऋण दिलाने का प्रलोभन देकर किस्तों में मुझसे पे फोन के द्वारा १८ हजार ५०० रुपये का ठगी कर लिया है। किंतु आज तक मुझे ऋण नहीं दिला सका। मेरे द्वारा विपक्षी से ठगी का पैसा वापस के लिए काफी आरजू विनती करने पर किसी प्रकार ३ हजार लौटाया गया। शेष रकम किस्तों में लौटने का कोरा आश्वाशन देता रहा। जब आश्वासन के आधार पर दीपक ठाकुर के द्वारा पैसे का भुगतान नहीं किया गया। मैं बारबार पैसे की मांग करने लगा। इसपर उनके द्वारा मुझे जाति सूचक शब्द कहकर डांट डपटकर बुरे परिणाम की धमकी देते हुए भगा दिया जाता है। आवेदन में आगे यह भी लिखा गया है कि श्रीमान मैं एक गरीब हरिजन युवक हूँ। दीपक ठाकुर के द्वारा मुझसे ठगी की गई शेष रकम मुझे वापस भुगतान कराते हुए न्याय कर हमारी जानमाल की सुरक्षा की जाय। शिविर में उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने आवेदक के प्राप्त आवेदन पर पुलिसिया कार्रवाई कर पीड़ित नीरज को हर संभव उनके ठगी व सुरक्षा के इस समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया गया।

बिनोद बिहारी महतो को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारी सह पूर्व सांसद स्व. बिनोद बिहारी महतो के ३३वीं पुण्यतिथि पर सिंदरी विधानसभा क्षेत्र गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत तिलैया और बिरजपुर पंचायत में पीने की पानी की समस्या का समाधान करके जिला मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार महतो के द्वारा सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर उपस्थित रंजीत कुमार महतो ने कहा कि बिनोद बाबू के विचार धाराओं को सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के गांव पंचायत में धरातल स्तर तक ले जाने का संकल्पित हूं। पढ़ो और अपने हक़ अधिकार के लिए संवैधानिक तरीके से लड़कर अपने सिंदरी विधानसभा के गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा ज़ोन क्षेत्र के सभी गांव पंचायतों जन समस्याओं का समाधान त्वरित करने का मिशन जारी रहेगा मौके पर उपस्थित शंभू महतो, सुरेश चंद्र महतो वार्ड प्रतिनिधि लालू रजवार, रीतलाल महतो, रमेश महतो, परमानंद महतो वार्ड प्रतिनिधि संजय महतो, सरोज महतो आदि सभी ग्रामीणों के द्वारा तिलैया पंचायत और बिरजपुर पंचायत के ख़राब पड़े चापकलों की त्वरित मरम्मती समाधान के लिए जिला मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार महतो, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल गोविंदपुर के अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल धनबाद-१ कार्यपालक अभियंता आदि सभी मौजूद थे।

आदमी का कटा पैर मिलने से क्षेत्र में सनसनी

झरिया (ससे) : झरिया मे मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब कोयरीबांध स्थित शाखा मैदान में स्थानीय कुछ लोगों ने एक कटा हुआ पैर का टुकड़ा सड़े गले हालत में देखा। पैर का कटा हुआ टुकड़ा मिलने की खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद कुछ लोगों ने मामले की सूचना झरिया पुलिस को दी।

चोरी के आरोपी को भेजा जेल

निरसा (ससे) : बीती रात निरसा के एफसीआई गोदाम से चोरी करते चंदन भुईयां नामक चोर को निरसा थाने की रात्रि गश्ती दल ने रंगे हाथ ७ बोरी चावल के साथ पकड़ा। उसे जेल भेज दिया गया । उक्त जानकारी निरसा थाने में आयोजित प्रेस वार्ता में निरसा पुलिस अनुमंडल पदाधिकरी एसडीपीओ रजत माणिक बाखला ने दी। उन्होंने बताया कि बीती रात निरसा थाने की पुलिस रात्रि गश्ती में निकली थी, गश्ती के दौरान गश्ती दल इंचार्ज रणजीत उरांव ने देखा कि एक व्यक्ति एफसीआई का शटर तोड़ कर गोदाम से चावल निकाल रहा है, ७ बोरी चावल निकाल लिया था, पुलिस जैसी ही पहुंची, पुलिस को देखते भागने लगा। पीछा कर उसे पकड़ा गया। पकड़ा गया चोर निरसा थाना क्षेत्र के सिंहपुर बस्ती का चंदन भुईयां निकला। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वह अकेले ही घटना को अंजाम दे रहा था, अगर नहीं पकड़ाता तो अकेले ही साइकिल से ले जाता। गिरफ्तार चंदन भुईयां ने अपना अपराध स्वीकार लिया है।

मंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद एकडा बाबू क्वार्टर स्थित समुदायिक भवन में बुधवार को मंडल स्तरीय कार्यशाला में मुख्य रूप से बाघमारा विद्यायक शत्रुघन महतो उपस्थित हुए। उन्होंने विधानसभा चुनाव में भारी मतो से जीत दिलाने के लिए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

नाले में युवक का शव बरामद, परिजनों पर हत्या का आरोप

निरसा (ससे) : कुमारधुबी ओपी क्षेत्र के केएमसीएल नाले में तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी निवासी एक युवक का सब मिलने से क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। हटना के संबंध में बताया जा रहा है कि रविवार की संध्या से मृत युवक गौरव उर्फ चांदू बनर्जी लापता था। परिजनों ने अपने स्तर से काफ़ी खोजबीन का प्रयास किया लेकिन कोई सुराग नहीं मिल । जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी साथ ही परिजनों ने उसके तीन साथियों के साथ घर से निकलने की बात कही। पुलिस ने तीनों साथियों अमन शेख, विकास बाउरी और गुरगुरी को परिजनों के बयान पर हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया लेकिन कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिला। सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक नाले में अचेत पड़ा हुआ है जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो एक मृत युवक को पाया। जब इसकी शिनाख्त की गई तो लापता युवक का शव निकला। जब इस घटना की जानकारी परिजनों को मिली तो परिजन घटना स्थल पर पहुंची साथ ही सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। इधर चांदू की मौत पर परिजनों का रोरो कर बुरा हाल है। आक्रोशित परिजन हिरासत में लिए गए तीनों युवक पर हत्या का आरोप लगाते हुए अविलंब सजा दिलवाने की मांग कर रहे है।

राजस्थानी धर्मशाला में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम

कतरास (ससे) : शहर के राजस्थानी धर्मशाला में आयोजित जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आज शहर के पुलिस अधीक्षक (नगर) अजीत कुमार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद सीटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि, हमारा उद्देश्य है कि जनता की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान हो। इसीलिए हम लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते है। उन्होंने आगे कहा कि, आज के निरीक्षण से हमें संतुष्टि हुई है। अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से ले रहे हैं और उनका निस्तारण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोग पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से सीधे मिलकर अपनी समस्याएं बता सकते हैं।

सीटी एसपी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी शिकायतों का निस्तारण कर दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को लेकर बेझिझक आगे आएं। मौके पर बाघमारा अनुमंडल पदाधिकारी पुरुषोत्तम कुमार सिंह के अलावे सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

कतरास (ससे) : महुदा मोड़ में स्व. बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर रवि महतो स्कूल के बच्चों ने स्व. बिनोद बिहारी महतो की स्मृति में एक विशेष पैदल यात्रा निकाली। बच्चों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर समाज सुधार और शिक्षा के प्रति बिनोद बाबू के योगदान को याद किया। यह यात्रा महुदा के प्रमुख मार्गों से गुजरी और स्थानीय निवासियों का ध्यान आकर्षित किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान वक्ताओं ने बिनोद बाबू के विचारों और समाज सेवा में उनकी भूमिका

पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वर्गं बिनोद बिहारी महतो ने जीवनभर शिक्षा और समाज सुधार को प्राथमिकता दी और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन गए।

आर्ट ऑफ लिविंग का चिल्ड्रन एण्ड टीस कार्यशाला

धनबाद (कासं) : दी आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, धनबाद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चिल्ड्रन एंड टीस उत्कर्ष योग और मेधा योग लेवल१ कार्यशाला नेताजी सुभाष चंद्र बोस पब्लिक स्कूल, एमओसीपी बलियापुर में सफलता पूर्वक संपन्न हुई। १६ से १८ दिसम्बर तक चलने वाली इस कार्यशाला में कक्षा ४ से १२ तक के ८० छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के वरीय प्रशिक्षक मयंक सिंह और स्टेट चिल्ड्रन एंड टीस कोऑर्डिनेटर सोनाली सिंह ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों और किशोरों को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रभावी उपकरण और तकनीकें प्रदान करना था।

इस कार्यशाला में छात्रों को प्राणायाम, ध्यान, योग, आर्ट ऑफ लिविंग की फ्लैगशिप चिल्ड्रन क्रिया और सुदर्शन क्रिया की ट्रेनिंग दी गई। इन तकनीकों के माध्यम से छात्रों ने तनाव को कम करने, एकाग्रता को बढ़ाने और मानसिक शांति प्राप्त करने की कला सीखी।

इसके अलावा, खेलखेल में मानवीय मूल्यों और जीवन के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को सिखाया गया, जिससे छात्रों को जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला के समापन पर, छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और इसे प्रेरणादायक एवं जीवन परिवर्तनकारी अनुभव बताया। उन्होंने इस कार्यशाला को अपने जीवन का एक अहम हिस्सा मानते हुए अपनी नई ऊर्जा और दृष्टिकोण को व्यक्त किया और इसके निरंतर अभ्यास करने का संकल्प लिया।

श्री श्री रविशंकर जी के दिशानिर्देशों के तहत, कार्यशाला में किशोरों को खुश और तनावमुक्त वातावरण की कला सिखाई गई। दी आर्ट ऑफ लिविंग धनबाद परिवार सेवा कार्य में निरंतर प्रयास करता रहता है।

कार्यशाला को सफल बनाने में प्रधानाचार्य संजय कुमार मजूमदार, उप प्रधानाचार्य चंदन रवानी, सुनील ठाकुर, सत्यप्रकाश राम, नेहा महतो, आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षिका सोनी कुमारी और वॉलंटियर जूही महतो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वन विभाग की तत्परता से पकड़ा गया सियार

धनबाद (कासं) : शास्त्री नगर धोवाटांड़ क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से सियार की उपस्थिति से लोग भयभीत थे। कल वन विभाग की टीम ने इसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन सियार भागने में सफल रहा। बुधवार की सुबह स्थानीय रौनक सुरोलिया ने गली में सियार को फिर से देखा। संभावना जताई जा रही है कि सियार ने इलाके में अपना ठिकाना बना लिया था। घटना की सूचना मिलते ही प्रभात सुरोलिया ने वन विभाग को सूचित किया।

वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो टीमें मौके पर भेजीं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सियार को पकड़ने में सफलता मिली। इस अभियान में रेंजर गणेश वर्मा और अजय गुप्ता ने अपनी बहादुरी और कुशलता का परिचय दिया। स्थानीय निवासी रौनक सुरोलिया और अनुभव अग्रवाल ने इस अभियान में भरपूर सहयोग किया। सियार को पकड़ने के बाद वन विभाग की टीम उसे अपने साथ ले गई। इस सफल अभियान से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली और वन विभाग की तत्परता की सराहना की।

संपादकीय

नशे के आदी युवाओं में सुधार की गुंजाइश

एक संवेदनशील समाज अपने बीच पल रही नकारात्मक प्रवृत्तियों की पहचान करता और उसे नजरअंदाज करने के बजाय दूर करने के लिए उचित रास्ते अपनाता है। विडंबना है कि हमारे आसपास कई ऐसी स्थितियां होती हैं, जिन्हें लेकर समाज आमतौर पर उपेक्षा और कई बार उसे खारिज करने का रवैया अख्तियार कर लेता है। नतीजतन वह समस्या और जटिल होती जाती है। समूचे देश के युवाओं के बीच मादक पदार्थों की बढ़ती लत या नशे की आदत एक ऐसी समस्या है, जिससे निपटने में समाज से लेकर सरकार तक ने एक तरह की उदासीनता ही दर्शायी है।

बल्कि आमतौर पर मादक पदार्थों के लती युवाओं में सुधार या नशे से मुक्ति की गुंजाइश पैदा करने के बजाय उन्हें सबके लिए खतरनाक व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। जबकि यह हमेशा साबित हुआ है कि इस तरह की नकारात्मक सामाजिक प्रतिक्रिया की वजह से जो युवा मादक पदार्थों के दलदल से बाहर आ सकते थे, वे भी अपनी उपेक्षा और खुद को अपमानित किए जाने की वजह से उस संजाल में और ज्यादा उलझते चले जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ लड़ाई से जुड़े महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर रोशनी डाली और इससे प्रभावित युवाओं का 'दानवीकरण' करने के बजाय उनके पुनर्वास पर जोर दिया। यह छिपा तथ्य नहीं है कि समाज में एक बड़ा तबका किसी न किसी तरह के मादक पदार्थ का सेवन करता है, मगर इसके समांतर ऐसे लोगों के प्रति एक नकारात्मक भाव भी होता है।

जब कोई युवा संगति या अन्य वजहों से धूम्रपान, शराब या इससे ज्यादा घातक नशीले

पदार्थों का सेवन करने लगता है, तब उसके प्रति एक आम सामाजिक प्रतिक्रिया ऐसी नहीं होती, जिसमें उसके उस जाल में फंसने के कारणों पर गौर करके उससे निकालने की इच्छाशक्ति दिखे। इसके उलट इस दुश्चक्र में फंसे युवाओं के बारे में नकारात्मक धारणा बनाई जाती है। इसका नतीजा यह होता है कि एक लत का शिकार होकर पहले ही उद्वेलन और द्वंद्व के मनोविज्ञान में फंस गया व्यक्ति अपने प्रति अपमानजनक और उपेक्षित रवैये से चोट खाकर और ज्यादा नशे में डूब जाता है।

सवाल है कि नशे के संजाल में फंसे युवा के एक बेहतर मनुष्य होने की उम्मीद पालने वाले समाज को इससे क्या हासिल होता है। व्यवहार मनोविज्ञान की कसौटी पर देखें तो मादक पदार्थों की लत या अनुचित आदत का शिकार हो गए व्यक्ति में भी अपने प्रति संवेदनशील बर्ताव और उचित तौर-तरीके के जरिए बदलाव लाया जा सकता है, उसे इस जाल से बाहर निकाला जा सकता है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने मादक द्रव्यों की लत के बहुआयामी कारणों की ओर इशारा किया, जिसमें शैक्षणिक दबाव, पारिवारिक अशांति और नशीली दवाओं की आसान उपलब्धता शामिल है।

ये कारक ही अक्सर किशोरों और युवाओं के बीच भावनात्मक पलायनवाद के रूप में मादक पदार्थों के सेवन को बढ़ावा देते हैं। पिछले कुछ समय से इन्हीं जटिल परिस्थितियों का फायदा उठा कर अवैध व्यापार करने वाले इसका इस्तेमाल आतंकवाद और हिंसा को बढ़ावा देने में कर रहे हैं, जिसका दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक नुकसान हो रहा है। ऐसे में नशे का शिकार होने वाले युवाओं की उपेक्षा करने या उन्हें 'शैतान' समझने के बजाय उनके प्रति रचनात्मक व्यवहार और उनका पुनर्वास एक ठोस रास्ता है, जो भटके हुए युवाओं को फिर से एक सचेतन और संवेदनशील इंसान बना सकता है।

12 वर्ष की आयु में ही 'जाकिर हुसैन' को मिल गई थी शोहरत

तबले का कायदा उन्हें घुट्टी में मिला था। पिता अल्लारक्खा कुरैशी मशहूर तबलावादक थे। संगीत के माहौल में ही उनकी परवरिश शुरू हुई थी। मगर जाकिर हुसैन जैसे पैदा ही तालवाद्य के लिए हुए थे। बचपन से ही उनकी अंगुलियां थिरकनी शुरू हो गई थीं। पिता ने उन्हें तबले की तालीम देनी शुरू की। बारह साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने वह काबिलियत हासिल कर ली थी कि अमेरिका के संगीत समारोह में अपना हुनर दिखा सकें। अमेरिका के पहले कार्यक्रम में ही उन्हें ऐसी शोहरत मिली कि फिर उन्होंने पीछे लौट कर नहीं देखा। जाकिर हुसैन ने उसे वाद्य के रूप में नहीं साधा, बल्कि तबले को उन्होंने जीया था। तबले में जितनी संभावनाएं उन्होंने तलाश कीं, उसकी जितनी बारीकियां उन्होंने उजागर कीं, उनसे पहले किसी तबला नवाज ने नहीं किया था। हर तरह के तालवाद्य और तारवाद्य के साथ उन्होंने जुगलबंदी की, देश और दुनिया के हर नामचीन गायक और वादक के साथ उन्होंने संगत की- अपनी पहले की पीढ़ी के भी, अपने समय और अपने बाद की पीढ़ी के भी। तबले को उन्होंने पश्चिमी देशों में भी प्रतिष्ठा दिलाई। जाकिर हुसैन न केवल अद्भुत तबलावादक थे, बल्कि उनका बजाने का अंदाज भी अनोखा था। तबला बजाते हुए उनके लंबे बाल जिस अंदाज में लहराते, लगता कि उनके बाल और ताल जुगलबंदी कर रहे हों। उनका वह अंदाज सभी को मोहता था। वे पहले वादक थे, जिन्होंने तबले से अन्य वाद्य यंत्रों की ध्वनियां भी निकालने का प्रयोग किया, जैसे उनका तबले से शिव के डमरु का नाद बहुत लोकप्रिय हुआ था। वे मंचीय प्रदर्शनों में तबले से धुनें निकाल कर भी कौतुक रच दिया करते थे। भारतीय शास्त्रीय संगीत के अलावा उन्होंने अमेरिकी जैज में भी अपने तबले से नया रंग भर दिया। इसका नतीजा था कि इसी साल अप्रैल में उन्हें एक साथ तीन ग्रेमी अवार्ड प्राप्त हुए। इससे पहले उन्हें दो ग्रेमी मिल चुके थे। ग्रेमी अवार्ड संगीत की दुनिया का सबसे बड़ा सम्मान माना जाता है। उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय भी किया था, कई विज्ञापन उनके अभिनय से यादगार हो गए। भारत सरकार उन्हें तीनों पद्म सम्मानों से सम्मानित कर चुकी थी। उनका जाना निस्संदेह ताल की दुनिया को कुछ सूना कर गया है।

उपराष्ट्रपति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव चिंताजनक

विपक्ष द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस स्वतंत्र भारत के इतिहास की अभूतपूर्व और असामान्य घटना है। संविधान के अनुच्छेद 67 के अनुसार राज्यसभा में सामान्य बहुमत से पारित होने के साथ लोकसभा बहुमत से इसकी सहमति देती है तो उपराष्ट्रपति को हटाया जा सकता है। 60 सदस्यों वाला अविश्वास प्रस्ताव नोटिस राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश और पार्टी सांसद नासिर हुसैन ने राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी को सौंपा है।

अवधेश कुमार

भले अडानी और अन्य मुद्दों पर आई.एन.डी. आई.ए. घटकों में मतभेद हों लेकिन इस नोटिस पर कांग्रेस के साथ लगभग सभी विपक्षी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि संसद का सत्र 20 दिसंबर को समाप्त हो जाना है और अविश्वास प्रस्ताव को सदन में लाने के लिए 14 दिन पहले नोटिस दिया जाना आवश्यक है। इस तरह वर्तमान सत्र में अविश्वास प्रस्ताव आने की संभावना कम है। वैसे भी राज्यसभा में भाजपा नेतृत्व वाले राजग के पास 126 सांसद हैं तो विपक्ष के पास लगभग 103, इसे देखते हुए प्रस्ताव का पारित होना कठिन है। पारित न होना महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण है पूरे विपक्ष का उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रति गहरा अविश्वास। नोटिस में अनेक कारण दिए गए हैं।

जयराम रमेश ने कहा कि इस स्थिति तक पहुंचना पीड़ादायक था लेकिन धनखड़ ने पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन का संचालन किया है। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने को विवश होना पड़ा क्योंकि उनका आचरण पद की गरिमा के विपरीत रहा है। वह विपक्ष को अपने विरोधियों की तरह देखते हैं, स्वयं को संघ का एकलव्य और स्कूल का हैड मास्टर बताते हैं , सरकार के प्रवक्ता की तरह काम करते हैं। शिवसेना उद्धव ठाकरे के संजय राऊत ने तो यह तक कह दिया कि सभापति सदन शुरू होने पर 40 मिनट पहले खुद भाषण देते हैं और उसके बाद कहते हैं कि दंगा करो। ऐसा लगता है कि वह सदन नहीं सर्कस चलाते हैं। जब धनखड़ ने कहा कि मैं किसान का बेटा हूं और डरूंगा नहीं, तो खरगे ने करारा प्रत्युत्तर देते हुए कहा कि मैं भी किसान मजदूर का बेटा हूं, आप हमारा सम्मान नहीं करते तो हम आपका क्यों करें? जब उपराष्ट्रपति ने उन्हें अपने

कमरे में बुलाया तो उनका उत्तर था कि आपके कमरे में क्यों जाएं वहां बुलाकर आप लोगों का अपमान करते हैं।

इस तरह की भावना के रहते अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बावजूद सदन में उपराष्ट्रपति के साथ विपक्ष का कैसा संबंध होगा इसकी कल्पना से डर लगता है। सरकार और विपक्ष के बीच टकराव समझ में आता है। टकराव अगर सदन के सभापति एवं उपराष्ट्रपति तक पहुंच जाए तो मानना चाहिए कि हमारा लोकतंत्र कई रोगों से ग्रस्त हो गया है। उपराष्ट्रपति भी मनुष्य हैं। ऐसी स्थिति कभी देखी नहीं गई। जगदीप धनखड़ जबसे आसन पर बैठे हैं विपक्ष के साथ उनका द्वंद्व कई रूपों में सामने आता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि वह जानबूझकर विपक्षी सांसदों को लगातार टोकते हैं, अपमानित करते हैं, भाषण बाधित करते हैं , उन्हें इस तरह कटघरे में खड़ा करते हैं जैसे सभापति नहीं सरकारी पक्ष हों आदि आदि।

मानसून सत्र में ही अविश्वास प्रस्ताव लाने की घोषणा हो गई थी। समाचार यह था कि 60 से 65 सांसद हस्ताक्षर भी कर चुके हैं। तात्कालिक टकराव जया बच्चन से जुड़ा था। जया बच्चन को जया अमिताभ बच्चन पुकारने से आपत्ति थी। जब राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने जया अमिताभ बच्चन कहते हुए पुकारा तो उन्होंने कहा कि क्या मेरे नाम के साथ पति का नाम बोलना आवश्यक है? हरिवंश ने कहा कि रिकॉर्ड में जया जी आपका यही नाम लिखा है। जगदीप धनखड़ ने यही नाम पुकारा। फिर जया बच्चन ने इसका प्रतिवाद किया। उनको वही उत्तर मिला। जया बच्चन ने कहा कि सॉरी सर, लेकिन आपका टोन अच्छा नहीं था तो धनखड़ ने बीच में उन्हें रोककर कहा कि जया जी आप एक अभिनेत्री रही हैं। आपने बहुत नाम कमाया है। लेकिन अभिनय कलाकार को हमेशा निर्देशक की जरूरत पड़ती है। वह निर्देशक के निर्देशों के अनुसार ही अपनी भूमिका निभाता है। जया बच्चन ने बाहर आकर कई महिला सांसदों से कहा कि सभापति हमेशा अपमानित करते हैं। जब पत्रकारों ने पूछा कि आप इस मुद्दे को कहां तक ले जाएंगी तो उन्होंने कहा कि हम उनसे बिना शर्त क्षमा याचना चाहती हैं।

ऐसा कभी नहीं हुआ जब सभापति या लोकसभा अध्यक्ष को क्षमा मांगने के लिए कहा गया हो। उनके पीछे कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी खड़ी थीं। जब जया बच्चन के साथ सभापति की बातचीत चल रही थी तो कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी टिप्पणी की। टोकते हुए धनखड़ ने कहा कि खरगे जी, क्षमा करिएगा आप लोग जिस तरह देश को अस्थिर करने की राजनीति कर रहे हैं मैं उसका भाग नहीं हो सकता। यह पंक्ति विपक्ष को नागवार गुजरी होगी। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान लोकसभा में शिवसेना के मनोहर जोशी अध्यक्ष थे तो उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत। राज्यसभा में राजग की संख्या कम थी तथा विपक्ष और सरकार के बीच जबरदस्त टकराव था। बावजूद दोनों ने सदनों को इस तरह संभाला कि सभी पक्षों ने उनकी प्रशंसा की। जब खाई बढ़ चुकी हो तो हम संयत और सहनशील व्यवहार की उम्मीद नहीं कर सकते।

आज का कार्टून

टी.बी. हारेगा, देश जीतेगा...

अनुराग ठाकुर

मुझे अच्छे से याद है कि करीब एक दशक पहले जब मैं मुम्बई गया था, वहां एक कार्यक्रम में मेरी मुलाकात अधेड़ उम्र के एक शख्स से हुई थी, उसने मुझे बताया कि वह टी.बी. बीमारी से जूझ रहा है। महानगरीय परिवेश में रहने के बावजूद उसका वजन बीमारी के चलते काफी कम हो गया था। टी.बी. ने उसे इस कदर खोखला कर दिया था कि वह बमुश्किल चल- फिर पा रहा था। बीमारी से जुड़े मिथकों की वजह से उसके पड़ोसियों ने उसका बायकाट कर दिया था। उसकी कहानी से साफ हो जाता है कि शहरी इलाके जो कि विकास का केन्द्र माने जाते हैं, वे भी टी.बी. से जुड़ी भ्रांतियों, सामाजिक पूर्वाग्रहों और अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा सहायता से जूझ रहे थे।

यह सोचकर मन सिहर गया था कि अगर मुंबई जैसे व्यस्त शहर में ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात मौजूद हैं तो देश के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर और भी भयावह होगी। तपेदिक (टी.बी.) लम्बे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय रहा है, ऐतिहासिक रूप से भारत में वैश्विक तौर पर इसकी मार ज्यादा देखी गई है। यह बीमारी असमान रूप से हाशिए पर रहने वाली आबादी को अपना शिकार बनाती है, जिससे सामाजिक-आर्थिक विषमताएं बढ़ती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी 2022 की वैश्विक टी.बी. रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इस बीमारी की मार झेल रहे कुल लोगों की तादाद में 28 फीसदी भारतीय हैं। जांच में देरी, आधा-अधूरा इलाज और इससे जुड़ी भ्रांतियों, मिथकों और अफवाहों जैसी चुनौतियां इसके उन्मूलन में बड़ी बाधा डालती हैं। टी.बी. रोकथाम की दिशा में हुई प्रगति इन्हीं कारणों से रुकावट का सामना करती है। साल 2020 में आई कोविड-19 महामारी ने स्वास्थ्य सेवाओं और संसाधनों पर दबाव डाला, जिसके चलते टी.बी. के मामलों का पता लगाने और उपचार की निरंतरता में बड़ी बाधा देखी गई। नतीजतन इस दिशा में सतत् और लक्षित प्रयासों की जरूरत महसूस की जाने लगी।

इन चुनौतियों के बावजूद भारत सरकार 2025 तक टी.बी. उन्मूलन के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में जबरदस्त प्रगति कर रही है। साल 2023 में रिकॉर्ड 2.4 मिलियन टी.बी. से जुड़े नोटिफिकेशन दर्ज किए गए, जो कि कोरोना काल से पहले के पहचान स्तर के मुकाबले 18 फीसदी ज्यादा हैं। टी.बी. मरीजों को अच्छा खानपान और भावनात्मक सहयोग देने वाले 'नि-क्षय मित्र' जैसे कार्यक्रम इस बीमारी का इलाज करने के साथ इससे जुड़ी नकारात्मक सोच का खात्मा करने में मददगार साबित हो रहे हैं। इस दिशा में साल 2023 में इसके उन्मूलन के लिए जारी फंड्ग्क्षडग में 3,800 करोड़ रुपए का इजाफा किया गया।

यह प्रयास भारत सरकार के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है, जिसकी मदद से मजबूत सामुदायिक जुड़ाव वाली रणनीतियां तैयार हुईं, जो कि टी.बी. को पूरी तरह खत्म करने और लाखों नागरिकों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में कारगर साबित होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अगुवाई में चलाया जा रहा स्वच्छ भारत अभियान टी.बी. उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा रहा है। स्वच्छता और सफाई पर ध्यान केन्द्रित करके इस पहल ने टी.बी. और अन्य संक्रामक रोगों के प्रसार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। आज, जब मैं उस आदमी की कहानी पर विचार कर रहा हूं, तो यह पिछले 10 वर्षों में हमने जो परिवर्तन देखा है, उसके बिल्कुल विपरीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एन.डी.ए. सरकार ने लगातार स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दी है।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एन.टी.ई.पी.) और 'नि-क्षय मित्र' जैसी पहलों ने सुलभ निदान उपकरण, मुफ्त उपचार और सामुदायिक सहायता सुनिश्चित की है, जिससे टी.बी. रोगियों से जुड़े परिणामों में काफी सुधार हुआ है। अब ऐसे उदाहरण हमारे सामने हैं, जहां टी.बी. उन्मूलन की कहानियां अब बहिष्कार की नहीं बल्कि उम्मीद की कहानियां हैं, जो टी.बी. मुक्त भविष्य की दिशा में भारत की सामूहिक प्रगति को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में टी.बी. उन्मूलन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। उन्होंने तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में शक्तिशाली हथियार के रूप में जागरूकता के महत्व पर लगातार प्रकाश डाला है। इसे पहचानते हुए मैंने समुदायों को जोडने और सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए खेल की परिवर्तनकारी शक्ति को माध्यम बनाया है। खेल महाकुंभ जैसे मंचों के माध्यम से मैंने स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया और टी.बी. के बारे में जागरूकता बढ़ाई है। अब इस माध्यम से सालाना 1 लाख से अधिक युवा जुड़ रहे हैं।

कठिनाइयों के साथ संघर्ष करने पर मिलती है सफलता

सभी बड़े नेता, उद्योगपति और खिलाड़ी, जिन्होंने अपने जीवन में संघर्ष किया, उन्होंने समय के महत्त्व को समझा और संयम से सफलता प्राप्त की। महात्मा गांधी ने अपने जीवन में यह सिद्ध कर दिखाया कि समय का सही उपयोग और निरंतर संघर्ष ही सफलता का मार्ग है। हमें भी उन महान व्यक्तियों के संघर्षों से प्रेरणा लेकर अपने कार्य में समय और परिश्रम का सही उपयोग करना चाहिए। आज के युग में हम जितना तेजी से परिणाम चाहते हैं, उतना ही कम हम समय के साथ काम करने का धैर्य रखते हैं। मगर यह सच्चाई है कि बिना समय के साथ किए गए प्रयासों के सफलता प्राप्त नहीं हो सकती।

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

आज के इस दौड़-धूप वाले युग में हम अक्सर सफलता प्राप्ति के लिए इतने व्यस्त हो जाते हैं कि समय की वास्तविकता को समझने और उसे सही दिशा में लगाने में चूक जाते हैं। जीवन के हर क्षेत्र में हम किसी न किसी लक्ष्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। हमें लगता है कि अगर हम तुरंत सफलता प्राप्त कर लें, तो हमारे जीवन की यात्रा पूरी हो जाएगी। मगर यह सच है कि किसी भी सफलता को प्राप्त करने के लिए समय, सहनशीलता और संयम की आवश्यकता होती है।

महर्षि पतंजलि ने कहा है, 'साधनानि सम्प्रयुक्तानि यदि समयेन पुराणानि, तर्हि सिद्धय-सिध्यन्ति।' यानी जब कोई कार्य समय के साथ पूरी मेहनत और परिश्रम से किया जाता है, तब वह कार्य सफलता की ओर अग्रसर होता है। किसी भी कार्य में सफलता के लिए धैर्य और समय का अहम स्थान है। समाज में यह धारणा बन गई है कि हमें सफलता तुरंत मिलनी चाहिए, चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो या व्यवसाय में। लेकिन क्या हम यह जानते हैं कि हर महान व्यक्ति ने सफलता प्राप्ति के लिए कितनी कठिनाइयों का सामना किया और कितने वर्षों तक संघर्ष किया? भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, 'विवेकस्य विजय- सर्वं

प्रबलं क्रिया केन वा,' यानी कोई भी व्यक्ति अपनी कठिनाइयों को पार कर विवेक और संयम के साथ संघर्ष करता है, तभी वह सफलता प्राप्त करता है। यह संदेश हमें यह सिखाता है कि जब तक हम अपने लक्ष्य को पाने के लिए पूरी मेहनत और संयम से काम नहीं करेंगे, तब तक हम सफलता की ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सकते। समय के सर्वोत्तम होने को समझना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। समय एक ऐसी मूल्यवान चीज है, जो एक बार निकल जाने के बाद फिर कभी वापस नहीं आती। हमें समय को सम्मान देना चाहिए, क्योंकि समय कभी रुकता नहीं है और यह लगातार हमें अपनी मंजिल तक पहुंचाने की दिशा में कार्य करता है।

हमारे प्रयास चाहे छोटे हों, पर वे समय के साथ हमें बड़ी सफलता तक ले जाते हैं। इसीलिए हमें हर छोटे कदम को महत्त्व देना चाहिए। जब लोग मेहनत के बावजूद तुरंत परिणाम नहीं पाते, तो वे थक कर हार मान लेते हैं। लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि हर असफलता से कुछ सीखने को मिलता है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, 'सफलता उसी को मिलती है जो किसी भी कार्य को पूरी निष्ठा और समय के साथ करता है।' सहनशीलता और संयम किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण गुण है। जब हम किसी कार्य में पूर्ण समर्पण से जुट जाते हैं, तो हमें हर छोटी-छोटी जीत की सराहना करनी चाहिए, क्योंकि यही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। धैर्य हर कार्य में सफलता को सुनिश्चित करता है।

सभी बड़े नेता, उद्योगपति और खिलाड़ी, जिन्होंने अपने जीवन में संघर्ष किया, उन्होंने समय के महत्त्व को समझा और संयम से सफलता प्राप्त की। महात्मा गांधी ने अपने जीवन में यह सिद्ध कर दिखाया कि समय का सही उपयोग और निरंतर संघर्ष ही सफलता का मार्ग है। हमें भी उन महान व्यक्तियों के संघर्षों से प्रेरणा लेकर अपने कार्य में समय और परिश्रम का सही उपयोग करना चाहिए। आज के युग में हम जितना तेजी से परिणाम चाहते हैं, उतना ही कम हम समय के साथ काम करने का धैर्य रखते हैं। मगर यह सच्चाई है कि बिना समय के साथ किए गए प्रयासों के सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। समय का सम्मान और सहनशीलता के साथ काम करने का मंत्र हमें सफलता की ओर ले जाता है। गीता में कहा गया है कि कार्य में पूर्ण समर्पण और कठिनाइयों का सामना किए बिना सफलता प्राप्त करना असंभव है। इसलिए हमें समय का सम्मान करते हुए सहनशीलता और संयम के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। यह जीवन के हर क्षेत्र में लागू होता है, चाहे वह शिक्षा हो, व्यवसाय हो, या कोई व्यक्तिगत लक्ष्य हो। हमें यह याद रखना चाहिए कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती। यह समय के साथ साकार होती है, जब हम निरंतर प्रयास करते रहते हैं। हमें उन महान व्यक्तियों की तरह कार्य करना चाहिए, जिन्होंने संघर्ष के दौरान समय का सर्वोत्तम उपयोग किया और आखिर सफलता को प्राप्त किया। सफलता का कोई संक्षिप्त रास्ता नहीं होता। किसी भी कार्य में समर्पण, मेहनत और समय का सामंजस्य अत्यंत आवश्यक है। जैसे नदी धीरे-धीरे अपनी राह बनाती है और अंत में समुद्र में मिल जाती है, वैसे ही हम भी अपने कार्य में समय, सहनशीलता और संयम से लगातार आगे बढ़ते हुए सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

दरअसल, सफलता पाने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण चीज है धैर्य और समय का सही उपयोग। जब हम किसी कार्य में जल्दबाजी करते हैं, तो अक्सर हम अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाते। इसलिए सफलता के लिए हमें पूरी मेहनत और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। समय के साथ हर प्रयास हमें एक कदम और हमारी मंजिल के करीब ले जाता है। यही जीवन की सच्ची सफलता है। हमें हर मुश्किल घड़ी में यही प्रेरणा मिलती है कि अगर हम अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ते रहें, तो कोई भी चुनौती हमें रोक नहीं सकती।

दूसरे सफल पंचायतों के अनुभवों को साझा करें : डीडीसी

बोकारो (सससे): जिला परिषद कार्यालय के सभागार में मेरा पंचायत, मेरा पहचान से संबंधित एक दिवसीय मुखिया उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी एवं उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद शामिल हुए। कार्यशाला में मुखियाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच मेरा पंचायत, मेरा पहचान कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास में पंचायतों की सक्रिय भूमिका को बढ़ावा देना है। कार्यशाला के माध्यम से विशेष रूप से मुखियाओं को प्रशिक्षित किया जाता है ताकि वे अपने गांव के विकास में प्रभावी नेतृत्व कर सकें। साथ ही कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को अपनी समस्याओं का समाधान खोजने और अपने गांव का विकास

करने के लिए प्रेरित किया जाता है। साथ ही कार्यशाला में पंचायत अंतर्गत जी.पी.डी.पी. का चयन, जिसमें सक्षम पंचायत एवं विकसित पंचायत के अंतर्गत फाइलेरिया मुक्त पंचायत के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

मौके पर जिला पंचायतीराज पदाधिकारी मो. शफीक अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, डीपीएम अभिषेक कुमार, चास और गोमिया प्रखंड के मुखिया एवं पंचायत सचिव उपस्थित थे। कार्यशाला में मुखियाओं एवं पंचायत सचिवों को प्रशिक्षण पीरामल फाउंडेशन बोकारो के द्वारा दिया गया।

जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी ने बताया कि इस कार्यशाला से मुखियाओं को सशक्त बनाना ताकि वे अपने गांव के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था और विकास योजनाओं की विस्तार से जानकारी दिया। उन्होंने ग्रामीण समस्याओं का समाधान खोजने को कहा ताकि ग्रामीण विकास की गति तेज हो सके।

उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने मुखियाओं को पंचायती राज व्यवस्था के सिद्धांतों, अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तृत से बताया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के बारे में जानकारी दी जाती है और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रणनीतियां कैसे बनाई जाय। साथ ही ग्राम सभा की भूमिका, इसके आयोजन और उसमें लोगों की भागीदारी को बढ़ाने के तरीकों को भी बताया। उन्होंने पंचायत में पारदर्शिता लाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उपायों की जानकारी दिए।

उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने सभी मुखियाओं को नेतृत्व, संचार और समस्या समाधान जैसे कौशल विकसित करने को कहा ताकि इसकी मदद से पंचायत के किसी भी व्यक्ति को मदद की जा सकती है। उन्होंने आगे बताया कि पंचायत को विकास करने में किसी दूसरे सफल पंचायतों के अनुभवों को साझा करें या आपलोग स्वयं सफल पंचायत जाकर उनसे सीखे और अपने पंचायत में आकर इंप्लीमेंट करें ताकि अन्य मुखिया भी उनसे सीख सकें। कार्यशाला के दौरान पीरामल के प्रतिनिधि कुतंल, अभिनंदन, सुदीप्ता, बसंत, पौलुमी, सगुप्ता, अभिरामी एवं साहित्य उपस्थित थे।

विभिन्न संगठनों ने मनायी बिनोद बाबू की पुण्यतिथि

डुमरी (सससे): टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा डुमरी इकाई के द्वारा बुधवार को झारखंड पितामह सह झामुमो के संस्थापक केंद्रीय अध्यक्ष बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि बिनोद बिहारी महतो चौक (चिरैया मोड़) एवं बिनोद धाम धुजाडीह में मनाया गया।उपस्थित लोगों ने बिनोद बाबू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बताये हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

वक्ताओं ने कहा कि बिनोद बाबु शोषित पीड़ित,गरीब किसान,मजदूर के मसीहा थे।उन्होंने जिस झारखंड की कल्पना की थी।वह झारखंड नहीं बना।झारखण्ड पितामह के बताये मार्ग पर चलकर शोषणमुक्त झारखंड स्थापित करने की आवश्यकता है।

संगठन राज्य सरकार से मांग करती है कि विधानसभा एवं राजभवन में बिनोद बाबु का प्रतिमा लगाया जाय, बोकारो एयरपोर्ट का नामकरण बिनोद बाबु के नाम पर किया जाय। इस दौरान कुविमुमो केन्द्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो महासचिव रामचंद्र महतो संरक्षक महावीर महतो केंद्रीय सदस्य काशीनाथ महतो जिला अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद महतो प्रखण्ड अध्यक्ष बासुदेव महतो सचिव टीपनारायण महतो, राजकिशोर महतो, कैलाश महतो, गिरिजानंदन प्रसाद, नीलकंठ महतो, राजू महतो, हेमलाल महतो, प्रयाग महतो, गंगाधर महतो, टहल साव, मोहन महतो, करमचंद महतो, आनंद महतो, संदीप महतो, संतोष महतो आदि उपस्थित थे।

इधर झामुमो प्रखंड कमेटी द्वारा स्व बिनोद बिहारी महतो का ३९वां पुण्यतिथि धुजाडीह बगीचा में हर्षोल्लास मनाया गया। इस दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, राजकुमार पाण्डेय, डेगनारायण महतो, खिरोधर यादव, उपेन्द्र महतो, अखिलेश राणा, पंकज महतो, जगदीश महतो, मिथलेश महतो आदि उपस्थित थे।वहीं झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के द्वारा भी झारखंड पुरोधा बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि मनाई गई।

क्रशर संचालन के विरुद्ध उपायुक्त को दिया आवेदन

डुमरी (सससे): ग्रामीणों से मिले लिखित शिकायत के आलोक में झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने उपायुक्त गिरिडीह को एक पत्र देकर डुमरी प्रखंड में संचालित एवं संचालन अवस्था में पहुंच चुके क्रेशरों से उड़ने वाले धूलकण और कंकड़ीले डस्ट से आसपास के लोगों पर पड़ रहे प्रतिकूल असर एवं बर्बाद हो रहे कृषि योग्य भूमि को बचाने की अपील की है। पत्र में लिखा है कि प्रखंड डुमरी के शंकरडीह, ठाकुरचक, कोरियाडीह, चपरखो आदि में संचालित क्रशरों एवं संचालन अवस्था में पहुंच चुके क्रेशरों से कृषि योग्य भूमि बर्बाद हो रहा है जबकि लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। जिसपर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

लिखा है कि कयी स्थानों पर पत्थर खनन हेतु संचालकों द्वारा जमीन खरीद कर पीलर द्वारा जमीन को घेराव कर दिया गया है।साथ ही कयी स्थानों पर क्रेशरों से उड़ रहे डस्ट से कृषि योग्य भूमि बर्बाद हो रहा है।लिखा है कि इससे हम गरीब खेतिहार जनता को भविष्य में भारी नुकसान होगा। लिखा है कि खनन हेतु अधिग्रहण की गई जमीन खेती का जमीन है। वर्त्तमान में धान लगा हुआ है। खनन क्षेत्र के गांव से बिलकुल सटा हुआ है।वहीं कुछ खनन क्षेत्र से नजदीक एक विद्यालय भी है कोरियाडीह में है।

खनन क्षेत्र समीप एक नदी एवं उसमें निर्मित मात्र एक शमशान घाट है।खनन क्षेत्र में ब्लास्टिंग से गांव का कुआं,चापाकल है,नदी का पानी का स्तर नीचे चला जायेगा।खनन क्षेत्र में ब्लास्टिंग से घरों में दरार होने की खतरा है। खनन क्षेत्र में ब्लास्टिंग से उड़ाने वाली पुल बारूद से वायु प्रदूषण खतरा है। ब्लास्टिंग से जान जोखिम का खतरा रहता है।लिखा है कि सभी माईस संचालन का उचित जांच पड़ताल कर उस पर अंकुश लगाने हेतु कार्रवाई करें ताकि किसानों का जीविका का आधार बचा रहे अन्यथा झारखण्ड एकता किसान मजदूर युनियन आन्दोलन के लिए बाध्य होगा। पत्र की प्रतिलिपि डीएमओ गिरिडीह, डुमरी एसडीएम, बीडीओ, सीओ एवं डुमरी व निमियाघाट थाना को दिया गया है।

किसानों का धान क्रय के लिए करे पंजीकरणः एसी

बोकारो (सससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को अपर समाहर्ता (एसी) मो. मुमताज अंसारी ने धान अधिप्राप्ति वित्तीय वर्ष २४-२५ के प्रगति कार्य की समीक्षा बैठक की।

मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (बीसीओ), प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, संबंधित पैक्सों के अध्यक्ष, संबंधित राइस मीलों के मालिक आदि उपस्थित थे। अपर समाहर्ता ने क्रमवार अब तक हुए धान क्रय की जानकारी ली। कहा कि धान क्रय के लिए जो चिन्हित पैक्स हैं, उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कृषक मित्रों व अन्य माध्यमों से किसानों को धान क्रय के माध्यम से धान बेचने को लेकर जागरूक करने को कहा। कहा कि उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य २४०० प्रति क्विंटल की जानकारी दें। साथ ही, अपर समाहर्ता ने जिले के ज्यादा से ज्यादा किसानों का पंजीकरण करने को कहा, ताकि इससे ज्यादा से ज्यादा किसान लाभांवित हो सकें।

अपर समाहर्ता ने बैठक में उपस्थित जिला आपूर्ति पदाधिकारी को विभाग से प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप धान क्रय हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध कार्य करने को कहा। वहीं, किसानों को धान बेचने में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए अतिरिक्त पैक्सों को भी पंचायतों से टैग करने को लेकर निर्देश दिया। वहीं, चिन्हित सभी पैक्सों का निरीक्षण प्रतिनियुक्त बीसीओ/जन सेवक को करने एवं साप्ताहिक धान क्रय - मीलिंग आदि का प्रतिवेदन जिला को समर्पित करने की बात कहीं। उन्होंने बैठक में उपस्थित जिला सहकारिता पदाधिकारी को भी समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया, पैक्सों द्वारा किए जा रहे कार्य की मानीटरिंग करने को कहा।

बैठक में राइस मीलों के संचालक/ प्रतिनिधियों, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी/ प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी आदि को धान अधिप्राप्ति के लक्ष्य को प्राप्त करने को लेकर जरूरी दिशा - निर्देश दिया। उन्होंने सभी पंजीकृत किसानों को एसएमएस भेजने, पंजीकृत वास्तविक किसानों से नियमानुसार धान क्रय करने, राईस मिलर से संपर्क कर समय अधिप्राप्त धान मिल में भेजने, राईस मिलर द्वारा समय सीएमआर जमा करने को कहा।

मछली लदे ट्रक से 90 हजार लेने के मामले में 2 पर केस दर्ज

डुमरी (सससे): मछली लदे ट्रक को रोक कर ट्रक मालिक से फोन-पे पर ९० हजार रूपये मंगाने के मामले में निमियाघाट पुलिस ने दो लोगों को नामजद व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उक्त मामला थाना क्षेत्र के बालुटुण्डा निवासी राजकुमार मंडल की लिखित शिकायत पर दर्ज किया गया है। थाना में दिये गये आवेदन पर मछली व्यवसायी राजकुमार मंडल ने कहा है कि डब्ल्यूबी १९जे ०५३० नंबर की ट्रक पारसनाथ रोड लाईस से मछली लोड का कोलकाता से बिहार जा रही थी।

१६ दिसंबर की रात करीब नौ बजे करमाटोंगरी निवासी बिनोद महतो पिता धनेश्वर महतो अपने चार-पांच सहयोगियों के साथ मिल कर उक्त ट्रक को निमियाघाट से पीछा करते हुये कुलगो टॉल प्लाजा के पास जबरदस्ती रोक लिया और एक लाख रूपये की मांग किया। विरोध करने पर बिनोद महतो और अन्य ने ट्रक चालक को मार कर फेंक देने की धमकी देते हुये उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट किया। बिनोद महतो ने ट्रक मालिक से जितेन्द्र प्रसाद महतो के मोबाइल नंबर ९००६३९ ७९९४ में ९० हजार रूपया डलवाया।इसके बाद उनलोगों ने ट्रक को जाने दिया।लिखा है कि इस दौरान बिनोद महतो ने मुझे भी जान से मारने की धमकी दिया है।पुलिस ने इस मामले में बिनोद कुमार महतो और जितेन्द्र प्रसाद महतो सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस संबंध में डुमरी एसडीपीओ सुमीत प्रसाद ने बताया कि आवेदन पर बिनोद महतो, जितेन्द्र प्रसाद महतो व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इधर जेएलकेएम के प्रखंड अध्यक्ष अमित महतो ने कहा कि दोनों व्यक्ति मेरे पार्टी का समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि जीटी रोड से अवैध मांगुर मछली का धंधा चल रहा है जिसपर अंकुश लगाने के बजाय हमारे समर्थक के विरूद्ध केस दर्ज किया जा रहा है है। कहा कि मेरे समर्थक का नंबर कोलकाता के व्यक्ति के पास कैसे पहुंचा एवं फिर उसने पैसा क्यों डाला।प्रतिबंधित मांगुर मछली के कारोबार में कौन कौन लोग संलिप्त रहते है। सभी की जांच कर दोषियों पर भी केस दर्ज होना चाहिए।

बीएसएल के संयुक्त तत्वावधान में औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन

बोकारो (सससे): भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय के झारखंड राज्य स्थित, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची के द्वारा बीएसएल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय विक्रेता विकास (वेंडर डेवलपमेंट) कार्यक्रम सह औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक १८ एवं १९ दिसम्बर, २०२४ को बीएसएल के एल एंड डी सेंटर में किया जा रहा है।

१८ दिसम्बर को इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी, विशिष्ट अतिथि आई.ई.डी.एस., संयुक्त निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची इंद्रजीत यादव, डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, जियाडा मनोज कुमार एवं अन्य उपस्थित बीएसएल के अधिशासी निदेशकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यक्रम में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी तथा सामग्री प्रबंधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे.

बीएसएल के अधिशासी निदेशक (एमएम) सी.आर मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया एवं सभी उपस्थित प्रतिभागियों का अभिनंदन किया. मुख्य अतिथि बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बी के तिवारी ने एमएसएमई इकाइयों के विकास के प्रति बीएसएल की प्रतिबद्धता दोहराते हुए एमएसएमई उद्यमियों को गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धात्मक लागत, ट्रस्ट बिल्डिंग एवं आफ्टर सेल सर्विस इत्यादि पहलुओं पर ध्यान देने की सलाह दी. उन्होंने

पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के तहत एमएसएमई से की गई खरीद का विवरण देते हुए बताया कि बीएसएल ने कुल खरीद के २५ प्रतिशत लक्ष्य से आगे बढ़ते हुए ३५-४० प्रतिशत तक की खरीद एमएसएमई से की है. उन्होंने कहा कि जेम से सेवाओं की खरीद की प्रक्रिया में लोकल वेंडर के चयन होने से समय एवं खर्च की बचत होती है. इस पृष्ठभूमि में उन्होंने उपस्थित उद्यमियों को जेम प्लेटफॉर्म पर ऑन बोर्डिंग करने का आवाहन किया.

उन्होंने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को बीएसएल की तरफ से हर संभव सहयोग करने एवं उनकी समस्याओं का समाधान करने में मदद करने का आश्वासन दिया. निदेशक प्रभारी ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए एमएसएमई-डीएफओ, रांची के प्रति आभार भी प्रकट किया.

आई.ई.डी.एस., संयुक्त निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची इंद्रजीत यादव ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूप-रेखा से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों से सीधे वार्तालाप करने का अवसर मिलेगा जिससे वे इन विभागों के वेंडर पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और इन विभागों को अपने उत्पाद विक्रय कर सकेंगे. उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में इनवॉयसमार्ट के अधिकारियों द्वारा ट्रेड्स के बारे में एवं जेम विभाग की ओर से भी प्रस्तुति दी जाएगी तथा क्रेता - विक्रेता मिलन का भी आयोजन किया जाएगा. जेम विभाग द्वारा पंजीकरण के लिए उद्यमियों को हैंड-होल्डिंग सपोर्ट भी दिया जाएगा.

मनोज कुमार, डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, जियाडा ने कहा कि जियाडा में स्थित एमएसएमई उद्यमों के लिए यह कार्यक्रम एक बेहतरीन मंच है जहां वे पीएसयु की जरूरतों को समझकर अपने प्रोडक्टस की गुणवत्ता को उसके अनुरूप बनाएं. यह कार्यक्रम उन्होंने कहा कि एमएसएमई दो कदम आगे बढ़ाएं क्योंकि हम सब दो सौ कदम आगे बढ़ाकर उन्हें सहयोग करने के लिए तैयार हैं.

बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा ने बताया कि एमएसएमई का देश की अर्थव्यवस्था में ३० से ज्यादा प्रतिशत का योगदान है. उन्होंने उद्यमियों को इस कार्यक्रम का लाभ उठाने एवं समय की मांग के अनुसार अपने प्रोडक्ट का विकास करने का अनुरोध किया.

कार्यक्रम के उदघाटन सत्र का संचालन बीएसएल के महाप्रबंधक (एमएम) यू के सिंह ने किया. उद्घाटन सत्र के उपरान्त मुख्य अतिथि द्वारा औद्योगिक प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया गया एवं उपस्थित अधिकारियों ने केंद्र सरकार के विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं एमएसएमई उद्यमियों के स्टॉलों का भ्रमण किया गया.

प्रथम दिन के तकनीकी सत्र के दौरान बीएसएल एवं नेशनल एससी-एसटी हब, रांची एवं के क्रय विभाग के वरीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों के क्रय प्रक्रिया, वेंडर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई. इस कार्यक्रम में जेम-गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस के विशेषज्ञ ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी. इसके अलावा इनवॉयसमार्ट के अधिकारियों द्वारा ट्रेड्स के बारे में प्रस्तुती दी गई. उक्त कार्यक्रम में १० सार्वजनिक क्षेत्र एवं सरकारी उपक्रम तथा ६० सूक्ष्म एवं लघु उद्यम इकाईयां अपने उत्पादों का प्रदर्शन स्टॉलों के माध्यम से कर रहे हैं. लगभग २०० से ज्यादा एमएसएमई उद्यमियों ने तकनीकी सत्र में भाग लिया. वेंडर विकास कार्यक्रम-२०२४ का सफल आयोजन में कार्यक्रम के समन्वयक गौरव, सहायक निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय रांची, सुरेंद्र शर्मा, सहायक निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय रांची तथा शाखा एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद के अधिकारियों दीपक कुमार, सहायक निदेशक एवं सुजीत कुमार, सहायक निदेशक द्वारा सहयोग किया गया.

कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

डुमरी (सससे): पारसनाथ महाविद्यालय में आईक्यूएसी के द्वारा बुधवार को फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा कॉलेज के मूल्यांकन की प्रक्रिया में हुए बदलाव की जानकारी देना था। मुख्य वक्ता दिलीप मंगराज ने समस्त मूल्यांकन प्रक्रिया पर बिंदुवार जानकारी दी।

उन्होने बताया कि नयी बाइनरी सिस्टम में नैक मूल्यांकन की समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन होंगी।पुरानी शिक्षण पद्धति तथा सामान्य पाठ्यक्रम से अलग हटकर कौशल विकास, ऐड ऑन कोर्सेज, नवाचार पद्धति, ट्रेनिंग और प्लेसमेंट आदि कार्य महाविद्यालय के लिए अनिवार्य होंगे। कॉलेज को नियमित रुप से विभागीय, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन व ऑफलाइन सेमिनार एवं कॉन्फ्रेंस का आयोजन नैक में बेहतर ग्रेड दिलाने में सहायक होगा। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ मनोज कुमार मिश्रा,यशवंत कुमार सिन्हा आईक्यूएसी कोर्डिनेटर राजकुमार मेहता नैक कोर्डिनेटर रजनी कुमारी, योगेश प्रसाद, प्रियंका कुमारी, डेगलाल महतो, रीतलाल वर्मा, कुबेर प्रसाद, मधु जायसवाल, उमा पाण्डेय, संगीता कुमारी,पिन्टू पाण्डेय समेत सभी विभाग के प्राध्यापक उपस्थित थे।

बिनोद बाबू की समाधी पर श्रद्धा सुमन अर्पित

बलियापुर (सससे): झारखंड आंदोलन के पुरोधा स्व. बिनोद बिहारी महतो की ३३वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को उनके समाधि पर माल्यार्पण करने वालों का तांता लगा रहा। सर्वप्रथम बिनोद बाबू के पुत्र अधिवक्ता चन्द्र शेखर महतो, पोता अधिवक्ता राहुल कुमार महतो, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विधायक राज सिन्हा आदि मौजूद थे।

राज्यपाल से एआईएसएमजेडब्ल्यूए ने की मुलाकात

झुमका (सससे): झारखंड के विभिन्न जिलों में पत्रकारों पर दर्ज हो रहे मामलों की सीआईडी जाँच और राज्य में पत्रकार सुरक्षा विधेयक को लेकर बुधवार को एआईएसएम जर्नलिस्ट वेल्फेयर एसोसिएशन के संताल परगना प्रमंडलीय अध्यक्ष राकेश चंदन ने राज भवन रांची में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की।

इस दौरान राकेश ने राज्यपाल को बताया कि राज्य में पत्रकारों पर दर्ज हो रहे झूठे मुकदमों और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने के विषय को लेकर हमारी एसोसिएशन लगातार झारखंड सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने का काम कर रही है, किंतु दुखद है कि सरकार न तो पत्रकारों पर दर्ज फर्जी मुकदमों पर ध्यान दे रही है और न ही पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की दिशा में कोई सार्थक पहल

हो रही है.

केवल संताल परगना प्रमंडल में ही लगभग दो दर्जन पत्रकारों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं. इतना ही नहीं राज्य के पत्रकारों का कई वर्षों से अधिमान्यता से संबंधित आवेदन भी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में लंबित रखा गया है, लेकिन विभाग इसपर ध्यान नहीं दे रहा है.

कुछ पत्रकारों का बिना किसी ठोस कारण के अधिमान्यता रद्द कर संबंधित पत्रकार को सूचित न करना भी जनसंपर्क विभाग की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है. झारखंड में पत्रकार अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. राज्य के पत्रकारों को न बीमा और न आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने कोई पहल की है जब कि इस मामले पर भी एसोसिएशन लगातार आंदोलनरत है. कई पत्रकार तो ईलाज के अभाव में और दर्जनों कोरोनाकाल में दम तोड़ चुके हैं और बगैर सरकारी सहायता के उनके आश्रितों को भूखों मरने की नौबत आने वाली है.

अगर सरकार चाहे तो अनुबंध पर भी परिवार के एक आश्रित को रोजगार दे सकती है और यही कार्य जिला उपायुक्तों के माध्यम से भी हो सकता है। इस दौरान राज्यपाल ने सभी बिंदुओं को बारीकी से सुनने के बाद कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के स्तंभ हैं, सभी बिंदुओं से राज्य सरकार को उनके स्तर से अवगत कराया जाएगा।

बिजली उत्पादन बढ़ा 10 गुना : राज्य मुख्य सचिव

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि राज्य में पिछले पांच वर्षों में डेटा खपत में १५ गुना वृद्धि हुई है. साथ ही राज्य बुनियादी ढांचे के विकास, संपर्क में निवेश और रेल तथा सड़क तंत्र के निर्माण को लेकर कई बड़े कदम उठा रहा है. बिहार ने बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है. राज्य का सड़क घनत्व देश में तीसरे स्थान पर आता है, जो व्यापार तथा परिवहन को सुविधाजनक बनाता है. इसका बिजली उत्पादन ७०० मेगावाट से बढ़कर ७,००० मेगावाट हो गया है. राज्य में आईटी पार्क बनाए गए हैं और डेटा सेंटर भी बनाए जा रहे हैं.

बिहार सरकार में शीर्ष नौकरशाह मीणा ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और पिछले दो दशकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण में भारी निवेश किया गया है.

उन्होंने कहा, '' अगर मैं सड़क क्षेत्र की बात करूं तो हमारे पास १.२ लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क है. इसे पिछले २० वर्षों में बनाया गया है. हमारे पास राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और प्रमुख जिला सड़कों का एक बहुत मजबूत नेटवर्क है. मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले १० वर्षों में राजमार्ग नेटवर्क, राष्ट्रीय तथा राज्य राजमार्ग दोनों में जबरदस्त वृद्धि हुई है.'' राज्य सरकार ने पिछले वर्ष के बजट में सिलीगड़ी से गोरखपुर, रक्सौल से हल्दिया, पटना-पूर्णिया तथा आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे से राजगीर, बोधगया और दरभंगा तक चार एक्सप्रेस राजमार्ग की घोषणा की थी.

इसके अलावा वाराणसी-कोलकाता परियोजना भी जारी है, जिसका १५३ किलोमीटर हिस्सा बिहार के चार जिलों से होकर गुजरता है. उन्होंने बताया कि गैस के मामले में बिहार में १,७०० किलोमीटर से अधिक लंबी गैस पाइपलाइन है. अब सभी ३८ जिले शहरी गैस वितरण के दायरे में हैं. अब सभी उद्योग गैस आधारित उद्योग लगाने की योजना बना सकते हैं.

उन्होंने साथ ही कहा, '' अगर मैं दूरसंचार की बात करूं तो २०१९ में करीब छह करोड़ मोबाइल उपयोगकर्ता थे. अब करीब ७.२५ करोड़ हैं. २०१९ में प्रति माह औसतन १.६७ गीगाबाइट डेटा का इस्तेमाल होता था. अब यह २७ गीगाबाइट है. इसी बिहार में ४५,००० से अधिक मोबाइल टावर हैं....'' बिहार के मुख्य सचिव ने कहा कि सभी पंचायतें अब ऑप्टिकल फाइबर केबल से जुड़ चुकी हैं. दूरदराज के इलाकों सहित सभी गांव जुड़ चुके हैं.

२००५ में बिजली की खपत केवल ७००-८०० मेगावाट थी, इस साल राज्य में बिजली की खपत ८,००० मेगावाट तक पहुंच गई. वित्त पोषण पर उन्होंने कहा कि २०१५ में वाणिज्यिक बैंकों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सालाना ८,००० करोड़ रुपये का ऋण प्रवाह मिलता था. २०२३-२४ में वाणिज्यिक बैंकों से एमएसएमई को ७७,००० करोड़ रुपये का ऋण मिला.

कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है : महबूब आलम

पटना (एजेंसी): बिहार में एक कहावत है: पानी में मछली और ९-९ टुकड़ा हिस्सा. बिहार महागठबंधन में यह कहावत एकदम चरितार्थ होता दिख रहा है. महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. चुनाव में अभी करीब एक साल बाकी है पर कांग्रेस ने जहां डिप्टी सीएम पद को लेकर अपनी बात रख दी है, वहीं वामदलों की ओर से अब ऐसी मांग की गई है, जो लालू परिवार को नागवार गुजर सकती है.

ऐसा लगता है कि तेजस्वी यादव की ओर से सभी को खुश रखना मुश्किल होता जा रहा है. इन सब मांगों के बीच में तेजस्वी यादव का एक दिन पहले रिएक्शन भी आया था, जिसमें वो कह रहे थे कि कौन क्या बोलता है, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता. वे अखिलेश सिंह के ७० सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर किए गए दावों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे.

दरअसल, भाकपा माले विधायक दल के नेता महबूब आलम ने बुधवार को एक न्यूज चैनल से बातचीत में ६० सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का दावा कर दिया. उन्होंने कहा कि पिछले ५ साल में भाकपा माले ने जमीन पर सबसे अधिक काम किया है. उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में भाकपा माले का प्रदर्शन सबसे बढ़िया रहा था. इस दावे के साथ ही महबूब आलम ने कांग्रेस को कुछ नसीहतें भी दीं.

महबूब आलम ने कहा, कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है. लोकसभा में मुख्य विपक्षी दल है. उसे राज्यों में सहयोगियों को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि हमारी मजबूती के हिसाब से हिस्सेदारी सुनिश्चित होनी चाहिए.

एक तरफ तेजस्वी यादव महागठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने के लिए माई बहिन योजना, मुफ्त बिजली, पेंशन की राशि बढ़ाने जैसे लोक लुभावन घोषणाएं कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस और भाकपा माले की ओर से विधानसभा सीटों को लेकर किए जा रहे दावों से लग रहा है कि महागठबंधन में सामंजस्य का गहरा अभाव है.

पिछले दिनों राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सौंपने की पैरवी कर दी थी, जिसके बाद कांग्रेस की ओर से कड़ा रिएक्शन दिया गया था. माना जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव ने भी बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पर दबाव की राजनीति की शुरुआत की तो कांग्रेस ने भी इसका जवाब दिया.

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हैं पागल मंत्री : शिवचंद्र राम

पटना (ईएमएस): आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवचंद्र राम ने केंद्रीय गृह मंत्री को लेकर विवादित बयान दिया है। पटना में आरजेडी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने अमित शाह को पागल मंत्री बताया है। दरअसल राज्यसभा में गृह मंत्री ने कहा था कि अंबेडकर-अंबेडकर करना फैशन हो गया है। इतना नाम अगर भगवान का लेते, तब सात जन्मों तक स्वर्ग मिलता। इस बयान पर बिहार में सियासत गर्म हो चुकी है।

पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने कहा कि गृह मंत्री के बयान से देश की ९० प्रतिशत आबादी दुखी है। उनके बयान का राष्ट्रीय जनता दल घोर निंदा करती है। यह देश के गृह मंत्री नहीं, देश के पागल मंत्री हैं। जब बाबा साहेब का अपमान हो रहा था, तब सदन में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी हंस रहे थे। यह दो नेता सिर्फ अपने परिवार के लिए जीते हैं। इन्हें दलित और महादलित से कोई मतलब नहीं है।

उद्यम क्रांति से बिहार जैसे राज्यों में लाखों रोजगार पैदा होने की संभावना

मुंगेर (ससे): बिहार जैसे राज्यों में उद्यम क्रांति से लाखों रोजगार पैदा किये जा सकते हैं। मुंगेर से जमुई के बीच एम एस एम ई कोरिडोर तैयार करने की अपार संभावनाएं हैं। इस तरह के उद्यम कोरिडोर बिहार के अन्य जिलों के बीच और देश के अन्य जरुरतमंद राज्यों में भी तैयार किये जा सकते हैं। ये विचार भारत सरकार के एम एस एम ई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं ऑल इंडिया एम एस एम ई डी ओ टेक्निकल अफसर एसोसिएशन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह ने मुंगेर जिले के बनहरा पंचायत के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा बुधवार को आयोजित अभिनंदन समारोह में व्यक्त किये।

जिले के मिलकी, बनहरा, मघैयाचक, महिमाचक, गंगटा और जमघट दोड़ा के प्रबुद्ध नागरिकों की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर डॉ. शिशिर कुमार सिंह ने एम एस एम ई के समकालीन महत्व को रेखांकित करते हुए और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती में इसकी महती भूमिका को स्वीकार करते हुए महात्मा गांधी के ग्रामोद्योग परिकल्पना को फिर से देश में साकार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बनहरा पंचायत की ओर से मिलकी गांव के दिगंबर सदन में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख प्रबुद्ध लोगों ने भी अपने विचार रखे और क्षेत्र के निवासी तथा भारत सरकार में संयुक्त निदेशक श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह को हाल ही में अखिल भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संगठन तकनीकी अधिकारी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर चुने जाने पर बधाई दी और उनका नागरिक अभिनंदन किया।

प्रमुख लोगों में सर्वश्री विजय कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, नीरज कुमार सिंह उर्फ सुड्डन, मंटून सिंह, वरुण सिंह, अमरेन्द्र कुमार सिंह, मनोज सिंह, मुकेश सिंह (मिलकी गांव से), दीपक सिंह (बनहरा गांव से), रामनिवास सिंह (गंगटा गांव से), उमेश सिंह (पड़ेरिया गांव से), नित्यानंद सिंह नेपाली, सुनील कुमार सिंह उर्फ फोटो मास्टर, सदाशिव सिंह (महिमाचक गांव से), बिनोद सिंह (बेनीचक गांव से), विभूति कुमार सिंह उर्फ विभाष, मनोज कुमार सिंह उर्फ हीरो (मघैयाचक गांव से) और शिव कुमार मांझी (जमघट दोड़ा गांव से) ने अपने विचार रखे। इनमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के सुस्थापित एम एस एम ई उद्यमियों तथा उदीयमान उद्यमियों ने भी भाग लिया।

आजादी के पहले से उद्योग क्षेत्र में मुंगेर के एक अग्रणी जिला होने के कारण विभिन्न वक्ताओं ने क्षेत्र में युवाओं को स्वरोजगार के लिए फिर से प्रेरित करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए जागरुकता कार्यक्रम के आयोजन का विस्तार पंचायत स्तर तक बढ़ाने की मांग की। समारोह में इस बारे में केंद्रीय एम एस एम ई मंत्री श्री जीतन राम मांझी और बिहार सरकार के उद्योग मंत्री को ज्ञापन देने का प्रस्ताव रखा गया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इस दिशा में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का शिष्टमंडल शीघ्र ही केंद्रीय मंत्री और राज्य सरकार के मंत्री से मुलाकात करेगा।

सपा सांसद जिया उर्रहमान बर्क को गिरफ्तारी का डर

प्रयागराज (ईएमएस): उत्तरप्रदेश के संभल से सपा सांसद जिया उर्रहमान बर्क को गिरफ्तारी का डर सताने लगा है। बर्क ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज करने की मांग की है। इतना ही नहीं उन्होंने अदालत का अंतिम फैसला आने तक गिरफ्तारी व पुलिस की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की अपील की है। सांसद वर्क की अर्जी पर शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होने की उम्मीद है। सर्दियों की छुट्टी से पहले शुक्रवार को हाईकोर्ट में कामकाज का अंतिम दिन है।

नए डीजीपी के आते ही ताबड़तोड़ एक्शन में बिहार पुलिस

पटना (एजेंसी): बिहार में भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ पदाधिकारी विनय कुमार के पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण करते ही अपराधियों के खिलाफ एक्शन लेना शुरू कर दिया है. भागलपुर, बांका, नवगछिया में जहां २१८ कुर्की वारंट का तामिला कराया गया, तो वहीं पूर्वी चंपारण में सिर्फ एक दिन में २०० से अधिक मामलों में कार्रवाई की गई जिसमें से ८३ अपराधियों के घरों की कुर्की जब्ती की गई. दरअसल, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा था कि लॉ एंड ऑर्डर के तहत जितनी भी गिरफ्तारियां वांछित होगी उसके लिए एक अभियान चलाकर उनकी गिरफ्तारियां होगी. उसमें भी हम लोग स्पीडी ट्रायल करा कर अपराधियों को अंजाम तक पहुंचाएंगे. इस निर्देश के बाद ही जमीनी स्तर पर कार्रवाई शुरू की गई है.

पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले में पिछले २४ घंटे के दौरान २१० फरार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई. इसके तहत पुलिस जेसीबी के साथ पहुंची. मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया, अदालत से आदेश प्राप्त करने के बाद पिछले २४ घंटे में २१० फरार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई. कुर्की के क्रम में ८३ घरों की कुर्की की कार्रवाई की गई जबकि ४९ अभियुक्तों ने कुर्की के भय से आत्मसमर्पण किया. १२ फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई जबकि ३३ कुर्की के खिलाफ फरार अभियुक्तों को मृत पाया गया. इसके अलावा २६ अभियुक्तों ने जमानत पत्र जमा किए.इधर, भागलपुर में भी फरार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है.

पिछले एक सप्ताह के दौरान विशेष अभियान चलाकर भागलपुर में १५० से अधिक अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है. भागलपुर रेंज के बांका, भागलपुर और नवगछिया पुलिस द्वारा यह अभियान चलाया गया जिसमें २१८ कुर्की वारंट की तामील की गई. रेंज के तीनों जिलों में चलाए गए इस विशेष अभियान में २,२६३ गैरजमानती वारंट तामील कराया गए. इसके अलावा ३६५ इश्तेहार और २१८ कुर्की वारंट की भी तामील कराई गई.

अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

पत्रांक :– 1747/SNMMCH दिनांक :– 17.12.2024

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से औशधि, लोशन, ड्रॉप, क्रीम, सिरप, लेंस की आपूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए आपूर्ति हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत निम्नांकित शर्तो के अधीन ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 02.01.2025 को संध्या 5.00 बजे तक होगी।

ह0/– अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

PR 342284 Health Med Edu and Family Welfare (24-25)_D

अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद।

ई–निविदा सूचना

पत्रांक– 1746 धनबाद, दिनांक– 17.12.2024

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद के विभिन्न विभाग में अधिष्ठापित निम्नाकित मशीनों/उपकरणों के पूरे सिस्टम का दो वर्ष का रख–रखाव स्पेयर सहित 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत निम्नांकित शर्तो के अधीन ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि 08.01.2025 को संध्या 5:00 बजे तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद।

PR 342280 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25 (D)

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण शाखा गिरिडीह।)
ई–मेलः– dwo-giridih@jharkhandmail.gov.in

वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्रवेशिकोत्तर पाठयक्रमों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्र–छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति योजना हेतु आवेदन से संबंधित

आवश्यक सूचना

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत **शैक्षणिक सत्र– 2023–24** के लिए झारखण्ड राज्य एवं राज्य के बाहर नामांकन लेने वाले छात्र–छात्राओं हेतु शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ई–कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण हेतु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ी जाति के लिए निम्न प्रकार से तिथि निर्धारित की जाती है :–

क्र0	प्रक्रियात्मक कार्रवाई	ई–कल्याण पोर्टल पर कार्यवाही के लिए विस्तारित अंतिम तिथि
1	जिला स्तर पर शैक्षणिक शैक्षणिक सत्र–2023–24 के लिए लम्बित आवेदनों की त्रुटियों के सुधार हेतु छात्र/छात्राओं के लिए अंतिम तिथि	30.12.2024
2	संबंधित जिले के DNO द्वारा शैक्षणिक सत्र–2023–24 के लम्बित आवेदनों को निष्पादित करने की अंतिम तिथि	31.12.2024
3	शैक्षणिक सत्र–2024–25 हेतु छात्र/छात्राओं के आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि।	20.03.2025

अन्य दिशा निर्देश :– निर्देश पूर्व में प्रकाशित विज्ञापन के अनुसार http://ekalyan.cgg.gov.in पर उपलब्ध है।

ई–कल्याण पोर्टल पर लम्बित सभी संबंधित छात्र/छात्राओं को अंतिम रूप से सूचित की जार रही है कि शैक्षणिक 2023–24 के लिए पोर्टल 30.12.2024 के बाद नहीं खोला जाएगा। जिन छात्र/छात्राओं के आवेदन पत्र को पोर्टल पर लम्बित रखा गया है, उसे निर्धारित तिथि तक अंतिम रूप से आवश्यक सुधार कर लिया जाय। निर्धारित तिथि के उपरान्त सुधार हेतु पोर्टल नहीं खोला जाएगा।

जिला कल्याण पदाधिकारी,
गिरिडीह

PR 342278 Welfare(24-25)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–अल्पकालीन पुनर्निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/44/2024-25/RE

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र० सं०	ग्रुप सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	1	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत ग्वाला पाड़ा, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
2	2	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत कदुभीठा, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
3	3	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत सतीटांड, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
4	4	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत चमसोबाद बीच टोला, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
5	6	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत खमारबेंदी–2, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
6	7	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत मामरकुदर, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
7	8	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत गोराई टोला, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
8	9	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत जाला केक्ट टोला, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
9	10	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत जोल्हाडीह, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
10	11	बोकारो जिला के चास प्रखण्ड अंतर्गत कालापत्थर रजवार टोला, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
11	12	बोकारो जिला के कसमार प्रखण्ड अंतर्गत दाँतु–4 (नीचे टोला), आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
12	13	बोकारो जिला के कसमार प्रखण्ड अंतर्गत कसमार (चट्टी), आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
13	14	बोकारो जिला के कसमार प्रखण्ड अंतर्गत कसमार (कुरमी टोला) , आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
14	15	बोकारो जिला के कसमार प्रखण्ड अंतर्गत बरईकला–2, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
15	17	बोकारो जिला के कसमार प्रखण्ड अंतर्गत देशवल, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह
16	18	बोकारो जिला के कसमार प्रखण्ड अंतर्गत खैराचातर गाँधी रोड़, आँगनबाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण।	1108200.00	22500.00	2500.00	06 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 26.12.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 26.12.2024 से दिनांक 02.01.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 04.01.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
बोकारो।

PR.NO.342320 Rural Development(24-25):D

कार्यालय असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद

सूचना

धनबाद जिलान्तर्गत सभी अल्ट्रासाउण्ड क्लिनीक के संचालकों को सूचित किया जाता है कि जटिल गर्भ की पहचान एवं गर्भस्थ शिशुओं के कुशल विकास हेतु अल्ट्रासाउण्ड की सेवाऍ निजी स्वास्थ्य संस्थानों से कराये जाने का प्रावधान प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) के अनतर्गत किया गया है। गर्भवती महिला के Ultrasound के द्वारा जटिल गर्भ की पहचान एवं गर्भस्थ शिशुओं के Congenital Anomaly की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। Ultrasound कराने हेतु वित्तीय वर्श 2024–25 के ROP के FMR Code RCH-1 Sl. NO 6 अन्तर्गत्त गर्भवती महिलाओं हेतु 425/रू0 प्रति अल्ट्रासाउण्ड एवं प्रति लाभार्थी की राशि अनुमोदित है। धनबाद जिलान्तर्गत राज्य सरकार के अस्पतालों में अल्ट्रासाउण्ड क्लिनीक केवल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज, धनबाद में संचालित हैं। राज्य सरकार के शेष सरकारी अस्पतालों में अल्ट्रासाउण्ड केन्द्र चिकित्सक की कमी या अन्य कारणों से संचालित नही है। गर्भवस्था के दौरान अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निजी अल्ट्रासाउण्ड केन्द्र के संचालकों के साथ MOU किया जाना है।

अतः उपरोक्त अनुमोदित दर पर गर्भवती स्त्रियों का अल्ट्रासाउण्ड करने हेतु धनबाद जिलान्तर्गत संचालित निजी अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों के संचालक जो अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से निम्नलिखित स्वास्थ्य संस्थानों के लिए MOU करने के इच्छुक हैं, वे अपना आवेदन अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। यह MOU अधोहस्ताक्षरी स्तर से धनबाद जिलान्तर्गत विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानोंः– सदर अस्पताल, धनबाद, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र केन्दुआडीह, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोविंदपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निरसा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र टूण्डी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बलियापुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झरिया सह जोरापोखर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाघमारा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तोपचॉची के लिए जाएगा।

डा0 विकाश कुमार राणा
नोडल ऑफिसर, ग्रीवान्स पोर्टल,
सिविल सर्जन कार्यालय, धनबाद

असैनिक भाल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद

PR 342321 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)#D

Badki Saraiya Nagar Panchayat
Add: **Dak Bungalow, Chandramarni, Near- Hazribagh Road Railway station, Badki Saraiya, Giridih, Pin 825320**
Email.Id eo.badakasarai@gmail.com

Reference No.- BSNP/NIT/FSTP/11/2024-25..................
Date: ....

Tender Notice
IMPORTANT INFORMATION

Sr. No.	Particulars	Details
1	Name of Work	Construction & Commissioning of Faecal Sludge Treatment Plant of Capacity 7 KLD at Badki Saraiya Nagar Panchayat (Jharkhand) followed by Operation and Maintenance including desludging operations for 5 years
2	Estimated Cost (INR)	Construction Cost: ₹ 2,10,50,093.00 Operation & Maintenance Cost: ₹ 1,28,01,088.00 Total: ₹ 3,38,51,181.00
3	Bid Security (INR)	₹3,40,000/- (Rupees Three Lacs Forty Thousand Only)
4	Cost of Bid Document (INR)	₹ 10,000/- (Rupees Ten Thousand Only); non-refundable
5	Time of Completion	1 year of construction which comprises 9 months of construction and 3 months of defect liability period including one month of trial run and 5 years of O&M post DLP
6	Date of e-publication of tender	20.12.2024 at 10:00 am
7	Document downloading start Date	23.12.2024 at 10:00 am
8	Start date for seeking clarification	23.12.2024 at 04:30 pm
9	End date for seeking clarification	26.12.2024 at 05:00 pm
10	Pre bid meeting date, Time & Venue	27.12.2024 at 02:30 pm at office of Badki Saraiya Nagar Panchayat
11	Bid submission end date	02.01.2025 upto 05:00 pm
12	Bid opening date (online)	03.01.2025 at 04:30 pm

I. Complete bid document is available on website http://Jharkhandtenders.gov.in
ii. Other details can be seen in the bidding documents
iii. **Bid security 1 % of Bid amount**

कार्यपालक पदाधिकारी
बड़की सरैया नगर पंचायत

PR 342274 Urban Development and Housing (24-25)_D

गोविंदपुर में पुलिस जन शिकायत समाधान

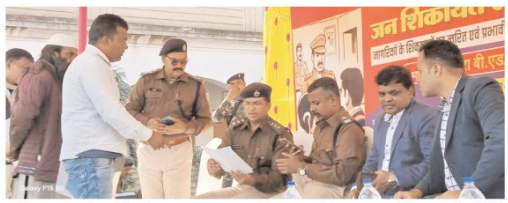

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर, बरवाअड्डा, टुंडी, पूर्वी टुंडी एवं मनियाडीह थाना क्षेत्र के लिए अल इकरा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय बरियो गोविंदपुर में धनबाद पुलिस ने जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया। शिविर में वरीय पुलिस अधीक्षक एचपी जनार्दनन ने ग्रामीणों से खुद आवेदन दिए और पुलिस विभाग से संबंधित आवेदनों का तत्काल निष्पादन का निर्देश संबंधित थानेदारों को दिया। इस अवसर पर प्रखंड और अंचल कार्यालय से संबंधित आवेदनों को निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी को भेजने की बात कही। श्री जनार्दनन ने कहा कि समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ११२ नंबर पर डायल करने पर ३० मिनट के अंदर पुलिस पहुंच जाती है।
उन्होंने कहा कि शहर में जगह-जगह क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं। इसमें समस्याएं बताई जा सकती है। गंभीर समस्या होने पर संबंधित थानों से संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले शिविर की अधिकांश समस्याओं का निष्पादन किया जा चुका है। खेती-बाड़ी का समय होने के कारण काम आवेदन आए हैं। गोविंदपुर पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में डीएसपी मुख्यालय वन शंकर कामती, मुख्यालय टू डीएन बंका, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने भी जन आवेदन प्राप्त किये। गोविंदपुर बीडीओ जहीर आलम, सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे, टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय, सीओ जितेंद्र प्रसाद, पूर्वी टुंडी बीडीओ पुष्कर सिंह मुंडा, सीओ सुरेश प्रसाद बरनवाल, गोविंदपुर सर्किल इंस्पेक्टर सरस्वती कुमारी मिंज, टुंडी थानेदार उमाशंकर, पूर्वी टुंडी थानेदार तारिक वसीम, अल इकरा कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य प्रो अली अशरफ, गोविंदपुर २० सूत्री अध्यक्ष अख्तर हुसैन अंसारी, जिप सदैव सोहराब अंसारी, डीएन सिंह, गुल्लू अंसारी, मोबिन अंसारी, एजाज अहमद राजेश हांसदा, आसिफ अंसारी, अमजद अंसारी, माथुर अंसारी टिंकू अंसारी आदि मौजूद थे। पूर्वी टुंडी, टुंडी, मनियाडीह, गोविंदपुर, बरवाअड्डा एवं साइबर थाना के लिए थाना के लिए अलग-अलग स्टाल लगाए थे। आवेदकों ने संबंधित स्टालों में अपने आवेदन जमा किए सभी को आवेदनों की पावती दी गई। पूर्व मुखिया गुल्लू अंसारी ने गोविंदपुर बाजार में टेंपो स्टैंड को जीटी रोड से हटाने की अपील की इस पर ट्रैफिक डीएसपी ने कहा कि वह दो-तीन दिनों में गोविंदपुर सीओ से मिलकर इस समस्या का समाधान करा देंगे। गोविंदपुर थाना के स्टाल में सर्वाधिक १०५ आवेदन आए।

गरीब मजदूर को नहीं मिला आवास योजना का लाभ

निरसा (ससे) : प्रखंड के रांगामटिया पंचायत के हड़कतोड़िया गांव निवासी बीणा मंडल आवास योजना एवं मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिलने की मामले को लेकर जन शिकायत समाधान केंद्र पहुंची।
सरकार के निर्देशानुसार बुधवार को निरसा पॉलिटेक्निक कॉलेज में जन शिकायत समाधान केंद्र का आयोजन किया गया था। फरियादी बीणा मंडल ने कहा कि विगत २७ अगस्त २०२४ को दिन रात भारी वर्षा हुई थी। रात में दो बच्चे एवं पति-पत्नी मिट्टी के घर में सोए थे। इस भारी बारिश में मिट्टी का मकान धंस गया था।
जिसमें परिवार सहित बच्चे बाल-बाल बच गए थे। इस मामले को लेकर अंचल और प्रखंड कार्यालय में आवेदन दिए थे। लेकिन अब तक कुछ सहायता नहीं मिला। ठंड के मौसम में प्लास्टिक की छावनी कर भोजन बनाने को मजबूर है। पति दिहाड़ी मजदूरी का काम कर भरण-पोषण करते हैं। घर धंस जाने के बाद घरेलू सामान की भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। निरीक्षण में ना कोई अधिकारी पहुंचे। ना ही कुछ तत्काल आर्थिक सहायता मिली। यहां तक की राज्य सरकार के द्वारा दिया जा रहा है मंईयां सम्मान योजना का लाभ भी एक किस्त भी नहीं मिला है।
इसके लिए भी कई प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाए। आवास और मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिलने की गुहार लेकर जन शिकायत समाधान केंद्र पहुंचे और लिखित आवेदन देकर समाधान के लिए निवेदन किया।

सरकारी भूमि पर काम करने पर लगी रोक

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे ने बुधवार को झारखंड कॉलोनी लालबंगला में १४.९५ एकड़ सरकारी भूमि पर काम करने पर रोक लगा दी है। लालबंगला निवासी शंकर तुरी, अमित कुमार, शुभम कुमार, समरेश राय, दुर्गा राय, मदन राय, काली राय, धीरू राय एवं अन्य ग्रामीणों की शिकायत पर अंचल अधिकारी ने राजस्व उप निरीक्षक अमित कुमार को स्थल जांच के लिए भेजा था। जांच में पाया गया कि उक्त जमीन झारखंड सरकार की है। इस पर पहले भी कैंजा करने की कोशिश की गई थी। इसके बाद धनबाद के तत्कालीन उपायुक्त सुनील कुमार वर्णवाल ने उक्त जमीन के सरकारी होने तथा इसकी खरीद-बिक्री नहीं करने संबंधी बोर्ड लगाया था। झारखंड कॉलोनी के लोगों ने अंचलाधिकारी से शिकायत की है कि उक्त बोर्ड को उखाड़ कर फेंक दिया गया है तथा जमीन पर काम करने की कोशिश की जा रही है। राजस्व उपनिरीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर अंचल अधिकारी ने जमीन पर काम करने पर रोक लगा दी है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार की जमीन है और इसमें ग्रामीणों द्वारा और अंचल कार्यालय द्वारा कोर्ट में मुकदमा दायर किया गया है। जो धनबाद न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कोर्ट का फैसला आने तक इस जमीन पर काम करने पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सरकारी जमीन संबंधी बोर्ड को उखाड़ फेंकने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी रतिरंजन गिरि ने बताया कि जमीन पर झारखंड कॉलोनी वसी हुई है । अनेक आदिवासी, दलित एवं पिछड़े वर्ग के लोगों ने घर बनाया है। उन्होंने कहा कि इस सरकारी जमीन को भू-माफिया से बचाने के लिए वर्ष २०२३ में ग्रामीणों ने रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया था। इसमें तत्कालीन सांसद पीएन सिंह भी शामिल हुए थे और उन्होंने इस जमीन को बचाने के लिए धनबाद उपायुक्त को लिखा था।

सतगावां में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

कोडरमा (ससे) : कोडरमा सतगावां जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड के शिवपुर पंचायत भवन में किया गया. जहां सैकड़ों की संख्या में आए फरियादियों की समस्याओं का समाधान किया गया. इस दौरान घरेलू झगड़े, जमीन विवाद, पिता पुत्र की लड़ाई से लेकर प्रखंड के गंभीर मामले भी सामने आए. इस कार्यक्रम का पदाधिकारी डीएसपी दिवाकर कुमार को बनाये गया थे। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने जन शिकायत समाधान कार्यक्रम शिकायत लेकर पहुंचने वाले पीड़ितों से बात कर उनकी समस्या को सुना और उनकी समस्या के समाधान का आश्वासन भी दिया.। डीएसपी दिवाकर कुमार ने कहा कि कोई भी थाना से खाली हाथ नही लौटेंगे, इसका यह मतलब है कि अगर थाना में कोई भी पीड़ित आवेदन देने जाएगा तो उसके आवेदन को लेने से कोई मना नहीं करेगा और जिस स्तर की समस्या है उसे उस स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा. मामला किसी थाना क्षेत्र का हो या कहीं का मामला हो जीरो एफआईआर दर्ज किया जाएगा. अगर किसी पीड़ित को किसी थाना में भटकाया जा रहा या किसी कर्मी या पदाधिकारी द्वारा दुर्व्यवहार किया जाने की शिकायत मिलेगी तो संबंधित के विरुद्ध जांच कर करवाई भी होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीएसपी दिवाकर कुमार सतगावां थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता, नवलशाही थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार ढाब थाना प्रभारी किशोर कुमार घोष , सतगावां अंचल अधिकारी केशव चौधरी, एस आई रौशन,एस आई सूर्य प्रताप उपस्थित थे जबकि आवेदन कर्ताओं में मुख्य रूप से विकास कुमार, मसोमात गायत्री देवी, विनय कुमार, दशरथ प्रसाद यादव, प्रभाकर सिंह, हितेश मिश्रा सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

संभल में फिर मिला एक और मंदिर, अब तक तीन मंदिर मिले

संभल (ईएमएस): उत्तर प्रदेश का संभल शहर प्राचीन मंदिर मिलने के बाद से चर्चा में आ गया है। संभल में लगातार बंद पड़े हिंदू मंदिर मिल रहे हैं। इसी कड़ी में यहां एक और पुराना मंदिर मिल गया है। यानी यहां अब तीसरा मंदिर मिला है। फिलहाल, प्रशासन जांच कर रहा है। बताया जा रहा है कि यह मंदिर तकरीबन १४ साल से बंद पड़ा होने की वजह से खंडहर में बदल गया है। इतना ही नहीं बल्कि अंदेशा है कि कोई यहां की मूर्तियां तक उठा ले गया।

संभल में यहा मंदिर चंदौसी के लक्ष्मणगंज इलाके में स्थित है। बताया जा रहा है कि यह खंडहर हो चुका है। इतना ही नहीं १४ साल से बंद होने की वजह से मूर्तियां भी निकालकर ले गए। बताया जा रहा है कि इलाके के माहौल बदलने के बाद मंदिर बंद हो गया था। अंदेशा है कि इस मंदिर में पूजा करने वालों के पलायन करने की वजह से मंदिर की देखभाल ही बंद हो गई. इस वजह से यह मंदिर बंद हो गया।

फिलहाल, प्रसाशन जांच कर रहा है। संभल के अजीजपुर असदपुर में प्रशासन को एक और कुंआ मिला है। जिसकी जांच होगी। बता दें कि संभल में २२ कुंए होने की बात कही जा रही है जिसमें से प्रशासन ने मंदिर के कुंए और खग्गू सराय मस्जिद के पास मिले कुंए की जांच की है। प्रशासन ने एक और कुंए की जानकारी जुटाई है। ये इलाका हयात नगर इलाके का है। यहां प्रशासन की टीम से तहसीलदार कब्जा देखने गए थे। जिन्होंने कुंए की जगह की फोटो ली हैं और पूरी जानकारी ली है। प्रशासन का कहना हैं कि जिन १९ कूपों की जानकारी संभल के नक्शे में दी गई है। क्या यह कुआं उनमें से एक है या नहीं अब इसकी जांच की जाएगी।

तम्बाकू मुक्त गांव बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

कोडरमा (ससे) : कोडरमा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, कोडरमा अंतर्गत प्रखण्ड सभागार, डोमचांच में मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्यों का तम्बाकू मुक्त गांव बनाने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसकी अध्यक्षता प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के द्वारा किया गया। वहीं उन्होंने कहा कि तम्बाकू हमारे समाज और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पदार्थ है।
इसकी लत से हमें बचना चाहिए और लोगो को भी बचाना चाहिए।साथ ही उन्होंने सभी मुखिया, पंचायत समिति एवं पंचायती राज संस्थान के सदस्यों को तम्बाकू मुक्त गांव बनाने के लिए जिम्मेवारी का निर्वाहन करने को कहा। जिला परामर्शी दिपेश कुमार के द्वारा तम्बाकू से समाज में होने वाले दुष्प्रभाव, एवं कोटपा अधिनियम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम में हिमांशु कुमार, प्रकाश कुमार रवि, मुखिया खुशबू कुमारी, ममता देवी, पुष्पा देवी, पंकज यादव, शिवशंकर राय, दिनेश यादव, पप्पु कुमार यादव आदि लोग मौजूद थे।

छापेमारी में डुप्लीकेट मोटर पार्ट्स व मोबिल बरामद

निरसा (ससे) : चिरकुंडा थाना अंतर्गत नीचे बाजार स्थित मां दुर्गा टीवीएस सर्विस सेन्टर एवं राजेंद्र मोटर्स पार्ट्स दुकान में हीरो कंपनी कोलकाता के निरीक्षक पदाधिकारी ने छह सदस्यीय कमिटी के साथ चिरकुंडा पुलिस के सहयोग से औचक छापेमारी की छापेमारी के दौरान करीब १ लाख हीरो कंपनी के डुप्लीकेट मोटर पार्ट्स व मोबिल बरामद की गई।

इसकी जानकारी देते हुए हीरो कंपनी कोलकाता के हीरो कंपनी के निरीक्षक पदाधिकारी प्लास दास एवं सरोज दे ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली कि चिरकुडा नीचे बाजार स्थित मां दुर्गा टीवीएस सर्विस सेंटर एवं राजेंद्र मोटर्स में हीरो कंपनी की डुब्लीकेट मोटर पार्ट्स की बिक्री की जा रही है इसी को लेकर वे चिरकुंडा थाना पहुंचे पुलिस के सहयोग से प्रतिष्ठान पर छापेमारी की और छापेमारी में करीब १ लाख रू के डुप्लीकेट मोटर पार्ट्स जब्त कर थाना लाया गया व जांच पड़ताल प्रारंभ की गयी। हीरो कंपनी के निरीक्षक पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि चिरकुंडा व आस पास मोटर पार्टस दुकानों में हीरो कंपनी के डुप्लीकेट पार्टस की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है जिसकी शिकायत बराबर कंपनी को मिलते रहती है और मुहिम चलाकर स्थानिय पुलिस के सहयोग से कंपनी डुप्लीकेट पार्ट्स बेचने वाले सिंडिकेट को पकड़ने का कार्य करेगी।

इस संबंध में चिरकुंडा थाना प्रभारी रामजी राय ने बताया कि जांच की जा रही है जांचो प्रांत उचित कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी अभियान में चिरकुंडा थाना के शशि प्रकाश, एस आई फगुआ उरांव सहित पुलिसकर्मी मौजूद थे।

चंदवारा में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

कोडरमा (ससे) : कोडरमा जिला परिवहन विभाग कोडरमा के सौजन्य से सड़क सुरक्षा टीम द्वारा प्लस टू हाई स्कूल चंदवारा में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत विद्यार्थियों और शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दिया गया। साथ ही मोटर वाहन सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया। सड़क सुरक्षा दल से हिमांशु और अभिषेक कुमार एवं ट्रैफिक पुलिस ओम प्रकाश द्वारा विद्यार्थियों और शिक्षकों को हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों के महत्व के बारे में बताया गया। यह जानकारी दी गई कि गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल का प्रयोग और नशे में गाड़ी चलाना बेहद खतरनाक है, और इनसे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, गाड़ी की चाल निर्धारित सीमा के भीतर रखनी चाहिए ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। सड़क पार करते समय ज़ेबरा क्रॉसिंग और सिग्नल का सही तरीके से उपयोग करने के बारे में भी बताया गया। स्कूली बच्चों के बीच हेलमेट का वितरण किया गया।

प्रखंड प्रमुख ने किया नौका विहार का उद्घाटन

पुटकी (ससे) : मुनीडीह में स्थति भटिंडा फॉल में इस वर्ष नये साल में आने सैलानियों को नौका विहार का आनंद ले सकेंगे। बुधवार को बिनोद बिहारी महतो स्मारक समिति एवं भाटिन हाड़ि थान समिति के सयुंक्त तत्वावधान में पहली बार नौका विहार (बोटिंग) सेवा का उद्घाटन धनबाद प्रखंड प्रमुख आरती देवी ने किया। इससे पूर्व झारखण्ड के पुरोधा स्व. बिनोद बिहारी महतो के ३३वीं पुण्यतिथि पर प्रमुख आरती देवी, मुखिया चक्रधर महतो, समिति अध्यक्ष संदीप महतो सहित कई गणमान्य अतिथियों ने उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। अध्यक्ष श्री महतो ने कहा बोटिंग से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही स्थानीय बेरोजगार को रोजगार भी मिलेगी। मौके पर भाटिन हाड़ि थान के संचालक अशोक केटिआर, मनोज कुमार, जेपी महतो, सतीश महतो, गौतम महतो, लखीराम बाउरी, राजेश महतो, रामेश्वर महतो, दिनेश महतो, अभय महतो, नितेश महतो, सोनू महतो, मनोरंजन बाउरी आदि मौजूद थे।

बिनोद बिहारी महतो को श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : तोपचांची में बुधवार को झारखंड आंदोलन के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि मनाई गई। प्रखंड के मानटांड आम बागान स्थित बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा पर झामुमो, भाजपा, आजसू समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं व समाजिक कार्यकर्ताओं ने फूल-माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। लगातार डॉट इन की खबर के मुताबिक इस मौके पर नेताओं व कार्यकर्ताओं ने झारखंड आंदोलन में बिनोद बिहारी महतो के योगदान को याद किया और उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समारोह में टुंडी के झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो, भाजपा नेता विकास कुमार महतो, आजसू के धनबाद जिला उपाध्यक्ष विंदेश्वर महतो सहित अन्य नेता व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने की तैयारी शुरू

पटना (एजेंसी): बिहार में अगले साल यानी २०२५ में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने अभी से ही तैयारी शुरू कर दी है. जनता को अपने पक्ष में करने के लिए सभी दल 'मुफ्त' वाली योजनाओं का वादा करने में जुटे हैं. इसमें राजद नेता तेजस्वी यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं.

इस बार सीएम नीतीश कुमार से सत्ता छीनने को बेताब तेजस्वी यादव दनादन 'मुफ्त' वाली स्कीम के सपने दिखाने में जुटे हैं. वे अब तक बिहार में २०० यूनिट फ्री बिजली, वृद्धा पेंशन को ४०० रुपये से बढ़ाकर १५०० रुपये करने के अलावा महिलाओं को २,५०० रुपये देने के लिए 'माई-बहन मान योजना' का ऐलान कर चुके हैं. राजद नेता के वादे यकीनन नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की परेशानी बढ़ाएंगे.

विधानसभा चुनाव को लेकर तेजस्वी यादव उन सारे वादों को दोहराने में जुटे हैं, जो सफल हो चुके हैं. मुफ्त बिजली वाली स्कीम दिल्ली में हिट हो चुकी है. यहां अरविंद केजरीवाल की सरकार ने २०० यूनिट बिजली मुफ्त देने की योजना लागू की थी. इस योजना की बदौलत ही केजरीवाल की २०१९ में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी हुई थी. यह योजना पिछले ९ सालों से चल रही है और मार्च २०२५ तक इसे जारी रखने का ऐलान किया गया है. पंजाब में भी भगवंत मान के नेतृत्व में आप सरकार ने ३०० यूनिट तक बिजली मुफ्त देने की योजना लागू कर रखी है.

यहां दो महीने के बिजली बिल चक्र के तहत लोगों को ६०० यूनिट मुफ्त बिजली मिलती है. दिल्ली को देखकर कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और राजस्थान में मुफ्त बिजली की योजनाएं चल रही हैं.

तेजस्वी यादव ने पेंशन बढ़ाने का आइडिया हिमाचल प्रदेश से लिया है. यहां कांग्रेस ने पुरानी पेंशन लागू करने का वादा करके चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी. हालांकि, कांग्रेस का यह वादा राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नहीं चल सका था. इन राज्यों में बीजेपी ने उससे सत्ता छीन ली थी. इसके अलावा तेजस्वी ने हाल ही में महाराष्ट्र और झारखंड में हुए चुनाव में महिलाओं की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी को देखकर बिहार में भी महिलाओं को २५०० रुपये देने का वादा कर दिया है. इससे पहले तेजस्वी यादव रोजगार के मुद्दे पर सरकारी नौकरी देने का पूरा क्रेडिट लेने की कोशिश करते रहे हैं.

बता दें कि , बिहार में नीतीश कुमार की राजनीति थोड़ी अलग रही है. नीतीश कुमार गाहे-बगाहे वादे तो नहीं करते लेकिन राज्य में महिला वोटरों पर उनकी पकड़ की कोई सानी नहीं है.

छात्राओं के लिए साइकिल, पोशाक के लिए पैसे, अविवाहित लड़कियों को प्रोत्साहन राशि, पंचायत और निकाय चुनावों में महिलाओं को ५० फीसदी आरक्षण, सरकारी नौकरियों में ३५ प्रतिशत आरक्षण नीतीश कुमार के कुछ बड़े कामों में से एक हैं. अब देखना होगा कि इस बार जनता को किसके वादे ज्यादा लुभावने लगते हैं.

क्विज कंपटीशन का रिजल्ट वितरण

पुटकी (ससे) : पुटकी धोबनी स्थित डिजी पब्लिक स्कूल में बुधवार को टाटा स्टील फाउंडेशन के रिश्ता प्रोजेक्ट के द्वारा क्विज कंपटीशन का रिजल्ट डिस्ट्रीब्यूशन किया गया, जिसमें तीन ग्रुप में प्राइज का वितरण किया गया।
इस प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन के मुख्य अतिथि धनबाद प्रमुख आरती देवी रही साथ ही शमशिखरा के मुखिया चक्रधर महतो, लोकनाथ सिंह चौधरी, इंद्रजीत महतो, रखलदास, रिश्ता प्रोजेक्ट के मेंबर उमेश कुमार महतो, डॉक्टर विवेकानंद पात्रों, दीपक रवानी आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रिंसिपल विजय कुमार महतो ने बच्चों को आने वाले कंपटीशन को कैसे क्रैक करे इस पर बच्चों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मुख्य रूप से उपस्थित रही।

राज्यपाल ने एनआईएएमटी में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया उद्घाटन

रांची (एजेंसी): झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी (एनआईएएमटी) की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

एनआईएएमटी के फाउंड्री और फोर्ज विभाग और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (भारत), झारखंड द्वारा आयोजित कार्यक्रम सम्मेलन का विषय -फाउंड्री और फॉर्मिंग प्रौद्योगिकी में प्रगति था.

सम्मेलन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति और सतत विकास में योगदान देना है. लगातार. इन के अनुसार, राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि फाउंड्री और फॉर्मिंग तकनीक औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. इन तकनीकों का उपयोग निर्माण, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और रक्षा जैसे क्षेत्रों में किया जाता है.

राज्यपाल ने एनआईएएमटी की समृद्ध परंपरा और तकनीकी अनुसंधान में उसके योगदान की भी सराहना की. उन्होंने औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने कहा कि टिकाऊ प्रौद्योगिकियां, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण-संवेदनशील नवाचार सतत विकास के लिए नये अवसर प्रदान कर सकते हैं.

राज्यपाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत २०४७' के दृष्टिकोण को साकार करने में सहायक सिद्ध होंगे. लगातार को मिली जानकारी के अनुसार, राज्यपाल ने एनआईएएमटी से हटिया और आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वच्छता और कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया. राज्यपाल ने आशा प्रकट की कि यह सम्मेलन तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान का सशक्त मंच बनेगा और भावी इंजीनियरों व वैज्ञानिकों को प्रेरित करेगा. उन्होंने एनआईएएमटी और आयोजन समिति के प्रयासों की भी सराहना की.

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एनआईएएमटी के कुलाधिपति डॉ. अरुण कुमार झा, पूर्व अध्यक्ष श्याम अर्जुन वाडकर, राजनीतिक विशेषज्ञ डॉ. एस. दत्ता, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के कुलपति डॉ. डी.के. सिंह, छख-चढ के निदेशक प्रो. पी.पी. चट्टोपाध्याय और द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, झारखंड के अध्यक्ष इंजीनियर महेश कुमार गुप्ता सहित कई शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे.

अडानी के कहने पर नहीं, बाबा साहब के संविधान से चलेगा देश : इरफान अंसारी

अगर संविधान नहीं होता तो आज यहां इरफान अंसारी मंत्री नहीं होता

रांची (एजेंसी): कांग्रेस ने आज अमित शाह के बयान सहित अन्य मुद्दों को लेकर शहीद चौक से लेकर राजभवन तक विरोध मार्च निकाला. विरोध मार्च को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि अमित शाह जी ने संसद में जिस तरह का बयान दिया है, वह निंदनीय है.

मंत्री ने कहा कि आज आप अडानी के कहने पर कानून बदलने की बात करते हैं. मिली जानकारी के अनुसार, उन्होंने कहा कि यह देश राहुल गांधी के बताये मार्ग पर चलेगा, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान के अनुसार चलेगा.

मोदी जी हम आपको बता दें कि अगर संविधान नहीं होता तो आज यहां इरफान अंसारी मंत्री नहीं होता. आप संविधान को बदलने की बात करते हैं. लेकिन कांग्रेस ऐसा हरगिज होने नहीं देगी. बता दें कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में आज अमित शाह द्वारा संसद में दिये गये बयान, अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी पर लगाये गये आरोपों और मणिपुर में हो रही हिंसा पर पीएम मोदी की चुप्पी के विरोध में आज मार्च निकाला. जिसमें प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने अपने विचार रखें.

झारखंड की दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग से गुजरात मिलने पहुंची मंत्री दीपिका पांडे, दी आर्थिक मदद

रांची (एजेंसी): ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह के नेतृत्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड निवासी दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग बेटी से गुजरात के वड़ोदरा में मुलाकात की. साथ ही उसका हाल जाना.

मंत्री के साथ गई टीम ने ना सिर्फ बच्ची का हाल जाना, बल्कि उसे आर्थिक मदद पहुंचाते हुए पीड़िता के परिजन को चार लाख रुपये का चेक भी सौंपा. प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात सरकार से दुष्कर्म के आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है. मंत्री दीपिका पांडे सिंह के साथ आईजी सुमन गुप्ता, डायरेक्टर सोशल वेलफेयर किरण पांसी बच्ची से मुलाकात करने गुजरात गई थी.

दरअसल गुजरात के भरूच स्थित झघड़िया जीआईडीसी क्षेत्र में झारखंड की एक नाबालिग के साथ सात दिन तक दुष्कर्म हुआ था. जिसके बाद पीड़िता का इलाज अंकलेश्वर अस्पताल से भरूच सिविल और फिर वड़ोदरा के एसएसजी अस्पताल में हो रहा है. मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने मंत्री दीपिका पांडे सिंह के नेतृत्व में टीम को वडोदरा भेजा और बच्ची को मदद पहुंचायी. यहां बता दें कि राज्य में रह रहे और प्रवासी झारखंडवासियों के प्रति हेमंत सरकार हमेशा संवेदनशील रही है. फिलहाल आरोपी को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

20 को होगी बारिश, 21 से फिर बढ़ेगी कनकनी

रांची (एजेंसी): झारखंड में ठंड का कहर दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है. लेकिन अब इससे थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है. १८ और १९ दिसंबर को मौसम थोड़ा शुष्क रहेगा. साथ ही ठंडी हवाओं से झारखंडवासियों को राहत मिलेगी. जिससे कंपकंपी ज्यादा नहीं होगी. इसी बीच २० दिसंबर से झारखंड के मौसम में फिर से बदलाव देखने को मिलेगा. २० दिसंबर को कई जिलों में बारिश की संभावना है.

मौसम केंद्र रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि १८ और १९ दिसंबर को मौसम शुष्क रहेगा. जिससे शीतलहर से लोगों के थोड़ी राहत मिलेगी. उन्होंने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में हिमालय की ओर से आने वाली ठंडी हवाओं के झोंके से राहत मिली है.

प्राथमिक और मध्य विद्यालय के छात्रों का अपार कार्ड बनाना अनिवार्य

रांची (एजेंसी): अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत झारखंड के सभी प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे छात्रों का अपार आईडी कार्ड बनाना अनिवार्य किया गया है. इस आईडी कार्ड में बच्चों का पूरा शैक्षणिक डेटा उपलब्ध होगा, जिससे छात्रों के स्थानांतरण के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा. एक बार आईडी नंबर जारी होने पर यह स्वचालित रूप से डिजीलॉकर में अपलोड हो जाएगा, और छात्र का डेटा हमेशा ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा.

हालांकि इस प्रक्रिया में कई तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं. सबसे बड़ी समस्या यह है कि अपार आईडी कार्ड बनाने के लिए बच्चों का आधार कार्ड होना जरूरी है और इसके लिए जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है. कई बच्चों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, जिसके कारण उनका आधार कार्ड बनाना मुश्किल हो रहा है. इस स्थिति के कारण गरीब छात्रों के लिए अपार आईडी कार्ड बनवाना चुनौतीपूर्ण हो गया है.

इसके अलावा कुछ बच्चों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट नहीं हो पाई है, जिससे उनका आईडी नंबर जारी नहीं हो पा रहा है. इसके कारण छात्रों के स्थानांतरण में भी परेशानी हो रही है, क्योंकि एक स्कूल से दूसरे स्कूल में प्रवेश के समय उनका परमानेंट एजुकेशन नंबर (पीईएन) सक्रिय नहीं हो पाता.

शिक्षकों ने अवकाश रद्द करके इस कार्य को पूरा करने का प्रयास किया है, लेकिन जब तक इन समस्याओं को हल नहीं किया जाता, तब तक इसे पूरा करना आसान नहीं होगा.

इस समस्या का समाधान यह हो सकता है कि विद्यालय द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र के आधार पर आधार कार्ड बनाया जाए, जिससे सुदूर गांवों के बच्चों का आधार कार्ड बनवाना सरल हो सके और अपार आईडी कार्ड की प्रक्रिया पूरी की जा सके.

मंत्री योगेंद्र महतो ने की उत्पाद विभाग की समीक्षा बैठक

रांची (एजेंसी): उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र महतो ने बुधवार को उत्पाद विभाग की समीक्षा बैठक. इस बैठक में सभी उत्पाद आयुक्त शामिल हुए. बैठक के बाद सूत्रों ने लगातार न्यूज को बताया कि मंत्री ने अधिकारियों से राजस्व लक्ष्य के बारे में जानकारी ली. साथ ही कहा कि राजस्व के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करें.

बैठक में मंत्री योगेंद्र महतो ने अधिकारियों से कहा है कि वह सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी हाल में खरीदरों से ज्यादा राशि की वसूली ना हो. उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों ऐसे मामले सामने आये हैं, जिनमें शराब विक्रेता दुकानदारों द्वारा प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूला गया है. लगातार न्यूज ने भी कई बार इससे संबंधित खबरें प्रकाशित की थी.

बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया है कि किसी भी परिस्थिति में राज्य में नकली शराब की बिक्री ना हो. इससे ना सिर्फ राजस्व की क्षति होती है, बल्कि लोगों की जिंदगी भी खतरे में पड़ती है.

अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

रांची (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान अपने आदेश में कहा है कि अवैध भवन निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता. चाहे वह भवन कितना भी पुराना क्यों ना हो.

शीर्ष कोर्ट ने कहा है कि स्थानीय निकाय द्वारा पास नक्शा से हटकर हुए निर्माण और बिना नक्शा स्वीकृति के हुए निर्माण को नियमित करके ऐसा करने वालों को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता.

निर्माण के लिए नियमों का पालन किया जाना जरुरी है. अगर अदालत में ऐसे मामले आते हैं, तो अवैध निर्माण के प्रति नरमी गलत होगा.

शीर्ष अदालत ने यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा अवैध निर्माण को ध्वस्त किये जाने के फैसले को चुनौती देने के मामले में सुनवाई करते हुए की.

जस्टिस महादेवन ने आदेश दिया है कि गैरकानूनी तरीके से किये गए अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता.

उल्लेखनीय है कि रांची शहर में लाखों घर ऐसे हैं, जिनका निर्माण बिना नक्शा स्वीकृत कराये किया गया है. करीब आठ साल पहले रघुवर सरकार में ऐसे घरों को नियमित करने के लिए सरकार ने कदम बढ़ाये थे.

हेमंत सरकार के पहले कार्यकाल में भी इस दिशा में आगे बढ़ते हुए नगर विकास विभाग के अधिकारियों ने कई बैठकें की थी. अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद यह सवाल उठने लगा है कि रांची के उन लाखों आवासों को नियमितिकरण की योजना का क्या होगा.

जामताड़ा में हो रही थी एफसीआई चावल की तस्करी, पुलिस ने मारा छापा

32 क्विंटल चावल समेत अन्य सामग्री जब्त, जांच में हो सकते हैं कई खुलासे

जामताड़ा (ईएमएस): जामताड़ा में चावल तस्करी का बड़ा खुलासा हुआ है. जामताड़ा जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने बेना स्थित रामेश्वरम राइस मिल में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में एफसीआई का चावल और बांग्लादेशी पैकेट बरामद किए हैं। वहीं प्रशासन ने राइस मिल को सील कर दिया है और ३२ क्विंटल जन वितरण प्रणाली के चावल समेत अन्य सामग्री भी जब्त की है। इस कार्रवाई से जिले में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक कार्रवाई में मिल मालिक संजय परसुराम और उनके लोगों ने पदाधिकारियों से बहस की, लेकिन पुलिस ने मोर्चा संभाला और स्थिति को नियंत्रित किया। इस राइस मिल के मालिक संजय परसुराम का पहले भी अवैध कारोबार में नाम सामने आ चुका है। नेपाल पुलिस द्वारा नकली दवा सप्लाई करने के मामले में इन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। अब चावल तस्करी मामले में उनके गिरोह का पर्दाफाश होने से बड़े नेटवर्क के उजागर हो सकता है।

प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन और पुलिस ने संकेत दिया है कि जल्द ही गिरफ्तारी हो सकती है और सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों पर भी शिकंजा कसा जाएगा। जांच में यह आशंका जताई गई है कि तस्करी के चावल में प्लास्टिक चावल भी मिलाया जा रहा था, जो स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक है। यह गिरोह सालों से लोगों की जान और स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा था। जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें ताकि इस तरह के गोरखधंधे को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। इस मामले की गहन जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में बड़ा खुलासा हो सकता है।

बंधु तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस महासचिव से की मुलाकात

रांची (एजेंसी): पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल से मुलाकात किया. उन्होंने केसी वेणुगोपाल को सरना अंगवस्त्र से सम्मानित किया. इसके साथ ही उन्होंने राज्य के विकास और राजनीति पर विचार विमर्श किया.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा परिणाम पर रोक लगाना स्वागत योग्यः बाबूलाल मरांडी

रांची (एजेंसी): भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबू लाल मरांडी ने झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा परिणाम पर रोक लगाने का स्वागत किया है. उन्होंने कहा है कि यह फैसला न केवल छात्रों के संघर्ष की जीत है, बल्कि इससे हेमंत सोरेन सरकार के अहंकार की हार भी साबित होता है.

बाबूलाल मरांडी ने छात्रों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी ने लोकतांत्रिक तरीके से जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में हुई साजिश के खिलाफ अपनी आवाज उठाई. उनका समर्थन इस लड़ाई में महत्वपूर्ण रहा है. बाबूलाल मरांडी ने लगातार न्यूज को बताया कि जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक प्रकरण में मुख्यमंत्री और सत्ताधारी नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों एवं आयोग की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है. ऐसे में यह आवश्यक है कि पारदर्शी परिणाम के लिए इसकी सीबीआई से जांच कराई जाये.

बाबूलाल मरांडी को उम्मीद है कि हाईकोर्ट छात्रों को न्याय दिलाने के लिए उड़ख जांच का आदेश देगा. जिसके बाद यह सुनिश्चित होगा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या अनियमितताएं न हों और छात्रों को उनका हक मिले.

कांग्रेस ने अमित शाह के बयान सहित अन्य मुद्दों को लेकर निकाला विरोध मार्च

रांची (एजेंसी): झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में बुधवार को अमित शाह द्वारा संसद में दिये गये बयान, अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी पर लगाये गये आरोपों और मणिपुर में हो रही हिंसा पर पीएम मोदी की चुप्पी के विरोध में आज मार्च निकाला. यह मार्च शहीद चौक स्थित शहीद स्थल से शुरू होकर राज भवन तक पहुंचा. जहां मार्च में शामिल कांग्रेस नेताओं ने अपना विरोध प्रकट किया. लगातार. इन के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मौके पर जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि यह भाजपा की एक बड़ी साजिश है. उन्होंने कहा कि जब हम रामायण के रचयिता वाल्मीकि जी को भगवान मान सकते हैं, तो फिर संविधान के रचयिता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को मानने में क्या हर्ज है, यह गृह मंत्री को बताना चाहिए. अधिकारों के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी. झारखंड समेत अन्य प्रदेशों में भी कांग्रेस ने अपना विरोध दर्ज किया है. इस अवसर पर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे.

विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर बोले कल्याण मंत्री, जल्द होगा मदरसा बोर्ड का गठन

रांची (एजेंसी): विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग एवं झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड की पहल पर बुधवार को कड़रू स्थित हज हाउस में अल्पसंख्यक समुदाय के मुद्दों पर परिचर्चा आयोजित की गई. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन शामिल हुए.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अल्पसंख्यक कल्याण के लिए जितने कार्य किए गए हैं, उतने कार्य पहले कभी नहीं किए गए थे. मंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षणिक विकास के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है. उन्होंने यह भी कहा कि हेमंत सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय से किए गए सभी वादों को पूरा किया है.

मंत्री ने घोषणा की कि सरकार जल्द ही मदरसा बोर्ड और उर्दू अकादमी का गठन करेगी. उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को शिक्षित करें, क्योंकि शिक्षा से ही आने वाली पीढ़ी का विकास संभव है.

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस १८ दिसंबर को प्रतिवर्ष मनाया जाता है. यह दिवस संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा १९९२ से प्रत्येक वर्ष मनाया जा रहा है, ताकि अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा की जा सके और उनकी भाषा, जाति, धर्म, संस्कृति और परंपरा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदाय पूरी तरह से सुरक्षित है.

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सदस्य एवं राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सरफराज अहमद, झारखंड अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष ज्योति सिंह माथारू, आयोग के सदस्य डॉ. एम तौसीफ, वारिस कुरैशी, बरकत अली और अन्य लोग उपस्थित थे.

राज्य अल्पसंख्यक आयोग की ओर से कई व्यक्तियों को सम्मानित किया गया. सम्मानित होने वाले व्यक्तियों में पत्रकारिता के क्षेत्र में मुजफ्फर हुसैन, गुलाम शाहिद और शफीक अंसारी, शिक्षा के क्षेत्र में सेंट जेवियर के प्राचार्य फादर डॉ. नोबूल लकड़ा, प्राचार्य निर्मला कॉलेज डॉ. ज्योति किसपोटा, सामाजिक संगठन लहू बोलेगा के संस्थापक नदीम खान, जमशेदपुर के सामाजिक कार्यकर्ता मोख्तार आलम खान, सरफराज हुसैन और झारखंड बार के सदस्य अधिवक्ता अब्दुल कलाम रशीदी शामिल थे.

भूल जाते हैं बातें, सामने रखी चीज नहीं आती नजर? तो आपके दिमाग पर भी छा गया है कोहरा

ब्रेन फॉग (मस्तिष्क धुंध) कोई चिकित्सा स्थिति नहीं है, बल्कि एक स्थिति है जिसमें व्यक्ति मानसिक रूप से थका हुआ, भ्रमित, और ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ महसूस करता है। इसमें व्यक्ति का दिमाग नॉर्मल से कम तेजी से रिएक्ट या रिस्पॉन्स करता है। इसे मानसिक स्पष्टता में कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिससे याददाश्त, सोचने की क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से

ब्रेन फॉग के लक्षण

याददाश्त की समस्या : छोटी-छोटी बातों को भूल जाना या चीजें याद करने में कठिनाई।

ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई : किसी काम पर फोकस बनाए रखना मुश्किल।

भ्रम की स्थिति : मानसिक रूप से असाष्टता महसूस करना।

मानसिक थकान : बिना किसी शारीरिक श्रम के थका हुआ महसूस करना।

धीमी सोच : सामान्य से अधिक समय लगना जानकारी को समझने और निर्णय लेने में।

ब्रेन फॉग के कारण

यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे :

जीवनशैली संबंधी कारण : पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद न लेना, पोषक तत्वों की कमी या ज्यादा शुगर का सेवन, लंबे समय तक तनाव में रहना।

चिकित्सीय स्थितियां : थायरॉइड समस्याएं, ऑटोइम्यून बीमारियां जैसे- ल्यूपस या मल्टीपल स्क्लेरोसिस। अनियंत्रित ब्लड शुगर भी इसका कारण बनता है। कुछ एंटी-एलर्जी, एंटी-डिप्रेशन या दर्द की दवाएं भी स्थिति को गंभीर कर सकती है।

मानसिक स्वास्थ्य : डिप्रेशन और एंग्जायटी,पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी), गर्भावस्था, मेनोपॉज, या थायरॉइड असंतुलन के कारण भी समस्याएं पैदा होती हैं। लाइम रोग जैसी पुरानी बीमारियां भी एक कारण है।

जीवन पर प्रभाव

- ध्यान केंद्रित न कर पाने से गलतियां हो सकती हैं।
- भूलने की आदत या भ्रम संबंधों को प्रभावित कर सकती है।
-लगातार थकान से निराशा और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

ब्रेन फॉग से बचाव और उपचार

जीवनशैली में बदलाव : 7-9 घंटे की पर्याप्त नींद लें। पोषण से भरपूर संतुलित आहार खाएं और खुद को हाइड्रेटेड रखें।

शारीरिक गतिविधियां : नियमित व्यायाम मस्तिष्क के लिए फायदेमंद होता है। ध्यान, योग या माइंडफुलनेस का अभ्यास करें।

चिकित्सकीय परामर्श यदि समस्या गंभीर हो तो डॉक्टर से परामर्श लें। दवाइयों की समीक्षा कराएं। यदि ब्रेन फॉग लंबे समय तक बना रहे या आपके जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करे, तो डॉक्टर से सलाह अवश्य लें।

पोषक तत्वों से भरपूर है मखाना

इन दिनों लोग मोटापे की वपेट में तेजी से आ रहे हैं। ऐसे में इसे कम करने के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन एक बात जान लें अगर डाइट सही नहीं है तो आप कितनी भी कोशिश कर लें मोटापा कम नहीं होगा। अपनी डाइट में आप इस सूखे मेवे को शामिल कर मोटापे से छुटकारा पा सकते हैं। छोटे छोटे गोल आकार के मखाने में एंटीऑक्सीडेंट्स कैल्शियम फाइबर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन क्षमता को बेहतर बनाते हैं। इसमें एंटी एजिंग गुण मौजूद होते हैं जो आपकी स्किन की बेहतर देखभाल करते हैं। अगर आप इसका सेवन सुबह के समय करते हैं तो इसके फायदे कई गुना बढ़ जाते हैं। चलिए हम आपको बताते हैं सुबह के समय इसका सेवन करने से आप सेहत को क्या फायदे होंगे।

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो सुबह के समय एक मुट्ठी मखाना रोजाना खाएं। सुबह इसका सेवन करने से यह आसानी से पच जाता है। ऐसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है और फूड की क्रेविंग भी कम होती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। मखाना देसी घी में भूनकर नमक और काली मिर्च मिलाकर नमकीन की तरह खा सकते हैं और अगर आपको दूध पसंद है तो आप इसे दूध में उबालकर भी पी सकते हैं।

इन परेशानियों में भी है कारगर :

फर्टिलिटी बढ़ाए : मखाना ड्राई फ्रूट होने के साथ साथ शारीरिक कमजोरी दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। ये केवल सेहत को नहीं सुधारता, इसे डाइट में शामिल किया जाए तो ये गर्भधारण की समस्या से जूझ रहे लोगों की मदद करता है।

शुगर करे कंट्रोल : कई पौष्टिक तत्वों से भरपूर होने के कारण ये डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है, इसके लगातार सेवन से शुगर कंट्रोल होता है।

स्किन के लिए फायदेमंद : मखाना यूकि एंटी ऑक्सिडेंट से भरपूर होता है इसलिए अगर आप रोज सुबह खाली पेट चार पांच मखा खा लेंगे तो आपके चेहरे पर उम्र के निशान कम होते जाएंगे और स्किन जवां होगी।

हड्डियां बनाएं मजबूत : मखाना किडनी के लिए बहुत ही अच्छा होता है। इसमें कैलोरी नाममात्र की होती है और कैल्शियम भरपूर होता है। इसलिए इस हड्डियों की मजबूती के लिए भी अच्छा डाइट माना जाता है।

सर्दियों में हीटर के अधिक उपयोग से हो सकते हैं गंभीर स्वास्थ्य खतरे, कैसे करें बचाव

सर्दियों में रूम हीटर का इस्तेमाल एक आम जरूरत बन जाती है। गिरते तापमान के बीच, लोग अपने कमरे को गर्म और आरामदायक बनाने के लिए रूम हीटर का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या यह पूरी तरह से सुरक्षित है? रूम हीटर के फायदे के साथ-साथ इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं, जो आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं।

ऑयल-फिल्ड रेडिएटर

इनमें से हर एक प्रकार का अपना विशेष उद्देश्य और फायदे-नुकसान होते हैं। हालांकि, लगातार रूम हीटर का उपयोग करना आपकी सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है।

त्वचा को नुकसान

रूम हीटर या ब्लोअर के सामने लंबे समय तक बैठने से त्वचा पर बुरा असर पड़ सकता है। हीटर के कारण त्वचा की नमी खत्म हो जाती है, जिससे खुजली, रैशेज और फफोले हो सकते हैं। यह स्कैल्प को ड्राई कर देता है और बाल झड़ने की समस्या पैदा कर सकता है। चेहरे और शरीर की त्वचा पर अधिक समय तक गर्म हवा लगने से एलर्जी हो सकती है।

नेजल पैसेज का सूखना

रूम हीटर के लगातार उपयोग से नाक के अंदरूनी हिस्से (नेजल पैसेज) सूखने लगते हैं। सूखापन बढ़ने पर नाक से खून आने की समस्या हो सकती है। नाक के ऊपरी हिस्से में दर्द और जलन महसूस होने लगती है। यह समस्या उन लोगों में अधिक होती है जो पहले से साइनस या नाक से संबंधित किसी बीमारी से जूझ रहे हैं।

ब्रेन को नुकसान और इंटरनल ब्लीडिंग का खतरा

रूम हीटर का अत्यधिक उपयोग दिमाग के लिए भी खतरनाक हो सकता है। रूम में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे ब्रेन को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। लंबे समय तक हीटर चलने से कमरे में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर बढ़ सकता है, जो घातक हो सकता है। यह ब्रेन में इंटरनल ब्लीडिंग और यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकता है।

कमरे को वेंटिलेटेड रखें

रूम हीटर का इस्तेमाल करते समय यह सुनिश्चित करें कि कमरे में हवा का आवागमन बना रहे। खिड़कियों और दरवाजों को पूरी तरह से बंद न करें। आप खिड़कियों को हल्का सा खोल सकते हैं या कमरे में थोड़ी जगह छोड़ सकते हैं, ताकि ऑक्सीजन का स्तर घटने न पाए। वेंटिलेशन कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों को बाहर निकालने में मदद करता है। बंद कमरे में हीटर का लंबे समय तक उपयोग करने से दम घुटने, चक्कर आने और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है। इसलिए कमरे को वेंटिलेटेड रखना बेहद जरूरी है।

हीटर को लंबे समय तक न चलाएं

हीटर का उपयोग सीमित समय के लिए करें और इसे लगातार लंबे समय तक चालू न रखें। अगर आप रात के समय इसका उपयोग कर रहे हैं, तो इसे रातभर चलाकर सोने से बचें। इससे हवा में ऑक्सीजन और नमी का स्तर कम हो सकता है, जिससे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, लंबे समय तक चलने से हीटर ओवरहीट हो सकता है, जिससे आग लगने का खतरा होता है। कमरे को गर्म करने के बाद हीटर को बंद कर दें और गर्मी बनाए रखने के लिए कंबल या गद्दे का उपयोग करें।

ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें

हीटर के कारण हवा में नमी की कमी हो जाती है, जिससे त्वचा, नाक और गले में सूखापन महसूस हो सकता है। इसका प्रभाव कम करने के लिए ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें। यह कमरे में नमी बनाए रखता है और वातावरण को स्वस्थ बनाता है। अगर आपके पास ह्यूमिडिफायर नहीं है, तो आप एक कटोरे में पानी भरकर कमरे में रख सकते हैं, जिससे प्राकृतिक रूप से नमी बनी रहेगी। इसके अलावा, घर के अंदर छोटे पौधे रखें क्योंकि वे भी नमी बनाए रखने में मदद करते हैं।

त्वचा और बालों की देखभाल करें

हीटर के अधिक उपयोग से त्वचा और बाल सूखने लगते हैं। इससे बचने के लिए त्वचा की उचित देखभाल करें। नहाने के बाद मॉइस्चराइजर का उपयोग करें ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे। होंठों के लिए लिप बाम का उपयोग करें ताकि वे फटने से बच सकें। बालों की देखभाल के लिए नियमित रूप से तेल मालिश करें और हाइड्रेटेड शैम्पू का इस्तेमाल करें। इसके साथ ही, दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर अंदर से हाइड्रेटेड रहे और त्वचा तथा बालों पर हीटर का प्रभाव कम हो सके।

सुरक्षा मानकों का ध्यान रखें

हीटर का उपयोग करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसे ऐसी जगह पर रखें, जहां से इसके गिरने या ओवरहीट होने का खतरा न हो। हीटर को पलेमेबल वस्तुओं, जैसे पर्दे, कपड़े या फर्नीचर से दूर रखें। कभी भी हीटर को अकेला चालू न छोड़ें और बच्चों या पालतू जानवरों को इसके पास न जाने दें। इन सावधानियों से आप न केवल सुरक्षित रहेंगे बल्कि सर्दियों में हीटर का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य और जीवन दोनों की रक्षा कर पाएंगे।

रूम हीटर के फायदे

कमरे को तुरंत गर्म करता है और ठंड से राहत दिलाता है। छोटे और बंद जगहों में ज्यादा प्रभावी होता है। सर्दियों में बच्चों और बुजुर्गों के लिए आरामदायक माहौल बनाने में मददगार। रूम हीटर का सही और सीमित उपयोग ठंड से बचने के लिए फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, इसका अत्यधिक और असावधान उपयोग स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है। बेहतर है कि आप रूम हीटर का उपयोग करते समय आवश्यक सावधानियों को अपनाएं और अपनी सेहत का ख्याल रखें।

कैंसर के इलाज का बोझ होगा थोड़ा कम, जानलेवा बीमारी से लड़ने वाली ये तीन दवाइयां हुई सस्ती

भारत में कैंसर के मामले के बढ़ने के साथ-साथ दवाइयों की मांग भी काफी बढ़ गई है। कैंसर मरीजों को कम दामों पर दवाएं मिलती रहें इसके लिए सरकार समय समय पर कुछ दवाओं की कीमतों को कम कर रही है। इसी कड़ी में तीन कैंसर रोधी दवाओं - ट्रैस्टुजुमैब डेरक्सटेकन, ओसिमर्टिनिब और दुरवालुमैब दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम करना का फैसला लिया गया है।

जीएसटी दरों को किया कम

केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने ए लोकसभा को बताया कि सरकार ने इन तीन दवाओं/फॉर्मूलेशन पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) को शून्य करने के अलावा इन कैंसर रोधी दवाओं पर जीएसटी दरों को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की अधिसूचना जारी की थी। निर्माताओं ने इन दवाओं पर एमआरपी कम कर दी है और राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के पास सूचना दाखिल की है।

एनपीपीए ने जारी किए निर्देश

एनपीपीए ने एक ज्ञापन जारी कर कंपनियों को जीएसटी दरों में कमी और सीमा शुल्क से छूट के कारण इन दवाओं पर एमआरपी कम करने का निर्देश दिया था, ताकि उपभोक्ताओं को कम करों और शुल्कों का लाभ दिया जा सके और कीमतों में बदलाव के बारे में जानकारी दी जा सके। उदाहरण के लिए, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड ने कई फॉर्मूलेशन पर प्रति शीशी एमआरपी कम कर दी है।

भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं कैंसर के मामले

केंद्रीय बजट में, सरकार ने कैंसर से पीड़ित लोगों के वित्तीय बोझ को कम करने और पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए तीन कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क में छूट दी। सरकार ने इन तीन कैंसर दवाओं पर जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया। जबकि ट्रैस्टुजुमाब डेरक्सटेकन का उपयोग स्तन कैंसर के लिए किया जाता है, ओसिमर्टिनिब का उपयोग फेफड़ों के कैंसर के लिए किया जाता है; और दुरवालुमाब का उपयोग फेफड़ों के कैंसर और पित्त नली के कैंसर दोनों के लिए किया जाता । भारत में कैंसर के मामले काफी बढ़ रहे हैं। हाल ही में लैंसेट के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 2019 में लगभग 12 लाख नए कैंसर के मामले और 9.3 लाख मौतें दर्ज की गई - जो एशिया में बीमारी के बोझ में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

न्यू लैंग्वेज सीखने की रखते हैं चाहत तो फॉलो करें ये अमेजिंग टिप्स

किसी दूसरी भाषा को सीखना इतना आसान नहीं होता है। लेकिन प्रोफेशनल ग्रोथ के चलते कुछ लोगों दूसरी लैंग्वेज सीते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी पसंद से दूसरी लैंग्वेज सीखते हैं। ऐसे में अगर आप भी न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं तो यह टिप्स आपके बहुत काम आएंगे। किसी दूसरी भाषा को सीखना इतना आसान नहीं होता है। लेकिन प्रोफेशनल ग्रोथ के चलते कुछ लोगों दूसरी लैंग्वेज सीखते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी पसंद से दूसरी लैंग्वेज सीखते हैं। ऐसे में अगर आपके साथ भी इन दोनों में से कोई स्थिति है और आप न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ कुछ आसान टिप्स शेयर करने जा रहे हैं। इन टिप्स को फॉलो कर आप आसानी से दूसरी लैंग्वेज सीख सकते हैं।

न्यू लैंग्वेज सीखने के आसान टिप्स

अगर आप भी न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपका टारगेट बिल्कुल क्लीयर होना चाहिए। आपको यह पता होना चाहिए कि आप दूसरी लैंग्वेज क्यों सीखना चाहते हैं। जैसे अगर बिजनेस को एक्सपेंड करना चाहते हैं, तो आपको लोकल वेंडर से कम्युनिकेट करना होगा। इसके अलावा अगर आपको संबंधित लैंग्वेज के साहित्य में इंट्रेस्ट है, जिस कारण आप न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं। इसलिए न्यू लैंग्वेज सीखने से पहले आपका उद्देश्य क्लियर होना चाहिए। जब आपका उद्देश्य क्लियर होता है, तो फिर आप न्यू लैंग्वेज सीखने की कोशिश करें। आप जो लैंग्वेज सीखना चाहते हैं, उस भाषा से रिलेडेट ड्रामा, सॉन्ग, मूवी और बुक्स पढ़ सकते हैं। किसी भी न्यू लैंग्वेज को सीखने के लिए यह सबसे असरदार टिप्स होते हैं। आप नई भाषा सीखने के लिए अपने चारों ओर वैसा ही माहौल बना लें। इससे आप न्यू लैंग्वेज जल्द से जल्द सीख सकेंगे। नई भाषा सीखने के लिए आप क्लासेस भी ज्वॉइन कर सकते हैं। क्लासेस करने के लिए आप अच्छे से रिसर्च करने के बाद ऑनलाइन व ऑफलाइन का ऑप्शन चुनें। इसके लिए आप एप की मदद भी ले सकते हैं। किसी भी भाषा को सीखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि आप इसे बोलने की ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करें। इसलिए प्रयास करें कि आप जो भी भाषा सीख रहे हैं। उससे संबंधित पार्टनर ढूंढकर उससे बातचीत करें।

न्यू लैंग्वेज सीखने के लिए आपकी वोकेब और ग्रामर अच्छी हो। नए शब्दों को जानने के लिए ज्यादा से ज्यादा उस लैंग्वेज की किताबों को पढ़ें। इससे आपकी न्यू लैंग्वेज को सीखने में काफी मदद मिलेगी।

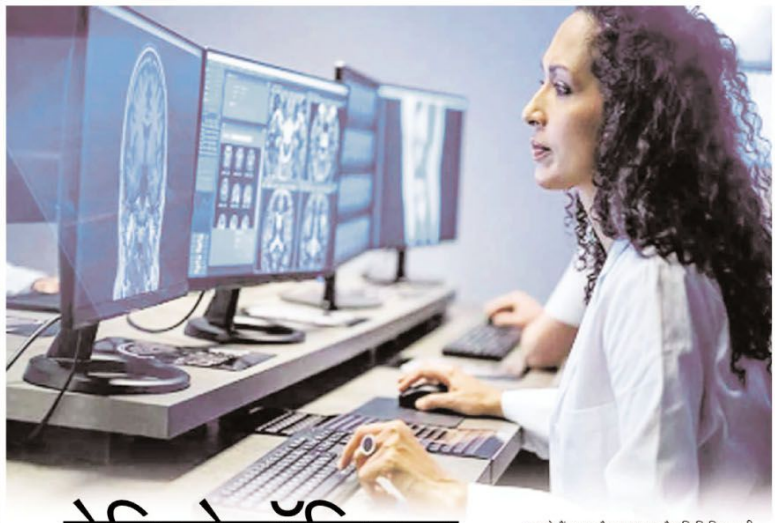

रेडियोलॉजिस्ट के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

मेडिकल फील्ड में जाने के इच्छुक छात्र रेडियोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। मेडिकल की फील्ड में यह एक आकर्षक कोर्स है। इस फील्ड में भविष्य में काफी ज्यादा ग्रोथ है। 12वीं करने के बाद आप यूजी कोर्सेज के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

मेडिकल फील्ड में जाने के इच्छुक छात्र रेडियोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। मेडिकल की फील्ड में यह एक आकर्षक कोर्स है। इसमें रेडियोग्राफर एक्सरे की मदद से मरीज की रेडियोग्राफी रिपोर्ट तैयार की जाती है। इससे मरीज की बीमारी का सटीक पता लगाया जाता है। बता दें कि एक रेडियोग्राफर रेडियोग्राफी रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक्स-रे के अलावा सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और एमआरआई की भी स्टडी करता है। ऐसे में अगर आप भी इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस फील्ड के बारे में सारी जानकारी देने जा रहे हैं।

रेडियोलॉजी का क्षेत्र

आपको बता दें कि रेडियोलॉजी को दो भागों में बांटा जाता है। एक का नाम डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी और दूसरे का नाम इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी है। डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी में एक्सरे और अन्य इमेजिंग तकनीक की सहायता से बीमारी और चोट का पता लगाया जाता है। तो वहीं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में हेल्थ एक्सपर्ट इमेजिंग की व्याख्या कर कुछ हद तक सर्जिकल प्रोसीजर के काम को भी करता है।

संभावना

रेडियोलॉजी टेक्नॉलजिस्ट को कोर्स कर आप अपने कॅरियर को नई उड़ान दे सकते हैं। इस फील्ड में भविष्य में काफी ग्रोथ है। अस्पतालों, क्लिनिकों और फिजिशियनों के ऑफिस में ट्रेंड व पेशेवर रेडियोलॉजी की मांग बढ़ती जा रही है। इस फील्ड में संबंधित कोर्स पूरा करने के बाद आप रेडियोलॉजी टेक्निशियन, अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन/ डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफर, रेडियोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजी टेक्नॉलजिस्ट/ रेडियोग्राफर, एमआरआई टेक्निशियन, सीटी टेक/सीटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट/ सीटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट बन सकते हैं।

कोर्स

इस फील्ड में बैचलर कोर्स, मास्टर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और सर्टिफिकेशन कोर्स का आप्शन मौजूद है। 12वीं करने के बाद आप यूजी कोर्सेज के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

- सर्टिफिकेट इन रेडियोग्राफी डायग्नोस्टिक
- सर्टिफिकेट इन रेडियोलॉजी असिस्टेंट
- सर्टिफिकेट इन रेडियोग्राफी

डिप्लोमा कोर्सेज

- डिप्लोमा इन रेडियोग्राफी एंड रेडियोथेरापी
- डिप्लोमा इन रेडियो-डायगनोस्टिक टेक्नॉलजी

बैचलर कोर्स

- रेडियोग्राफी में बीएससी
- मेडिकल रेडियोथेरापी टेक्नॉलजी में बीएससी (ऑनर्स)

मास्टर कोर्स

- एक्स-रे रेडियोग्राफी और अल्ट्रा सोनोग्राफी में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा
- रेडियो डायग्नोसिस और इमेजिंग साइंसेज में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा
- रेडियोथेरापी टेक्नॉलजी में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा

कैसे बनें रेडियोलॉजिस्ट

बैचलर डिग्री पूरी करने के साथ रेडियोलॉजिस्ट का कॅरियर शुरू होता है। मेडिकल कॉलेज में ग्रेजुएशन का कोर्स करने के बाद आपको एमओ या डीओ में डिग्री दी जाती है। इसके बाद आप मेडिकल लाइसेंस के रूप में भी आवेदन कर सकते हैं। इस दौरान आप बतौर फिजिशियन भी प्रैक्टिस कर सकते हैं। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए फिजिशियन को चार साल का रेडियोलॉजी रेजिडेंसी कोर्स पूरा करना पड़ता है। रेडियोलॉजिस्ट के लिए स्टेट लाइसेंस भी काफी अहम होता है। इसमें आपको दो भाग में परीक्षा देनी होती है, उस एग्जाम को पास करने के बाद आपको लाइसेंस दिया जाता है। इस कोर्स में दो एग्जाम में शरीर की रचना, मेडिसिन, इमेजिंग से संबंधित तकनीक और फिजिक्स आदि को कवर किया जाता है।

जॉब प्रोफाइल

- अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन/डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफर
- सीटी टेक/ सीएटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट/सीटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट
- अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन/डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफर
- रेडियोलॉजी टेक्नॉलजिस्ट/रेडियोग्राफर
- एमआरआई टेक्निशियन
- रेडियोलॉजी टेक्निशियन
- रेडियोलॉजी असिस्टेंट
- रेडियोलॉजी नर्स
- रेडियोलॉजिस्ट

इस फील्ड में आपके सामने कई ऑप्शन होते हैं। इन कोर्सेज को करने के बाद आप कई विभिन्न प्रोफाइल पर काम कर अपने कॅरियर को एक नई दिशा दे सकते हैं। आप बतौर रेडियोलॉजिस्ट प्राइवेट अस्पताल, सरकारी अस्पताल, पब्लिक हेल्थ सेंटर, नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक लैब में काम कर सकते हैं।

सैलरी

आपको बता दें कि जॉब प्रोफाइल के हिसाब से हर रेडियोलॉजिस्ट को सैलरी मिलती है। वहीं अनुभव के साथ सैलरी में इंक्रीमेंट होता रहता है। अगर ग्लोबल लेवल पर बात करें तो बतौर रेडियोलॉजिस्ट आप 70 हजार डॉलर तक भी सैलरी उठा सकते हैं। वहीं भारत में रेडियोलॉजिस्ट को 5 लाख से भी ज्यादा का सालाना पैकेज मिलता है।

रेडियोलॉजी कोर्स कराने वाले कॉलेज

- ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रैजुएट मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च, पुडुचेरी
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- क्रिस्चन मेडिकल कॉलेज, वेल्लुरु
- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली

कैट एग्जाम क्रैक करने के लिए अपनाएं ये रणनीति

देश के प्रतिष्ठित एमबीए इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन लेने के लिए आयोजित होने वाली कैट एग्जाम्स में हर साल बड़ी संख्या में छात्र बैठते हैं। यह एमबीए कोर्स में एडमिशन पाने के लिए सबसे कठिन परीक्षा मानी जाती है। ऐसे में इस एग्जाम को क्रैक करने के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होती है।

जल्दी करें शुरुआत

अगर आप भी पहली बार में इस एग्जाम को क्रैक करना चाहते हैं, तो जल्द ही तैयारी शुरू कर दें। क्योंकि तैयारी के लिए एक साल का समय कम से कम चाहिए होगा। इस दौरान आप अपना पूरा सिलेबस और टॉपिक भी अच्छे से कवर कर लेंगे। ऐसे में तैयारी का पहला स्टेप जल्दी तैयारी करना है और दूसरा स्टेप समय से टाइम टेबल तैयार करना है।

सिलेबस और टाइम टेबल

ऐसे में सिलेबस को पहले देख लें और उसके अनुसार अपना टाइम टेबल बनाकर तैयार करें। कौन से एरिया में आपको कितना समय लगता है और कौन सा एरिया आप आसानी से तैयार कर सकती हैं। इस हिसाब से आप अपनी पढ़ाई का पूरा टाइम टेबल सेट कर लें। साथ ही आपको यह भी पता होना चाहिए कि सिलेबस को कब तक खत्म करना है। कितने दिन प्रैक्टिस करनी है और कब रिवीजन होगा। ऐसे इन सारी चीजों का खाका पहले से तैयार कर लें।

स्टडी मैटीरियल

कैंडिडेट्स को सिलेबस देखने के बाद अपने लिए रिसर्च करें। सिलेबस चुनकर स्टडी मैटिरियल एकत्र करें। हांलाकि इसमें कंप्यूजन ना हो और कंप्यूजन होने पर किसी सीनियर या फिर अपने किसी टीचर से उस कंप्यूजन को दूर करें। बहुत सारा सिलेबस देखकर आप परेशान हो सकते हैं, इसलिए सिर्फ कुछ चुनिंदा नोट्स, टेस्ट पेपर और किताबें आदि रखें और उन्हीं से तैयारी करें।

प्रैक्टिस है जरूरी

कैट एग्जाम को क्रैक करने के लिए सबसे जरूरी स्टेप तैयारी के साथ-साथ प्रैक्टिस टेस्ट सॉल्व करते रहना चाहिए। इस तरह से आप जान पाएंगे कि आपने कितनी तैयारी कर ली है। पिछले सालों के क्वेश्चन पेपर से भी तैयारी करें। इसके अलावा डिस्टेन, प्लानिंग, सही स्टडी मैटीरियल, टाइम-टेबल और प्रैक्टिस का खास ध्यान रखें। इस स्टेप्स को फॉलो कर आप कैट एग्जाम में सफलता पा सकते हैं।

मौसम विभाग में बनाएं अपना कॅरियर

वायुमण्डल के वैज्ञानिक अध्ययन को मौसम विज्ञान कहा जाता है। हवा, आंधी-तूफान, धुंध-कोहरे और बिजली में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्र इस फील्ड में अपना कॅरियर बना सकते हैं। मीटिअरोलॉजी में आपको कॅरियर के बेहतरीन अवसर मिलेंगे।

दुनिया में हर दिन बदलते मौसम को लेकर सभी देश चिंतित हैं। क्योंकि प्राकृतिक घटनाओं पर हमारा नियंत्रण नहीं है। हालांकि मौसम वैज्ञानिक आने वाले प्राकृतिक खतरे को भांप लेते हैं। मौसम वैज्ञानिक के पूर्वानुमान से लोगों की जिंदगी को बचाया जा सकता है, या फिर इस परेशानी को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में अगर आप स्टूडेंट है तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप मौसम वैज्ञानिक कैसे बन सकते हैं और इसमें कितने प्रकार का कोर्स होता है।

क्या है मौसम विज्ञान

मौसम या वातावरण के वैज्ञानिक अध्ययन को मौसम विज्ञान कहा जाता है। यह मौसम की क्रिया-प्रतिक्रिया, पूर्वानुमान पर आधारित होता है। इसके तहत कई विषयों पर शोध व अध्ययन किया जाता है।

एग्रीकल्चर मीटियोरोलॉजी

फसलों की पैदावार और उससे होने वाले फायदे व नुकसान का आंकलन मौसम के अनुरूप दी जाती है। मौसम के हिसाब से गाइडलाइन जारी की जाती है। जिसमें मिट्टी प्रबंधन के लिए उपयोगी समय और फसलों की पैदावार का आंकलन किया जाता है।

सैटेलाइट मेटियोरोलॉजी

सैटेलाइट मेटियोरोलॉजी में सैटेलाइट के माध्यम रिमोट सेंसिंग उपकरणों से आने वाले डाटा के आधार पर महासागर और वायुमंडल का अध्ययन किया जाता है।

फिजिकल मेटियोरोलॉजी

इसमें मौसम के इलेक्ट्रिकल, ध्वनिक, ऑप्टिकल और थर्मोडायनामिक घटनाओं का अध्ययन किया जाता है।

डाइनामिक मेटियोरोलॉजी

इस विषय में पृथ्वी और उसके आसपास वायु की गति का अध्ययन होता है। इसके साथ ही बादल, बारिश, तापमान और हवा के पैटर्न पर भी अध्ययन होता है। जो मनुष्य को प्रभावित करती है।

सिनॉप्टिक मेटियोरोलॉजी

इस विषय में मौसम संबंधी बाधाओं जैसे ट्रापिकल साइक्लोन, एंटी साइक्लोन और फ्रंटल डिप्रेशन का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। कम दबाव के क्षेत्र में वायु, चक्रवात, क्षेत्र, जल और दबाव स्तर से एकत्र होने वाला मैप जो कि पूरी दुनिया के मौसम का सिनाप्टिक ब्यू को बताता है।

क्लाइमेटोलॉजी

क्लाइमेटोलॉजी के जरिए जलवायु और उससे जुड़ी चीजों का अध्ययन किया जाता है। जलवायु के प्रभाव और उसके बदलवा पर भी शोध किया जाता है।

एविएशन मेटियोरोलॉजी

एविएशन मेटियोरोलॉजी पर एविएशन इंडस्ट्री के नजरिए से मौसम का शोध होता है। वहीं प्राप्त आंकड़े से पूर्वानुमान लगाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फिर पोलियो रोधी टीम पर हमला, कर्मियों की सुरक्षा में तैनात 3 पुलिस अधिकारियों की बम धमाके में मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान में पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात तीन पुलिस अधिकारियों की बम धमाके में मौत पेशावर, 18 दिसंबर (एपी) उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में मंगलवार को पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारियों को ले जा रहे एक वाहन के सड़क किनारे पड़े बम की चपेट में आने से तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस अधिकारी नासिर खान ने बताया कि यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में हुआ। वाहन सवार पुलिस अधिकारी अपने थाने की ओर लौट रहे थे। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे एक दिन पहले ही खैबर पख्तूनख्वा के कराक शहर में पोलियो कार्यकर्ताओं की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों पर अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा एक कर्मचारी घायल हो गया था। पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही इस साल का अंतिम राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान शुरू किया है और इस अभियान का मकसद साढे चार करोड़ बच्चों को पोलियो से बचाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पाकिस्तान और पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान ही ऐसे दो देश हैं जो पोलियो मुक्त नहीं हो पाए हैं। पाकिस्तान में जनवरी से अब तक पोलियो के 63 मामले सामने आए हैं। यह पोलियो उन्मूलन अभियान 22 दिसंबर तक जारी रहेगा।

न्यू जर्सी में दिखे ड्रोन से कोई खतरा नहीं, पेंटागन की सफाई

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी में ड्रोन देखे जाने के बाद अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने किसी भी सुरक्षा खतरे से इन्कार किया है। पेंटागन के प्रवक्ता ने कहा कि इससे राष्ट्र की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। कोई भी ड्रोन अमेरिका का नहीं है। हाल ही में न्यू जर्सी और पूर्वी तट के कुछ भागों में ड्रोन देखे गए हैं। इसे लेकर पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने कहा कि न्यू जर्सी में उड़ रहे ड्रोन रक्षा विभाग के नहीं हैं। वे व्यावसायिक ड्रोन हैं। यह मनोरंजन और शौकिया तौर पर उड़ाए जा रहे हैं। इनके किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा से खिलवाड़ मामलों में लिप्त होने की संभावना नहीं है। अगर इनसे कोई खतरा पैदा होगा तो उचित कार्रवाई की जाएगी। जब तक ड्रोन प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं करते हैं, तब तक कोई नुकसान नहीं है।

इजरायली सेना निकट भविष्य में सीरिया के बफर जोन पर कब्जा बनाए रखेगी : नेतन्याहू

गाजा, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि इजराइली सेना सीरियाई सीमा पर 'बफर जोन' में और विशेष रूप से माउंट हरमोन की चोटी पर रहेगी ''जब तक कोई अन्य व्यवस्था नहीं हो जाती।'' नेतन्याहू ने कहा कि वह 53 वर्ष पहले एक सैनिक के रूप में माउंट हरमोन की चोटी पर गए थे, लेकिन हाल की घटनाओं को देखते हुए इजराइल की सुरक्षा के लिए इस चोटी का महत्व और बढ़ गया है। पहली बार इजराइल के प्रधानमंत्री ने सीरियाई क्षेत्र में प्रवेश किया। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद को विद्रोहियों द्वारा अपदस्थ किये जाने के कुछ दिनों बाद इजराइल ने इजराइल द्वारा कब्जा किये गये बफर जोन 'गोलान हाइट्स' की सीमा से लगे दक्षिणी सीरिया के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया।नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज के साथ बफर जोन का दौरा किया। कैट्ज ने कहा कि उन्होंने इजराइली सेना को शीघ्र ही वहां टुकड़ियां तैनात करने का निर्देश दिया है, क्योंकि इस क्षेत्र में उनकी लंबे समय तक मौजूदगी हो सकती है।

रूस ने कैंसर की वैक्सीन बनाई

पुतिन सरकार ने कहा- 2025 से मुफ्त लगाएंगे; यह सदी की सबसे बड़ी खोज

मॉस्को, एजेंसी।
रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हमने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। इसकी जानकारी रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने रेडियो पर दी। रूसी न्यूज एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, इस वैक्सीन को अगले साल से रूस के नागरिकों को फ्री में लगाया जाएगा। डायरेक्टर आंद्रेई ने बताया कि रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी मैसेंजर-आरएनए वैक्सीन विकसित कर ली है। रूस की इस खोज को सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल से पता चला है कि इससे ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद मिलती है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि रूस कैंसर की वैक्सीन बनाने के बेहद करीब है।

क्या होती है मैसेंजर-आरएनए वैक्सीन: मैसेंजर-आरएनए इंसानों के जेनेटिक कोड का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हमारी सेल्स (कोशिकाओं) में प्रोटीन बनाती है। इसे आसान भाषा में ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब हमारे शरीर पर कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है तो टेक्नोलॉजी हमारी सेल्स को उस वायरस या बैक्टीरिया से लड़ने के लिए प्रोटीन बनाने का मैसेज भेजती है।

इससे हमारे इम्यून सिस्टम को जो जरूरी प्रोटीन चाहिए, वो मिल जाता है और हमारे शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे कन्वेंशनल वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा जल्दी वैक्सीन बन सकती है। इसके साथ ही इससे शरीर की इम्युनिटी भी मजबूत होती है। टेक्नोलॉजी पर आधारित यह कैंसर की वैक्सीन पहली वैक्सीन है।

भारत में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को कैंसर: भारत में 2022 में कैंसर के 14.13 लाख नए केस सामने आए थे। इनमें 7.22 लाख महिलाओं में, जबकि 6.91 लाख पुरुषों में कैंसर पाया गया। 2022 में 9.16 लाख मरीजों की कैंसर से मौत हुई।

5 साल में भारत में 12फ़िसदी की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे: इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) का आकलन है कि 5 साल में देश में 12 फ़िसदी की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती कम उम्र में कैंसर का शिकार होने की है।

वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में 7.4 तीव्रता का भूकंप आने से भारी नुकसान

सिडनी, एजेंसी। दक्षिण प्रशांत महासागरीय देश वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में मंगलवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे राजनयिक मिशन सहित कुछ इमारतों को काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला से 30 किलोमीटर पश्चिम में स्थानीय समयानुसार 12 : 47 बजे आया, जिसकी गहराई 43 किलोमीटर थी।

ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) के हवाले से बताया कि वानुअतु में आए भूकंप के बाद पोर्ट विला के एक अस्पताल में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और सामूहिक नुकसान की संख्या के लिए आपातकालीन व्यवस्था की गई। गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने बताया, संचार व्यवस्था बाधित होने, फोन लाइन्स और सरकारी वेबसाइट्स के बंद होने के कारण नुकसान की सीमा के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई, लेकिन भूकंप के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर व्यापक विनाश की खबरें सामने आने लगी।

फिजी में रेड क्रॉस के प्रवक्ता ने बताया कि जमीन पर मौजूद कर्मचारी काफी नुकसान की रिपोर्ट कर रहे हैं। वानुअतु प्रसारण और टेलीविजन निगम के कई फुटेज में विला सेंट्रल अस्पताल के बाहर भीड़ दिखाई दे रही है, जो घायल लोगों को स्ट्रेचर पर उठा रही है। गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने पोर्ट विला में रहने वाले पत्रकार डैन मैकगैरी के हवाले से कहा कि उन्होंने अस्पताल के बाहर तीन लोगों को स्पष्ट रूप से संकट में देखा। मैकगैरी ने कहा, यह मेरे द्वारा वानुअतु और प्रशांत द्वीप समूह में रहने के दौरान 21 वर्षों में अनुभव किया गया सबसे भयंकर भूकंप था। मैंने बहुत सारे बड़े भूकंप देखे हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा। एबीसी ने बताया कि भूकंप में ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और न्यूजीलैंड के दूतावास भवन क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि न्यूजीलैंड के उच्चायोग भवन, जो अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटिश मिशनों के साथ स्थित हैं, उसे काफी नुकसान पहुंचा है।

आरोपी पर हत्या और आतंकवाद जैसे आरोप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। मैनहट्टन के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एलविन ब्राग ने कहा कि यह डरावनी, सुनियोजित हत्या थी। उन्होंने कहा कि यह हत्या शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, इससे स्थानीय लोगों, पर्यटकों, व्यापारियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हुआ है। यही वजह है कि आरोपी के खिलाफ आतंकवाद के भी आरोप लगाए गए हैं। 26 वर्षीय आरोपी मैंगियोन को अगर हत्या का दोषी पाया जाता है तो उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है। बीती 4 दिसंबर को न्यूयॉर्क के मिडटाउन मेन होटल के बाहर यूनाइटेड हेल्थकेयर के बाहर ब्रायन थॉम्पसन (50 साल) की पीठ में एक नकाबपोश शख्स ने गोली मार दी। यूनाइटेड हेल्थकेयर अमेरिका की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी है। पुलिस ने हादसे के 5 दिन बाद आरोपी लुइजी मैंगियोन को पकड़ लिया।

मणिपुर हिंसा में स्टारलिंक विवाद पर एलन मस्क ने तोड़ी चुप्पी, बोले-भारत में स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध ही नहीं

वाशिंगटन एजेंसी। स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने कहा है कि भारत में फिलहाल स्टारलिंक सैटेलाइट बीम्स असक्रिय हैं। यह बयान तब आया जब मणिपुर में हिंसा प्रभावित इलाकों में स्टारलिंक डिवाइस के कथित उपयोग का दावा किया गया था।

16 दिसंबर को मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले के केइराओ खुन्नौ में सुरक्षा बलों ने छापेमारी के दौरान इंटरनेट डिवाइस, हथियार और गोला-बारूद जब्त किए। भारतीय सेना की स्पीयर कोर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जब्त सामान की तस्वीरें साझा कीं। इनमें एक डिवाइस पर स्टारलिंक का लोगो नजर आया, जिसने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। सुरक्षा बलों ने बयान में कहा, विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर के चुराचांदपुर, चंदेल, इंफाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों में संयुक्त अभियान चलाया। इसमें 29 हथियार, स्नाइपर, स्वचालित बंदूकें, राइफल, पिस्तौल, ग्रेनेड और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई।

एक सोशल मीडिया यूजर ने तस्वीरें देखते हुए लिखा, स्टारलिंक डिवाइस आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल हो रही हैं। उम्मीद है कि एलन मस्क इसका समाधान करेंगे। इस पर मस्क ने प्रतिक्रिया देते हुए साफ कहा, यह गलत है। भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट बीम्स बंद हैं। एलन मस्क ने अपने बयान से यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में फिलहाल स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, मणिपुर में डिवाइस पाए जाने के दावों ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस शुरू कर दी है।

स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा को भारत में अभी तक सरकारी स्वीकृति नहीं मिली है। इसके बावजूद, कंपनी की तकनीक को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। सरकार ने स्टारलिंक से बिना अनुमति सेवाएं बेचने और एडवांस बुकिंग लेने पर रोक लगाई थी। सुरक्षा एजेंसियां अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं।

भारत-चीन रिश्तों में शुरू होगा नया अध्याय ! डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री के साथ अहम मुद्दों पर की चर्चा

बीजिंग, एजेंसी।
भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने तथा पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार वर्ष से अधिक समय से तल्ख रहे द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुधवार को यहां मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्ते में एक नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे डोभाल पांच साल के अंतराल के बाद हो रही विशेष प्रतिनिधियों की 23वें दौर की वार्ता में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे। पिछली बैठक 2019 में दिल्ली में हुई थी। वार्ता चीन के समयानुसार सुबह 10 बजे प्रारंभ हुई।

इस दौरान पूर्वी लद्दाख से सैनिकों की वापसी और गश्त को लेकर दोनों देशों के बीच 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। चीन ने इस महत्वपूर्ण वार्ता से पहले मंगलवार को कहा कि वह 24 अक्टूबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर रूस के कजान में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की बैठक के दौरान बनी आम सहमति के आधार पर प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने के लिए तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक संवाददाता सम्मेलन में विशेष प्रतिनिधि वार्ता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि चीन मतभेदों को सुलझाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी अहम आम सहमति को साकार करने, वार्ता और संचार के माध्यम से आपसी विश्वास एवं भरोसा बढ़ाने, अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने तथा द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ एवं सतत तरीके से आगे बढ़ाने के मकसद से भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि दोनों विशेष प्रतिनिधि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द को बनाए रखने पर चर्चा करेंगे और सीमा से जुड़े मुद्दे का निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशेंगे। मोदी और शी की इस बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष ने ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की थी। इसके बाद 'चीन-भारत सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक हुई। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ और उसी साल जून में गलवान घाटी में घातक झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। व्यापार को छोड़कर, दोनों देशों के बीच संबंध लगभग ठप हो गए।

अमेरिका में भारतीय किशोरी कैटलिन ने जीता मिस इंडिया यूएसए 2024 का खिताब

न्यूजर्सी एजेंसी।
न्यूजर्सी में आयोजित वार्षिक सौंदर्य प्रतियोगिता 'मिस इंडिया यूएसए 2024 चेन्नई में जन्मीं भारतीय अमेरिकी किशोरी कैटलिन सैंड्रा नील ने जीती है। कैटलिन (19) डेविस के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, '' मैं अपने समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ना चाहती हूं और महिला सशक्तीकरण तथा साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं। कैटलिन का जन्म चेन्नई में हुआ था और वह पिछले 14 वर्षों से अमेरिका में रह रही हैं। वह वेब डिज़ाइनर बनने के अलावा मॉडलिंग तथा एक्टिंग में भी अपना करियर बनाना चाहती हैं।

भारत महोत्सव समिति द्वारा मिस इंडिया यूएसए 202 आयोजित प्रतियोगिता में इलिनोइस की संस्कृति शर्मा को 'मिसेस इंडिया यूएसए 202 और वाशिंगटन की अर्शिता कठपालिया को 'मिस टीन इंडिया यूएसए का खिताब दिया गया। 'मिस इंडिया यूएसए 2023 रिजुल मैनी और 'मिसेज इंडिया यूएसए 2023 स्नेहा नांबियार ने क्रमशः कैटलिन सैंड्रा नील और संस्कृति शर्मा को ताज पहनाया। इलिनोइस की निराली देसिया और न्यूजर्सी की मानिनी पटेल को 'मिस इंडिया यूएसए प्रतियोगिता में प्रथम उपविजेता और द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि वर्जीनिया की सपना मिश्रा और कनेक्टिकट की चिन्मयी अयाचित को 'मिसेज इंडिया यूएसए प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय उप विजेता घोषित किया गया। रोड आइलैंड की धृति पटेल और सोनाली शर्मा को किशोर वर्ग में प्रथम और द्वितीय उप विजेता घोषित किया गया।

तोशाखाना मामले में इमरान और उनकी पत्नी की अंतरिम जमानत सात जनवरी तक बढ़ी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान की एक अदालत ने तोशाखाना से संबंधित दूसरे मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत सात जनवरी तक के लिए बढ़ा दी है। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान (72) अन्य मामलों के कारण सलाखों के पीछे ही रहेंगे, जबकि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अक्टूबर में बीबी की जमानत याचिका मंजूर किए जाने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था। इस्लामाबाद स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मोहम्मद अफजल मुजोका ने तोशाखाना से संबंधित दूसरे मामले में जमानत याचिकाओं की सुनवाई की। अदालत ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद खान और बीबी की अंतरिम जमानत अगले साल सात जनवरी तक बढ़ा दी और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। यह मामला खान के प्रधानमंत्री रहने के दौरान एक बहुमूल्य आभूषण सेट अपने पास रखने के लिए तोशाखाना (राज्य उपहार भंडार) के नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन करने से संबंधित है।

एक निचली अदालत ने पिछले सप्ताह की शुरुआत में इस मामले में इमरान और बीबी को दोषारोपित किया था, जहां विशेष न्यायाधीश (सेंट्रल) शाहरुख अर्जुमंद ने उनके खिलाफ आरोप पत्र पढ़ा था। तोशाखाना से संबंधित दूसरे मामले में पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी के खिलाफ मई 2021 में सऊदी अरब की यात्रा के दौरान उन्हें उपहार में मिले बुलगारी आभूषण सेट को अवैध रूप से अपने पास रखने का आरोप है। इस सेट में एक अंगूठी, एक कंगन, एक हार और एक जोड़ी बालियां शामिल थीं और इसकी कीमत लगभग 7.57 करोड़ पाकिस्तानी रुपए थी।

यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों के साथ मिलकर लड़ रहे करीब 200 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए

कीव एजेंसी।
यूक्रेन के विरूद्ध रूसी सैन्यबलों के साथ मिलकर लड़ रहे उत्तर कोरिया के करीब 200 सैनिक कुर्स्क सीमावर्ती क्षेत्र में इस युद्ध में मारे गए या घायल हुए हैं। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई सेना युद्ध में अनुभवी नहीं लगती, जिसके कारण उनके हताहत होने की संख्या में वृद्धि हुई है।

वह उत्तर कोरिया के हताहत सैन्यकर्मियों के बारे पहला महत्वपूर्ण अनुमान बता रहे थे। कई सप्ताह पहले यूक्रेन ने यह कहा था कि उत्तर कोरिया ने लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध में मदद के लिए रूस को 10,000 से 12,000 सैनिक भेजे हैं। 'व्हाइट हाउस और 'पेंटागन ने सोमवार को पुष्टि की कि उत्तर कोरियाई सेना मुख्य रूप से पैदल सेना के तौर पर अग्रिम मोर्चे पर लड़ रही है। वह रूसी इकाइयों के साथ और कुछ मामलों में कुर्स्क के आसपास स्वतंत्र रूप से लड़ रही है। हताहतों की संख्या का खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब बाइडन प्रशासन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार संभालने से पहले यूक्रेन को यथासंभव सैन्य सहायता भेजने पर जोर दे रहा है। लेकिन एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि रक्षा विभाग संभवतः 20 जनवरी से पहले यूक्रेन के लिए 5.6 अरब डॉलर के पेंटागन के हथियारों और उपकरणों के बाकी हिस्से को भेजने में सक्षम नहीं होगा, जब ट्रम्प शपथ लेंगे।

77 साल बाद पाकिस्तान से भारत लौटा 92 वर्षीय बुजुर्ग ! अपना गांव देख भर आई आंखें, बोले- यहां का पानी तो दूध से भी बेहतर

इस्लामाबाद एजेंसी।
भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के 77 साल बाद, 92 वर्षीय खुर्शीद अहमद ने अपने पुश्तैनी गांव मचरवां (गुरदासपुर) का दौरा किया। यह उनकी जिंदगी का एक भावुक और यादगार पल था, जो बचपन की यादों और गांव के बदलावों से भरपूर था। खुर्शीद अहमद मंगलवार को पाकिस्तान के नकाना साहिब जिले के बलेर गांव से भारत आए। जब वह मचरवां पहुंचे, तो उनकी आंखें भर आईं। उन्होंने कहा, पिंड ते बड़ी तरक्की कर गया है (गांव ने बहुत तरक्की कर ली है)। जब उनके मेज़बान गुरप्रीत सिंह ने पानी का गिलास पेश किया, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, एह पानी नहीं, एह तां दूध तो वधिया है (यह पानी नहीं, यह तो दूध से भी बेहतर है)। हालांकि उम्र के कारण खुर्शीद अहमद अब कमजोर हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने बचपन की यादों को बेहद स्पष्टता से साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे वह गांव के छप्पड़ (तालाब) में खेला करते थे और खेतों में मवेशी चराते थे। वह भावुक होकर अपनी पुरानी जिंदगी को याद करते हुए बोले, कल पिंड घूमना है सारा (कल पूरे गांव का चक्कर लगाऊंगा)। खुर्शीद अहमद का यह दौरा तब संभव हुआ, जब उनके मेज़बान गुरप्रीत के भाई करमजीत सिंह नम्बरदार ने ननकाना साहिब में तीर्थयात्रा के दौरान खुर्शीद से मुलाकात की। दोनों ने अपने साझा अतीत की यादें साझा कीं, जिससे खुर्शीद को अपने पुश्तैनी गांव लौटने की प्रेरणा मिली। उन्हें देखने और स्वागत करने के लिए इकट्ठा हो गए। सभी ने उन्हें माला पहनाई और सम्मान के साथ उनका स्वागत किया। खुर्शीद के लौटने पर उनकी खुशी देखते ही बनती थी। खुर्शीद अहमद अपने पोते के साथ भारत आए। उनके पोते ने भारत-पाकिस्तान अटारी सीमा पर उनसे मुलाकात की। फिलहाल वह 45 दिनों के वीजा पर भारत आए हैं, लेकिन उनकी सेहत को देखते हुए वह लगभग एक सप्ताह के भीतर पाकिस्तान लौट सकते हैं।

न्यूजीलैंड के वनडे और टी20 कप्तान बने मिचेल सैंटनर

वेलिंगटन, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर को न्यूजीलैंड के सीमित ओवर टीमों का कप्तान बनाया गया है। वह औपचारिक तौर पर केन विलियमसन की जगह लेंगे, जिन्होंने जून में हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही यह पद छोड़ दिया था। सैंटनर ने 243 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया है। अब वह वनडे और टी20 टीमों के स्थायी कप्तान के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इससे पहले वह 24 टी20 और 4 वनडे मैचों में टीम की कप्तानी कर चुके हैं।

सैंटनर पिछले महीने श्रीलंका गई न्यूजीलैंड की टी20 और वनडे टीमों के कप्तान बनाए गए थे, हालांकि यह नियुक्ति बस उस सीरीज के लिए थी। फिलहाल औपचारिक और आधिकारिक तौर पर उन्हें सीमित ओवर टीमों का कप्तान बना दिया गया है। 32 वर्षीय सैंटनर अपनी पूर्णकालिक कप्तानी की शुरुआत दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज से करेंगे। इन दोनों सीरीज के साथ न्यूजीलैंड के लिए सफेद बॉल क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम शुरू होगा, जिसमें फरवरी में पाकिस्तान में एक वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला, उसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड के घरेलू सीजन के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ एक टी20 और वनडे सीरीज शामिल है। सैंटनर ने कहा कि उन्हें व्हाइट बॉल टीमों की पूर्णकालिक कप्तानी सौपे जाने पर गर्व महसूस हो रहा है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए यह एक सम्मान और सौभाग्य की बात है। जब आप बच्चे होते हैं, तो न्यूजीलैंड के लिए खेलना सपना होता है, लेकिन अपने देश के लिए दोनों प्रारूपों में आधिकारिक तौर पर कप्तानी करना बेहद खास है। यह एक नई चुनौती है और मैं आगामी व्हाइट बॉल क्रिकेट के महत्वपूर्ण दौर में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं। सैंटनर ने हाल ही मे श्रीलंका में टी20 और वनडे सीरीज में टीम का नेतृत्व किया था। वह न्यूजीलैंड के उन चार खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने 100 से अधिक वनडे और टी20 खेले हैं। उन्होंने पहली बार नवंबर 2020 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वे ओवल में खेले गए एक टी20 में टीम की कप्तानी की थी और 2022 में एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड के खिलाफ एकमात्र वनडे में कप्तानी करते हुए न्यूजीलैंड के 24वें वनडे कप्तान बने थे। सैंटनर ने कहा कि दोनों व्हाइट बॉल टीमों की कप्तानी करना एक रोमांचक एहसास है। उन्होंने कहा, हमारे कुछ अनुभवी खिलाड़ी अपने करियर के अंत की ओर हैं, जिससे टीम में बदलाव का समय आ रहा है। मुझे लगता है कि यह शेष टीम और युवा खिलाड़ियों के लिए चुनौती को स्वीकार करने और इस टीम को आगे ले जाने का एक अच्छा मौका है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि सैंटनर इस भूमिका के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा, मिच एक शानदार टीम प्लेयर हैं और खेल के हर पहलू में उदाहरण पेश करते हैं। वह बेहद शांत और स्थिर स्वभाव के हैं और उन्हें ड्रेसिंग रूम में काफी सम्मान मिलता है। उन्होंने टी20 टीम की काफी बार कप्तानी की है और पिछले महीने वनडे टीम का नेतृत्व करते हुए भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था।

कमिंस ने पुष्टि की कि हेजलवुड सीरीज के बाकी बचे मैचों से बाहर

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड पिंडली की चोट के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं। मंगलवार की सुबह ऑस्ट्रेलिया के वार्म-अप के दौरान हेज़लवुड की दाहिनी पिंडली में चोट लग गई। उन्होंने चौथे दिन शुरुआती सत्र में एक ओवर फेंका और पिंडली में दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गए। 33 वर्षीय इस तेज़ गेंदबाज़ ने चोट की गंभीरता का आकलन करने के लिए स्कैन करवाया। बाद में मेडिकल स्कैन से पुष्टि हुई कि उनकी दाहिनी पिंडली में खिंचाव है, जिसके कारण यह तेज़ गेंदबाज़ सीरीज़ के बाकी मैचों से बाहर हो गया। कमिंस ने बुधवार को दिन के खेल के बाद एबीसी स्पोर्ट से कहा, "जोश (हेज़लवुड) के मामले में, हां, ज़ाहिर है कि यह आदर्श नहीं

है। वह सीरीज़ से चूक जाएगा। हां, ठीक होने में कुछ हफ्ते लगेंगे और फिर वहां से फिर से तैयार होगा। इसलिए निश्चित रूप से यह कब होगा, यह निश्चित नहीं है, लेकिन कम से कम यह सीरीज़ तो होगी ही। हेज़लवुड मंगलवार को चौथे दिन के खेल की शुरुआत में मैदान पर देर से पहुंचे और जब उन्होंने अपना स्पैल शुरू किया तो संघर्ष करते दिखे, शायद ही कभी 131 किमी प्रति घंटे से ज़्यादा की रफ़्तार पकड़ पाए। उस ओवर के बाद ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान, उन्हें मैदान छोड़ने से पहले कमिंस, स्टीवन स्मिथ और फिजियो निक जोन्स के साथ लंबी चर्चा करते देखा गया। चोट के कारण सीरीज़ के बाकी मैच से चूकने पर विचार करते हुए, हेज़लवुड ने निराशा व्यक्त की, लेकिन ज़ोर देकर कहा कि वह और मज़बूती से वापसी करेंगे।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैं निराश हूं कि मैं चोट के कारण गाबा टेस्ट के लिए गेंदबाजी नहीं कर सका, लेकिन यह सब खेल का हिस्सा है। मैं वापसी करने और टीम के साथ वह करने के लिए कड़ी मेहनत करूंगा जो मुझे पसंद है.. टीम को शुभकामनाएं ! शेष श्रृंखला के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं - चलो जीतते हैं! ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए अपने प्लेइंग 11 में केवल एक बदलाव किया, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जिसमें हेज़लवुड ने स्कॉट बोलैंड की जगह ली, जिन्होंने तब एडिलेड टेस्ट में पांच विकेट लिए थे जब हेज़लवुड अपनी साइड इंजरी के कारण मैच से बाहर हो गए थे। हेज़लवुड की अनुपस्थिति में, बोलैंड 26 दिसंबर से एमसीजी में शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेलने की दौड़ में वापस आ गए हैं।

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने विश्व विजेता गुकेश को किया सम्मानित

चेस अकादमी की स्थापना का एलान किया

चेन्नई, एजेंसी। राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने विश्व शतरंज विजेता पांच करोड़ रुपये का चेक थमाया और शॉल पहनाई। दुनिया के सबसे युवा शतरंज चैंपियन डी गुकेश को मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सम्मानित किया। राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने विश्व शतरंज विजेता पांच करोड़ रुपये का चेक थमाया और शॉल पहनाई। इस दौरान उन्होंने राज्य में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए और उन्हें तैयार करने के लिए शतरंज अकादमी स्थापित करने का भी एलान किया।

शतरंज अकादमी की स्थापना की जाएगी - सीएम स्टालिन ने कहा, भारत के 85 में से 31 शतरंज ग्रैंडमास्टर तमिलनाडु के हैं। यह सम्मान केवल गुकेश के लिए ही नहीं बल्कि सभी उपलब्धि हासिल करने वालों के लिए है। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उपलब्धि हासिल करने वालों को

तैयार करने के लिए शतरंज अकादमी की स्थापना की जाएगी।

स्टालिन ने आगे कहा, मैं 18 साल की छोटी उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बनने के लिए हमारे गुकेश की सराहना करता हूं। हमारे चेन्नई के लड़के ने एक रिकॉर्ड बनाया है और पूरी दुनिया उसकी सराहना कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गुकेश के माता-पिता को मंच पर आने के लिए कहा और उनकी मौजूदगी में चेक सौंपा।

कार्यक्रम में स्टालिन ने कहा कि गुकेश 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए थे और 18 साल की उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। उन्होंने कहा, इसलिए उन्हें अपनी प्रेरणा मानें और सफलता हासिल करें। हमें लाखों गुकेश बनाने चाहिए। स्टालिन ने कहा कि शतरंज के खेल की तरह जीवन में भी बड़ी जीत हासिल करने के लिए बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, शतरंज एक दिमागी खेल है। कभी-कभी हमें जीतने के लिए रानी का बलिदान करना पड़ता है। इसलिए जीवन में जीतने के लिए हमें बलिदान करने के लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन अगर आप सावधानी से खेलते हैं तो प्यादे रानी की तरह शक्तिशाली बन सकते हैं। इसलिए जीवन में जीतने के लिए जो आवश्यक है, वह है धैर्य और दृढ़ संकल्प।

हम बहुत खुश हैं - उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि जिस तरह गुकेश के माता-पिता उसकी उपलब्धि पर खुशी से अभिभूत हैं, उसी तरह मुख्यमंत्री और राज्य सरकार भी बहुत खुश है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु आज उनकी उपलब्धि का जश्न मना रहा है। गुकेश पूरे भारत और तमिलनाडु के लिए गर्व का स्रोत हैं। उनकी उपलब्धि ने पुष्टि की कि शतरंज का मतलब चेन्नई है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट ड्रॉ

राहुल-जडेजा और बुमराह ने फॉलोऑन से बचाया, सीरीज एक-एक से बराबर

ब्रिस्बेन, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट ड्रॉ हो गया है। ब्रिस्बेन के द गाबा मैदान पर बुधवार को मुकाबले के आखिरी दिन 25 ओवर ही डाले जा सके। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 275 रन का टारगेट दिया था, लेकिन बारिश के कारण दिन का खेल रद्द कर दिया गया। बारिश से पहले भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बिना नुकसान के 8 रन बनाए थे। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल 4-4 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाजों ने 89 रन पर ऑस्ट्रेलिया के 7 विकेट गिरा दिए थे, तभी कप्तान पैट कमिंस ने पारी घोषित कर दी। सुबह इंडियन टीम पहली पारी में 260 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी। यहां कंगारुओं को पहली पारी में 185 रन की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। इस ड्रॉ के बाद 5 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने पहला टेस्ट 295 रन, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टेस्ट 10 विकेट से जीता था। चौथा मुकाबला मेलबर्न के एमसीजी मैदान पर 26 दिसंबर से खेला जाएगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भयंकर बदलाव, हैरी ब्रूक की कुर्सी छिनी, ये खिलाड़ी बन गया नंबर वन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने एक बार फिर से नई रैंकिंग जारी कर दी है। आज ही भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मुकाबला खत्म हुआ है। इसके बाद ही आईसीसी ने नई रैंकिंग जारी कर दी है। हालांकि ये मैच चुंकि आज तक चला है, इसलिए उसके आंकड़े रैंकिंग में नहीं जोड़े गए हैं। इसके बाद भी नई रैंकिंग में कई सारे फेरबदल हो गए हैं। खास तौर पर नंबर वन की कुर्सी में फिर से बदलाव हो गया है। हैरी ब्रूक्स इससे पहले नंबर एक बल्लेबाज थे, लेकिन अब वे नीचे आ गए हैं। जो रूट ने फिर से नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा कर लिया है।

- जो रूट नंबर वन और हैरी ब्रूक दूसरे नंबर पर पहुंचे - आईसीसी की ओर से जारी की गई नई टेस्ट रैंकिंग में जो रूट पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। जो रूट की रेटिंग इस वक्त बढ़कर 895 की हो गई है। वे इससे पहले दूसरे स्थान पर थे, लेकिन अब वे फिर से टॉप की कुर्सी पर कब्जा जमाने में कामयाब हो गए हैं। इस बीच इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 876 की रेटिंग के साथ अब दूसरे स्थान पर हैं। उन्हें हल्का सा नुकसान हुआ है। इस बीच केन विलियमसन ने अपने पिछले ही मुकाबले में सेंचुरी लगाई थी, इसलिए उनकी रेटिंग तो बढ़ी है, लेकिन रैंकिंग में कोई असर नहीं पड़ा है।

रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

287 मैच में 765 विकेट लिए; भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं।

38 साल के अश्विन ने गाबा टेस्ट खत्म होते ही रिटायरमेंट का ऐलान किया। वे कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। उन्होंने कहा, आज भारतीय टीम के क्रिकेटर के तौर पर मेरा अंतिम दिन था। मैं क्लब क्रिकेट खेलता रहूंगा।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा - टेस्ट में 537 विकेट लिए अश्विन ने 2010 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट हासिल किए। उनके नाम 37 फाइव विकेट हॉल हैं और 8 बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। अश्विन ने 156 वनडे विकेट भी हासिल किए। टी-20 में अश्विन ने 72 विकेट चटकाए। अश्विन ने खतीर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन बनाए और उन्होंने कुल 6 टेस्ट शतक लगाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम कुल 8 शतक रहे।

सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल लेने वाले भारतीय अश्विन के नाम टेस्ट में 37 फाइव विकेट हॉल हैं, जो कि

किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। उनके बाद कुंबले का नंबर आता है। कुंबले ने टेस्ट में 35 बार पारी में पांच विकेट लिए थे। ओवरऑल सबसे ज्यादा पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार ऐसा किया था। अश्विन शेन वॉर्न के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए अश्विन ने करियर में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ तीनों फॉर्मेट मिलाकर 53 मैचों में खेले और 150 विकेट लिए। वहीं, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसके खिलाफ अश्विन के 50 मैचों में 146 विकेट हैं। विदेश में ऑस्ट्रेलिया के मैदान पर सबसे ज्यादा विकेट लिए विदेश में अश्विन के सबसे ज्यादा विकेट ऑस्ट्रेलिया में हैं। उन्होंने कंगारुओं के होम ग्राउंड पर तीनों फॉर्मेट में कुल 38 मुकाबले खेले और 71 विकेट लिए। इसके अलावा श्रीलंका में 16 मैच में उनके 49 विकेट हैं। भारत में अश्विन के 131 मैचों में 475 विकेट हैं।

चंडीगढ़ के अयान गुप्ता रहे बेस्ट गोलफर

चंडीगढ़, एजेंसी। 123वीं आईजीयू ऑल इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप में चंडीगढ़ के अयान गुप्ता बेस्ट गोल्फर रहे। इंडियन ऑयल कारपोरेशन से स्पॉन्सर्ड अयान ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। चंडीगढ़ गोल्फ टूर्नामेंट में वे सेमीफाइनल तक पहुंचे और करीबी मुकाबले में उन्हें हार झेलनी पड़ी। अयान ने लगातार दो मैच जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसमें टॉप-8 गोल्फर्स खेल रहे थे। सेमीफाइनल में वरुण मुथप्पा को उन्होंने कड़ी चुनौती दी। 18 होल तक अपना बेस्ट करने के बाद उन्होंने प्लेऑफ में जगह बनाई। यहां करीबी अंतर से उन्हें 19वें होल पर हार का सामना करना पड़ा। वे अंत तक लड़ते रहे, लेकिन 1 अप शॉट की वजह से उन्हें बाहर होना पड़ा। इसके बाद भी उन्होंने बेस्ट सिटी गोल्फर का टैग अपने नाम कर लिया। वे 88 गोल्फर्स के बीच टॉप-5 में शामिल रहे। अयान की लगन और कड़ी मेहनत सराहनीय है। उन्हें अभी कई टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है और 2025 में वे खितावी जीत के साथ प्रोफेशनल गोल्फ में कदम रखने की कोशिश करेंगे। वह हर जगह युवाओं के लिए एक आदर्श है, जो दिखाता है कि कड़ी मेहनत और लगन से कुछ भी संभव है।

डीएसपी मोहम्मद सिराज को मिला डबल प्रमोशन ! भज्जी ने गाबा टेस्ट के दौरान किया खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट चौथे दिन बेहद रोमांचक मोड़ पर आ पहुंचा था. ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसके जवाब में टीम इंडिया एक समय फॉलोऑन बचा पाने के लिए भी संघर्ष कर रही थी. बता दें कि गाबा टेस्ट में चौथे दिन मोहम्मद सिराज को भारतीय मैनेजमेंट ने नौवें क्रम पर बैटिंग के लिए भेजा था. अब भारत के दिग्गज गेंदबाज हरभजन सिंह ने सिराज की बैटिंग पोजीशन को लेकर मजेदार बयान दिया है.

इस चर्चित विषय ने वहां से तूल पकड़ा जब गाबा टेस्ट में चौथे दिन मैदान में नाथन लायन ने जसप्रीत बुमराह से पूछा कि वो सिराज से निचले क्रम पर बैटिंग क्यों कर रहे हैं? बुमराह ने कहा कि इसके पीछे एक राज छुपा हुआ है. अब एक शो पर चर्चा करते हुए हरभजन सिंह ने सिराज की बैटिंग पोजीशन पर चुटकी लेते हुए कहा कि अधिकांश लोग यही सवाल पूछ रहे थे कि सिराज को बुमराह और आकाशदीप से ऊपरी क्रम में बैटिंग के लिए क्यों भेजा गया?

डीएसपी मोहम्मद सिराज को मिला प्रमोशन - हरभजन सिंह ने मोहम्मद सिराज की बैटिंग पोजीशन के सवाल पर मजाकिया अंदाज में कहा, यह बहुत अच्छा सवाल है. मुझे नहीं पता कि उन्होंने बल्लेबाजी में ऐसा क्या किया है जिससे उन्हें बैटिंग में ऊपरी क्रम पर भेजा गया. उन्हें पुलिस की नौकरी में प्रमोशन मिला और अब यहां भी प्रमोशन मिल गया है. याद दिला दें कि तेलंगाना सरकार ने अक्टूबर 2024 में सिराज को डीएसपी नियुक्त किया था. मोहम्मद सिराज को नौवें क्रम पर भेजे जाने के फैसले की जमकर आलोचना हुई थी. एक छोर से रवींद्र जडेजा ने कमान संभाली हुई थी और भारत को फॉलोऑन स्कोर बचाना था. ऐसे में सिराज 11 गेंद खेलकर मात्र 1 रन बनाकर आउट हो गए थे.

डोपिंग में फेल होने के बाद चेल्सी के फॉरवर्ड माइखाइलो मुडरीक पर लगा सस्पेंशन

नई दिल्ली,एजेंसी। चेल्सी के फॉरवर्ड माइखाइलो मुडरीक को डोपिंग टेस्ट में फेल होने के बाद अस्थाई तौर पर सस्पेंड कर दिया गया है। फुटबॉल एसोसिएशन ने यूरीन टेस्ट के नतीजों के आधार पर क्लब से संपर्क किया था। मुडरीक ने हालांकि डोपिंग से इनकार किया है और उनका कहना है कि वह ऐसे पदार्थों का कभी सेवन नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मामले की जांच करेंगे और आगे की प्रक्रिया पर विचार कर रहे हैं।

मुडरीक ने अपने बयान में कहा, मैं यह पुष्टि कर सकता हूं कि फुटबॉल एसोसिएशन को दिए गए मेरे सैंपल में एक प्रतिबंधित पदार्थ मिला है। यह मेरे लिए बेहद चौंकाने वाली बात है क्योंकि मैंने कभी जानबूझकर किसी प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन नहीं किया और न ही किसी नियम को तोड़ा। मैं अपनी टीम के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं कि यह कैसे हुआ। मुझे भरोसा है कि मैंने

कुछ गलत नहीं किया है और मैं जल्द से जल्द मैदान पर लौटने की उम्मीद करता हूं। गोपनीयता के चलते मैं अभी ज्यादा कुछ नहीं कह सकता, लेकिन जैसे ही संभव होगा, मैं और जानकारी दूंगा।

मुडरीक के सैंपल में जो पदार्थ मिला है, उसे 'मेल्डोनियम' कहा जा रहा है। यह एक परफॉर्मेंस-बढ़ाने वाली दवा है, जिसे जनवरी 2016 में वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) ने प्रतिबंधित सूची में शामिल किया था।

चेल्सी फुटबॉल क्लब ने भी बयान जारी करते हुए कहा, "हमें फुटबॉल एसोसिएशन ने हमारे खिलाड़ी मायखाइलो मुद्रिक के एक सामान्य टेस्ट में खराब नतीजे की जानकारी दी है। क्लब और मुडरीक दोनों एफए के टेस्टिंग प्रोग्राम का समर्थन करते हैं। सभी खिलाड़ियों का नियमित रूप से परीक्षण किया जाता है। मुडरीक ने साफ कहा है कि उन्होंने कभी किसी प्रतिबंधित पदार्थ का जानबूझकर इस्तेमाल नहीं किया। अब क्लब और मायखाइलो मिलकर इस मामले की जांच करेंगे कि ऐसा क्यों हुआ। मुडरीक को जनवरी 2023 में चेल्सी ने लगभग 89 मिलियन पाउंड की बड़ी डील पर साइन किया था। उन्होंने चेल्सी के साथ आठ साल से अधिक का करार किया है, जो जून 2031 तक चलेगा। हालांकि क्लब में अब तक उनका प्रदर्शन बहुत प्रभावी नहीं रहा है। उन्होंने 73 मैच खेले हैं, जिसमें सिर्फ 10 गोल और 9 असिस्ट किए हैं।